Nonh.Coll. present tense form of *araghaba* (q.v.).

𑒁𑒩𑒒𑒰 अरघा—अर्घा (दे०) केर ग्रा० रू०। अर्घ देबाक पैघ तामक बनल पात्रविशेष। [सं०]। *araghā*—Folk form of *arghā* (q.v.).

𑒁𑒩𑒒𑒱 अरघि—अरघब (दे०) केर पू० क्रि०क रू०। अपूर्व रसगुल्ला २३। *araghi*—Part. form of *araghaba* (q.v.).

𑒁𑒩𑒒𑒲 अरघी—अर्घी (दे०) केर ग्रा० रू०। छोट अरघा (दे०)। द्विरा० १६६ (जहाँ सराइ अरघी माँजि क पूजा घरमे रखैत छलीह)। *araghī*—Folk form of *arghī* (q.v.).

𑒁𑒩𑒒𑒾𑒞(𑒞𑒲) अरघौत(ती)—फल, ठकुआ आदिसँ बनल अर्घक पदार्थ(षष्ठी व्रतादिमे सूर्यकें अर्घ देब काल); भगवानकें देबाक हेतु वर्तन वा अर्घामे राखल। [सं० अर्घौत FML 24]। *araghauta*—Offering of fruit etc. put in a pot.

𑒁𑒩𑒔𑒟𑒱, 𑒁𑒩𑒔𑒢, 𑒁𑒩𑒔𑒥, 𑒁𑒩𑒔𑒃, 𑒁𑒩𑒔𑒰, 𑒁𑒩𑒔𑒱 अरचथि, अरचन, अरचब, अरचइ, अरचा, अरचि—अरचब क्रि० अर्चन (दे०) सँ बनल अछि तथा ओहीसँ ई सभ शब्दबनल महेश० २२ (अरचथि नहि शशि भाल), महेश० १४ (तन अरचन मोर लागइ); महेश० ७० (तुअ पद अरचन मध धन खरच); महेश० ७० (हृदय कमल आनि अरचब); महेश० ३३ (तनिक चरण नहि अरचह); चन्द्र० ३२५ (कटाल श्यामदेवी तुअ अरचा); राम० ७६ (जनिकाँ अरचि होयत मन आन)। *aracathi*, *aracana*, *aracaba*, *araca-i*, *aracā*, *araci*—Forms of verb *aracaba* derived from the word *arcana* (q.v.).

𑒁𑒩𑒖 अरज—अर्ज़ (अर०=प्रार्थना) केर ग्रा० ओ का० रू०। [हि०]। मन० कृष्ण० ६८ (हरि सों द्वार मन कयल अरज); मै० लो० गी० १३०। *araja*—Folk or P.F. of *arza* (request).

𑒁𑒩𑒖𑒟𑒱 अरजथि—क्रि०। अरजब (दे०) केर अन्य पु० एकवचन वर्त० रू०। उपार्जन करैत छथि, कमाइ छथि। [अरजब]। एकावलो परिणय ५६; च० प० २१ (धन अरजथि कुल बोर)। *arajathi*—*V.* Earns.

𑒁𑒩𑒖𑒢 अरजन-अर्जन (दे०) केर का० रू०। कीर्तिलता ५६ (लूटि अरजन पेटे बए); महेश० २० (अनुखन मोर मन अरजन)। *arajana*—P. F. of *arjana* (q.v.).

𑒁𑒩𑒖𑒥 अरजब—क्रि०। अर्जन करब (दे०)। [अर्जन+अब]। महेश० ४२ (अरजब धन आनक)। *arajaba*—*V.* To earn.

𑒁𑒩𑒖𑒪 अरजल—अरजब (दे०) केर आद० भू० रू०। वि० पदा० मजु० ३५७ (दुन्हि अरजल अपजस अपकार); ऐ० ५५४ (मान जमाओल अरजल लाज); वि० राग० ७४ (जे अरजल एहेन भाग); वि० वि० ७१ (तदुपरि अरजल राग भाग); महेश० ५४ (जनम जनम अध हो हो रे अरजल); च०प० ६८ (अरजल पाप विशाल); मिहिर २-६१-५६; नव० ५८ (तनिके अरजल ई सम्पदा)। *arajala*—Hon. past tense form of *arjana* (q.v.).

𑒁𑒩𑒖𑒱 अरजि—अरजब (दे०) केर पू० क्रि०क रू०। राम० ३५५ (अरजि मरजि दुख कनितहु); महेश० २५ (अधमक अरजि श्रवण पयि लेत); चानोदाइ ३६ (कोनो पुरखा अरजि गेल छलाह)। *araji*—*Part.* form of *arjana* (q.v.).

𑒁𑒩𑒖𑒱𑒞 अरजित—वि०। उपार्जित, कमाएल गेल, उपार्जन कएल गेल। [सं० अर्जित]। तु० क० प्राकृ० अज्जिअ। च०प० २६५ (छल दुख जत अरजित अर्थ)। *arajita*—*Adj.* Eearned.

𑒁𑒩𑒖𑒲 अरजी—निवेदन पत्र, प्रार्थना पत्र। [अर० अर्जी]। तु० क० ने०, हि०, अरजी; बं०, अस० अरजी। वि० पदा० मजु० ? (सुजन अरजी कल मन्दो) च०प० २१ (अरजी अपन सुनावै); मिथिला नाटक १२ (अरजी पठा दैत छिऐन्हि); मि० वि० १ (तैं ई अरजी पेश)। *arajī*—Application.

𑒁𑒩𑒖𑒲𑒠𑒰𑒫𑒲 अरजीदावी—आधिपत्य वा अधिकार करबाक निवेदन, वादपत्र। [अर०]। बनमानुष १५६। *arajīdāvī*—Plaint.

𑒁𑒩𑒖𑒳𑒢 अरजुन—अर्जुन (दे०) केर अशु० का० रू०। वि० पदा० मजु० १५७ तालपत्र न० गु० ६६ अ० १११ (राए अरजुन कमला देइ कन्त); ऐ० १५७ तालपत्र न० गु० ७२१ अ० ७२० (त्रिपुरसिंघ सुत अरजुन नाम); मन० कृष्ण० ३ (इन्द्र अंश अरजुन अवतार); मन० कृष्ण० ८१ (भक्ति बहुत अरजुनकाँ देल)। *arajuna*—P. F. or err. of *Arjuna* (q.v.).

𑒁𑒩𑒖𑒻 अरजै—क्रि०। अरजब (दे०) केर वर्त० रू०। द्विरा० १४० (अरजै छथि)। [अरजैत केर लघु रू०]। *arajai*—*V.* Present tense form of *arajaba* (q.v.).

𑒁𑒩𑒛𑓃 अरड़—अड़र (दे०) केर विक० लु० रू०। सर्वानन्द। *araḍa*—Alt. obs. of *Aḍara* (q.v.).

𑒁𑒩𑒛𑓃𑒢𑒹𑒥𑒰 अरड़नेबा—एक प्रकारक फलविशे। जेकर गाछ पैघ पैघ आ एकर फल खएबामे विशेष रुचिकर होइछ। अरण्य अथवा अडर +मेवा]। मिहिर ३८-१२-६ (अरड़नेबाक गाछसँ दू तीनटा पात तोड़ि)। *araḍanebā*—Papaya.

𑒁𑒩𑒝𑒱(𑒝𑒲) अरणि(णी)—एक प्रकारक वृक्षविशेष जकर काठकें रगड़लासँ आगि उत्पन्न होइछ। [सं०]। तु० क० बं० अरणी; पा० प्राकृ० अरणि, सि० रिणि। अमर० १६१ (अरणि ई अग्निक उपादानार्थ मन्थनीय काष्ठक नाम); सुभद्राहरण ६४; पञ्चराज ४५। *araṇi(ṇī)*—Name of fire-yielding wood.

𑒁𑒩𑒝𑓂𑒨 अरण्य—कानन, वन, जंगल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० अरण्य; प्रा० अरण्ण; पा० अरञ्ञ; गु०, म० रान। वि० वि० १८ (तेहि अरण्य मै जतेक तिर्थ अछि); पुरु० १८० (हमरहु अरण्य आनि की कष्ट दै छी); च०प० २२५ (अरण्य भूमि वास)। *araṇya*—Forest.

𑒁𑒩𑒝𑓂𑒨𑒩𑒼𑒠𑒢 अरण्यरोदन—निरर्थक कानब, एहन कानब

जकरा सुननिहार केओ नहि, पढ़न बात जाहिपर केओ ध्यान नहि देअए। [सं०]। तु० क० हि०, वं०, अस०, ने० **अरण्यरोदन**); मि० मित्र ४४६ (सव **अरण्यरोदन** करैत अकालहि मैं काल कवलित भेल)। कन्या० १२२ (पुरोहितजीक उक्ति **अरण्यरोदन** भेल)। *araṇyarodana*—Useless weeping.

অবতল अरतल—वि०। शीघ्र-कर्त्तव्य (दी०), जल्दी कार्यक समाधान करब, अगुताइ, व्याकुल। [सं० आर्त]। ग्रिअर्सन। वि० पदा०मजु० १५५ रमानाथ झा (एतएक एसनि कजगति...ए **अरतल** वर नाह); वि०पदा० मजु० १६६ (आरति **अरतल** आवए पास); मै० सा० इ० (कृष्ण कवि) (हुरतव **अरतल** अवतरल शिवहुँ उपर)। *aratala*—*Adj*. Requiring quick solution.

অবতালিস अरतालिस—अठतालिस (दे०) केर अशु० वा० रू०। FML 370। *aratālisa*—*Coll.* err. form of *aṭhatālisa* (q.v.).

অবতি अरति—विरति, असंतोष, रति नहि होएबाक भाव वा अवस्था, ककरोसँ अनुराग वा प्रीति नहि होएब। [सं०]। तु० क० हि०, वं०, अस० अरति। *arati*—Dissatisfaction, discontent.

অবতিস अरतिस—अठतिस (दे०) केर अशु० वा० रू०। FML 369। *aratisa*—*Coll.* err. form of *aṭhatisa* (q.v.).

অবথ अरथ—अर्थ (दे०) केर का० रू०। तु० क० हि०, अव० **अरथ**। वि० पदा० मजु० १७७ न० गु० तालपत्र ३० अ० २६ कै (**अरथ** असम्भव के पतिआए); ऐ० १८८ नेपाल ८८ पृ० ३ख न० गु० ४४२ (बिनु हटवइ **अरथ** बिहुन जैसन हाटक गेह); महेश० ७५ (**अरथ** वरथ ततै हे शिव); च०प० ३६५ (**अरथ** वरथ सन रहल तन धर्म); ज्वाला २०। *aratha*—P.F. of *artha* (q.v.).

অবথি अरथि—अर्थ (दे०) केर पू० क्रि०क रू०। [सं०√ अर्थ (प्रार्थना कए)]। महेश० ५७ (**अरथि** चलल सभ हो हो रे)। *arathi*—Part. form of *artha* (q.v.).

অবথিত अरथित—वि०। प्राथित भाव प्रदर्शन करबामे; भाव, अर्थ। [सं० अर्थित]। तु० क० प्रार्थित। वि० ने० ६२ (दुरहि वरते **अरथित**); वि० पदा० मजु० ६३ रागत० ६४ न० गु० तालपत्र ३५५ अ० ३५२ (अपन अपन काज करइत अधिक लाज, **अरथित** आदर हानी)। *arathita*—*Adj*. Begged, expressed.

অবথিতে अरथिते—अरथित (दे०) केर निश्च० रू०। वि० ने० २६७ (अति **अरथिते** किछु छाड़ब लाज)। *arathite*—Emph. of *arathita* (q.v.).

অবথী अरथी—प्रार्थी, भीख मङनिहार। [सं० अर्थी]। चौनीक लड्डू १६। **अरथी मौगीके** कुरथीक कोर=अनठाएकें वजनिहार वा कार्य करनिहारकें अधलाह फल प्राप्त होइछ। *arathī*—Applicant, beggar.

অবদব अरदर—अण्ट सण्ट (बाजब), निरर्थक वार्तालाप। [? आर्द्राक वर्षा जकाँ बेहिसाब अथवा शब्दानुकरण]। मिहिर २-६१-६६; गल्पाञ्जलि ८३; चारि आना कैञ्चा ८। *aradara*—Incoherent speech.

অবদবা अरदरा—आर्द्रा (दे०) केर ग्रा० रू०। BPL 967 1082, 1084, 1085, 1086 (**अरदरा** धान पुनरवस पैया। गेल किसान जे बोए चिरैया); कुमार ११८। *aradarā*—Folk form of *ārdrā* (q.v.).

অবদাবা अरदावा—अजो आओर बादामक दोखरा जे कि घोड़ा खाइत अछि। [?]। BPL 1272। *aradāvā*—Gram and barley mixed and parched, used as a food for horse.

অবধঙ্গ अरधङ्ग—अर्द्धाङ्ग, लकवा, आधा अंग (यथा अर्धनारीश्वर शिवमे), रोगविशेष (दी०)। [सं० अर्द्धाङ्ग]। महेश्वर विनोद ५५। *aradhaṅga*—Paralysis, half body.

অবধনা अरधना—आराधना (दे०) केर वा० रू०। रेखाचित्र ७४। *aradhanā*—Coll. form of *ārādhanā* (q.v.).

অবধাংগা अरधांगा—अर्धाङ्ग (दे०) केर का० रू०। वि० वि० २ (नाचय शंकर गौरी **अरधांगा**)। *aradhāṅgā*—P. F. of *ardhāṅga* (q.v.).

অবধাঙ্গি अरधाङ्गि—अर्धाङ्ग (दे०) केर स्त्री० रू०। गणेश खण्ड ५२। *aradhāṅgi*—Fem. form of *ardhāṅga* (q.v.).

অবধী अरधी—छोट जातिमे स्त्रीक एक स्वामी मुइलाक बाद पुनः जे सम्बन्ध होइत छैक ओकरा **अरधी** कहल जाइत छैक। मिथिलाक दक्षिण-पूर्व भागमे **चुमावन** तथा **चुमौना** कहल जाइत छैक। [अर्ध+ई]। तु० क० समन्ध चुमाओन। BPL 1279। *aradhī*—A widow's remarriage in lower classes.

অবধুআ अरधुआ—जाहि पुरुषक पहिल वा दोसर स्त्री मरि गेलाक बाद पुनः विवाह होइछ ओकरा **अरधुआ** कहल जाइछ। मिथिलाक पश्चिम भागमे अरधुआ वा भतार सगहुआ कहल जाइछ। तु०क० सगाई, द्वितीय वर। [अर्ध+? ऊढ़ा > उआ]। *aradhuā*—Remarriage of a widower.

অবনা अरना—जन्तु विशेष, वन्य महिष (दी०)। [सं० अरण्य > अरन+आ]। कन्यादान २२ (थोड़बहि कालमे **अरना** महिष जकाँ फोंफ काटय लागल); रंगशाला १४१ (बड़काटा **अरना** महिष भेटलैन्ह)। *aranā*—A wild buffalo.

অবনী अरनी—सोनारक माथीक उपरका फोंफी वा चोंगा जाहिसँ हवा कएल जाइत छैक, एकरा **आरन** सेहो कहल जाइत छैक। मिथिलाक दक्षिण पूर्व भागमे एकरा **आर** सेहो कहल जाइत छैक। [? सं० भरणी]। *aranī*—The clay pipe of a goldsmith.

অবপন अरपन—अर्पण (दे०) केर का० रू०। तु० क० हि० अरपन। च० प० १२६ (तनि पद **अरपन** मन निरदोष)। *arapana*—P.F. of *arpaṇa* (q.v.).

অবপথি अरपथि—क्रि०। अर्पण (दे०) वर्त०आद० केर मध्यम पु० रू०। मिहिर ३-६१-६३-१८। *arapathi*—*V.* Hon.

present tense second person form of *arpaṇa* (q.v.).

𑒁𑒩𑒣𑒨 अरपय—क्रि० वि० । अर्पण करबाक हेतु, समर्पित करब । [सं० अर्पण] । गणेश खण्ड ११; ग० मि० ११ (पारिजात **अरपय** सुखमूल) । *arapaya—Adv.* For surrendering.

𑒁𑒩𑒣𑒪 अरपल—अर्पण (दे०) केर भू० आद० उत्तम पु० रू० । वि० वि० २० (**अरपल** कतेक प्रकारें); राम० ४६ (सीता **अरपल** रामक हाथ); महेश० ३ (शिवपद **अरपल** परान); च०प० ७१ (तन मन **अरपल** प्रान); एकावली परिणय २० । *arapala*—Hon. Past tense first person form of *arpaṇa* (q.v.).

𑒁𑒩𑒣𑒰 अरपा—धान वा अन्य खाद्य पदार्थक काटल गाछक मूँठ । एकरा पटना आ गयामे **अरपा** कहल जाइत छैक । अपना सभक मूँठ अर्थात् ४ अरपा = १ आँटी, ५ अरपा = एक पाँज । BPL 884 [?] । *arapā*—Name of a handful of cut paddy or wheat.

𑒁𑒩𑒣𑒱 अरपि—क्रि० । अर्पण कए कें, समर्पित कए । अर्पण (दे०) केर पू० क्रि०क रू० । [सं०] । महेश० ४४ (शिवक चरण **अरपि** रहू); गजग्राह उद्धार १०; मेरुप्रभा ३२ । *arapi—V.* Part. form of *arapaṇa* (q.v.).

𑒁𑒩𑒣𑒱𑒞 अरपित—वि० । समर्पित अपनाकें अर्पित कए देव, समर्पण । [सं०अर्पित] । च० प० १६६ (**अरपित** करु अनुकूल); ऐ० २७८ (विलसित मन **अरपित** हरसँ) । *arapita-Adj.* Surrendered.

𑒁𑒩𑒣𑒱𑒌𑒢𑓂𑒯(𑒣𑒲𑒌𑒢) अरपिऔन्ह(पीऔन)—अर्पण (दे०) केर आद० भू० अन्य पु० रू० । मोद ५८ । *arapiaunha(pīaunа)—V.* Hon Second person form of *arpaṇa* (q.v.).

𑒁𑒩𑒥 अरब—एक सए करोड़ । [सं० अर्व] । तु०क० हि०, बं०, अस०, राज० **अरब** । महेश० २० (**अरब** खरब धन कयलहुँ) । *araba*—Hundred crores.

𑒁𑒩𑒥𑒠𑓂𑒡𑒱 अरबद्धि—अरबधि (दे०) केर वा० रू० । FML 564 । रंग० ? (प्रायः **अरबद्धि** भड जाएत); पारो० ४२ (**अरबद्धि** हमरे लए) । *arabaddhi—Coll.* form of *arabadhi* (q.v.).

𑒁𑒩𑒥𑒡𑒱 अरबधि—अ० । कृत्रिम कए (दी०) खुष्ठमख्यालसँ । [अरि + बुद्धि FML 564 575] । मन० कृष्ण० १० (**अरबधि** तनिक ममोड़ब ठोंठ); (**अरबधि** कए हमरे ऊपर सभ भार छोड़ि देल गेल अछि) । *arabadhi—Ind.* Intentionally.

𑒁𑒩𑒥𑒩 अरबर—अ० । अण्टसण्ट । [बरबराए + शब्दानुकरण अथवा अरदर] । *arabara—Ind.* Incoherent speech.

𑒁𑒩𑒥𑒰 अरबा—बिनु उसिनल (चाउर आदि) दी० । [सं० अर्वा = सूर्य (मात्रसँ पाकल) > अरवा > अरबा] । तु० क० **अरबा** (दे०) । *arabā*—Unboiled rice.

𑒁𑒩𑒥𑒱𑒢𑓂𑒠 अरबिन्द—कमल । [सं०अरविन्द] । कीर्तिलता ३६ (हंसिअ **अरबिन्द** कानन) । *arabinda*—Lotus.

𑒁𑒩𑒥𑒲 अरबी—एक प्रकारक कन्दविशेष, आरु वा अरुबी, एकरा पेंची हमरालोकनि कहैत छिऐक । BPL 1061 । [आरु अथवा हि०अरुबी] । तु० क० हि० **अरुबी**, **अरबी**; बि० **अरूई**; गु० **अलुई**; बं०, अस० **आरवी**; प्राकृ० **आलुई**; पा० **आलु**, **ओउक**, **ओउप**; कुमाउनी **ओलुह**; उ० **आलू**; भोज० **अरुआ** । *arabī*—A partic creeper, esclulent root.

𑒁𑒩𑒥𑒹𑒚 अरबेठ—अरबा चाउरक चिक्कस (दी०) । [अरबा + आटा > एठ] । *arabeṭha*—Flour of *arabā* (q.v.)rice.

𑒁𑒩𑒦𑒖 अरभज—जिद्द, हठ । [अरबधि] । मिहिर २-६२-८३-१८ (उमादाइ **अरभज** ठानि देलथिन जे भोजीकें हमहीं खोअरबनि) । *arabhaja*—Insistent behaviour.

𑒁𑒩𑒦𑒙𑒱𑒂 अरभटिआ—वि० । जिद्दी । [अरभज + इआ] । च०प० ५ (नारद मुनि **अरभटिआ**); ऐ० ७३ (पूजा बड़ि **अरभटिआ**) । *arabhaṭiā—Adj.* Insistent.

𑒁𑒩𑒧𑓂𑒦 अरम्भ—आरम्भ (दे०) केर का० ओ अशु० रू० । पुरु० १४२ (नृत्य **अरम्भ** कयल); गौरी स्वयम्वर ८ (गौरि स्वयंवर कैल **अरम्भ**) । *arambha*–P.F. and err. of *ārambha* (q.v.).

𑒁𑒩𑒧𑒢𑒲𑒨𑒞𑒰 अरमनीयता—का० रू० । रमणीय नहि; आनन्दप्रद नहि, दुखद, मनोरंजकताक अभाव । [सं०] । *aramaniyatā*—P. F. Unpleasantness.

𑒁𑒩𑒧𑒰𑒢 अरमान—इच्छा, महत्वाकांक्षा, लालसा । [फा०] । तु० क० हि० **अरमान** । *aramāna*—Wish, will.

𑒁𑒩𑒨 अरय—क्रि०वि० । अड़ए (दे०) केर अशु० रू० । ज्वाला २० । *araya—Adv.* Err. form of *aḍae* (q.v.).

𑒁𑒩𑒩-𑒠𑒩𑒩 अररदरर—अर्र-दर्र (दे०) केर वा० रू० । तु० क० **अरदर** (दे०) । *arara-darara—Coll.* form of *arra-darra* (q.v.).

𑒁𑒩𑒩𑒰[1] अररा[1]—एक प्रकारक लोहक मोड़ल सड़सी जाहिद्वारा चूल्हिमेसँ रोटी आदि बहार कएल जाइत अछि । एकरा चम्पारनमे **जोड़ी** वा **कन्सी** कहल जाइछ । BPL 451 । [?] । *ararā*[1]—An iron bar flattened at the end and used in taking cakes out of oven.

𑒁𑒩𑒩𑒰[2] अररा[2]—कछहरि, कछैर, किनहरि । [? आरि, अड़ब] । तु० क० **अड़रा** । *ararā*[2]—Embankment.

𑒁𑒩𑒩𑒲 अररी—टेढ़ ओ ऊँच पहाड़ वा देवाल । लु० प्र० । [?] । FML 32; सर्वानन्द (**अड़र**) । *ararī*—A slanting steep.

𑒁𑒩𑒫𑒢 अरवन—डोरीक बनल ससरफानी जे सुलभतासँ खुजि जाइत छैक । मिथिलाक दक्षिण पूर्व भाग तथा दक्षिण मुंगेरमे एकरा **रौना** बाजल जाइ छैक, पटनामे **अरवन** तथा उत्तर पूर्व मिथिलामे **फनकी**, गयामे **फदनी** एवं दक्षिण भागलपुरमे **फैँसरगाली** । [?अड़ब] । तु०क० **अड़ाँच** । *aravana*—The knot round the neck

of the vessel.

𑒁𑒩𑒫𑒰 अरवा—अरबा (दे०) केर विक० रू० । (BPL 963 which is not parboiled before husking and is eaten by the widows and the higher castes)। प्रणम्य० १६२ (किन्तु अरवा चाउर दए गेल अछि); सुशीला २८। *aravā*—Alt. form of *arabā* (q.v.).

𑒁𑒩𑒫𑒱𑒢𑓂𑒠 अरविन्द—कमल । [सं०] । तु० क० बं०, अस० अरविन्द; हि०, राज० अरबिंद । कीर्तिलता ३६ (अरविन्द कानन निन्दे नअन परिहरिअ उट्ठि राए पष्खर आनन); वि० पदा० मजु० ५ रागत० ४६ न० गु० ३५ अ० ३१ (कुचयुग अरविन्द); गो० शृं० १ अमर० ६ (गतिराज चरण अरविन्द । नखमणि विछवि दास गोविन्द); महेश० ७० (तुअ पद अरविन्द); मोद उद्० १५६–१५ (अरविन्द विनिन्दक तिमिर निकर तर छपित) । *aravinda*—Lotus.

𑒁𑒩𑒫𑒱𑒢𑓂𑒠𑒰 अरविन्दा—अरविन्द (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० २४ न० गु० तालपत्र १८३ अ० १०७ (जल विना अरविन्दा); ऐ० ७५ ग्रियर्सन ३ न० गु० ३०८ अ० २६६ (मुनि नयन अरविन्दा); महेश० ३७ (बसथि हृदय अरविन्दा) । *aravindā*—P. F. of *aravinda* (q.v.).

𑒁𑒩𑒮 अरस—वि० । नीरस (दी०), वेरस । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज० अरस; कुमायुनी अरोसु । वि० पदा० मजु० ३ नेपाल १६२ पृ० ६६क, न० गु० तालपत्र २६६ अ० २६२ (जृम्भरित पुनु पुनु जासि अरस तनु); शतदल १ (सम्भव न अरसमे रस भावक) । *arasa*—*Adj*. Dry, listless, dull.

𑒁𑒩𑒮𑒚𑒱 अरसठि—अठसठि (दे०) केर वा० रू० । ०तु क० आधुनिक अव० अरसठि । *arasaṭhi*—*Coll.* form of *aṭhasaṭhi* (q.v.).

𑒁𑒩𑒮𑒥-𑒣𑒩𑒮𑒥 अरसब-परसब—क्रि० । फैलसँ पसारब, परसब आदि कर्म । [परसब + शब्दानुकरण] । *arasaba parasaba*—*V*. Lay out plentifully food etc.

𑒁𑒩𑒮𑒰 अरसा—कोनो कार्यकेँ सम्पूर्ण होएबासँ पूर्वहि स्थगित करब, समयक कमाप्ति । [सं० आशा FML 263] । *arasā*—Postponement.

𑒁𑒩𑒮𑒰𑒋𑒪 अरसाएल—अलसाएल (दे०) केर विक० रू० अथवा अरसा (दे०) केर भू० रू० ।वि० पदा० मजु० ५६६ (भमर चकोर दुअओ अरसाएल) । *arasāela*—Alt. form of *alasāela* (q.v.). or past tense of *arasā* (q.v.).

𑒁𑒩𑒮𑒱𑒏 अरसिक—वि० । जे रसिक नहि होअए, अरमज्ञ, सुस्त । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज० अरसिक । पुरु० (अरसिक ओ मूर्ख दुरात्माक सम्भोगसौँ) । *arasika*—*Adj*. Who is not a *rasika* (q.v.), dull in appreciating sentiments or arts.

𑒁𑒩𑒮𑒲[1] अरसी[1]—आरसि, आदर्श (दी०), अएना । [सं० आदर्श > आरस > अरस + ई] । वि० ने० ६२ (हाथक काक न अरसी काज); अम्बचरित १६० । *arasī*[1]—Mirror.

𑒁𑒩𑒮𑒲[2] अरसी[2]—एक प्रकारक बाँसक बनल माछ मारबाक जाल वा गाँज । एकरा 'टापि' सेहो कहल जाइ तथा शाहाबादमे 'टाप', गाँजी सेहो बाजल आइछ । [सं० अर्पणी] । तु० क० आधुनिक, अव० अरसी) । BPL 646 । द्विरा० १११ (एकठाम माछ बझैबाक हेतु अरसी टभका लागल रहैक) । *arasī*[1]—A kind of bamboo net for catching fish.

𑒁𑒩𑒮𑒳𑒞𑒲 अरसुती—तु० प्र० । एकटा रागक नाम । [?] । वर्ण० ४७ (अरसुती, कोलकी, गान्धारी) । *arasutī*—*Obs*. Name of a Rāga.

𑒁𑒩𑒯𑒝𑒰 अरहणा—अर्हणा (दे०) केर वा० रू० । वर्तन जात । तु० क० राज० अरहणा । *arahaṇā*—*Coll*. form of *arhaṇā* (q.v.).

𑒁𑒩𑒯𑒢𑒰 अरहना—अरहणा (दे०) केर विक० रू० । व्यवहार विज्ञान ५०० (चौकी पर जे अरहना देल जाइ छै से किये ?); (अउजी रमेशकेँ ससुर बड़ उत्तम अरहना देलथिन्ह अछि) । *arahanā*—Alt. form of *arahaṇā* (q.v.).

𑒁𑒩𑒯𑒱𑒞 अरहित—वि० । पूजित, अर्चित, पूजा कएल । [सं० अर्हित] । तु० क० राज० अरहित । उषाहरण नाटिका ४१ । *arahita*—*Adj*. Worshipped.

𑒁𑒩𑒯𑒲 अरही—[?] । मि० गी० सं० १६; मै० लो० गी० १०८ । *arahī*—[?]

𑒁𑒩𑒯𑒲𑒮 अरहीस—अढाहीस (दे०) केर अशु० वा० रू० । *arahīsa*—Err. Coll. form of *aḍhāhīsa* (q.v.).

𑒁𑒩𑒏𑓂𑒭𑒏 अरक्षक—वि० । जे रक्षक नहि होअए, विनु रक्षकक, विनु तकनिहारक । [अ + रक्षक] । चन्द्रप्रभा २३ । *arakṣaka*—*Adj*. Without protector.

𑒁𑒩𑒏𑓂𑒭𑒝𑒲𑒨 अरक्षणीय—वि० । रक्षा करबा योग्य नहि, जकर रक्षा नहि कएल जा सकए । [सं०] । तु० क० बं० अरक्षणीय । *arakṣaṇīya*—*Adj*. Not fit to be guarded or preserved.

𑒁𑒩𑒏𑓂𑒭𑒝𑒲𑒨𑒰 अरक्षणीया—स्त्री० । विवाहक विहित वएससँ उपर (रजस्वला) कुमारि कन्याकेँ अरक्षणीया कहल जाइछ, रखबा जोगर नहि, जकर रक्षा नहि भए सकैक । [सं०] । तु० क० अजग्ग । कुमार ६१ । *arakṣaṇīyā*—*Fem*. Of marrigeable age, beyond the stage of being protected or guarded.

𑒁𑒩𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 अरक्षित—वि० । जे रक्षित नहि अछि, सुरक्षित नहि । [सं०] । तु० क० बं० अरक्षित । राम० १६३ (रक्षा करथि अरक्षित जन जँ केवल धर्मं अधिकार); आशाक विन्दु ५२ । *arakṣita*—*Adj*. Who is not protected.

𑒁𑒩𑒰 अरा—[?] । कीर्तिपताका ६ (अरा अत्र अच्छ आ) । *arā*—[?]

𑒁𑒩𑒰𑒃𑒙 अराइट—अराड़ि (दे०) केर वा० अशु० रू० । ... अराइट बड़ रहल अछि, हमरासँ) । *arāiṭa*

—*Coll* err. form of *araḍi* (q.v.).

ᨕᨑᨬ(ᨯ, ᨱ)ᨧ अराँ(डाँ, णा)च—पट्टआक सोन वा साबेक मोटगर बनल रस्सीविशेष । घरक ठाठकेँ मजबूतसँ बरेड़ीमे बन्हबाक हेतु एकर प्रयोजन होइछ । दक्षिण मुंगेरमे **माइन, ओदान**; मिथिलाक उत्तर-पूर्व भागमे **गतान, बाध**; सारन, पटनामे **ओरचन, ओर्दवाइन**; गयामे **ओदाइन**; शाहाबादमे **मेआर**; भागलपुरमे **बान** एवं **मैन** आ कतहु कतहु **ओरदबानी** सेहो बाजल जाइछ । [अटकब+अच्]। *ar(ḍ,ṇ)ãca*—The thick rope at the foot to which the thatch is tied.

अराँची—एक प्रकारक विशेष सुगन्धिसँ युक्त फल विशेष । [सं०एला] । तु० क० हि० **इलायची**, FML 122 **अडाँची** (दे०) । च० प० ३२८ (**अराँची** गुआ पान रे); अम्बचरित १६ । *arãcī*—Cardommon.

अराज(के)—वि० । राजा नहि, विनु राजाहिक । निश्च० रू० । [अ+राजा>राज] । मि० ५४६ (मिथिला देश **अराजके** रहल); राम० लाल दास १७३ । *arāja(ke)*—*Adj.* Emph. Without king.

अराजक—वि० । विनु राजाक, जाहि राज्यमे राजा नहि रहए, राजाहीन । [अ+राजा+क] । तु० क० हि०, बं० **अराजक**; प्राकृ० **अणराय** । मिहिर ३८-१०-६ (प्रजा **अराजक** जानि सकल चरणाश्रय लेल) । *arājaka*—*Adj.* Chaotic, kingless.

अराजकता—अनुशासनहीनता, अशान्ति, शासनक अभाव । [सं०] । तु० क० हि० **अराजकता** । मिथिला दर्पण ११२; रमेशचन्द्र मजुमदार ४ । *arājakatā*—State of being not peaceful, chaos.

अराजकप्राय—लगभग अराजकतासँ युक्त । [सं०] । मि० ६६ (परलोक भेला पर **अराजकप्राय** देखि) । *arājakaprāya*—Almost chaotic.

अराजी—जमीनक नाप वा मात्रा अथवा ओ जमीन जे खेतीबाड़ीक हेतु कार्यमे लाओल जाए । [अर०] । तु० क० हि० **अराजी** । BPL 1470 । *arājī*—Quantity of land or the land for cultivation purpose.

अराठय—[?] । धातुपाठ ५० । *arāṭhaya*—[?]

अराड़ा—नदीक तट (दी०), धारक किनहरि वा कछेर । [आरि] । तु० क० **अड़र** (दे०) । *arāḍā*—Bank of the river.

अराड़ि—अड़ीस, द्वेषविशेष (दी०), ककरो अनकासँ प्रबल विरोध । [अड़+अर] । तु० क० **अराइट** (दे०) । मिहिर (२३) २-६२-७८ (ओ अरबधि कड **अराड़ि** रोपने चलैत छथि) । *araḍi*—Insistent annoyance.

अरातहिँ—विनु रातिए, दिनेमे, दिन अछैतहिँ । का० रू० । [अ+राति+हिँ] । मेघनाद १११ । *arātahĩ*—P. F. Without night fall itself.

अराति—शत्रु, मनुष्यक आन्तरिक शत्रु, फलित ज्यौतिषक अनुसार कुण्डलीक छठम स्थान । [सं०] । तु० क० हि, बं० **अराति** । मिहिर ३८-१२-६ (**अराति** मित्रवर्ग) । *arāti*—Enemy, internal enemy of a human being.

अरादिसमाँ—विभाग, महल्ला, हिस्सा, भाग । [?] । मिहिर ८ (सम्पूर्ण पेरिस २०३ **अरादिसमाँ**मे (महल्लामे) बाँटल अछि) । *arādismã*—Part, division.

अराध—**अराधए** (दे०) केर संक्षि० रू० । वि० पदा० मजु० १०३ तालपत्र न० गु० ८१६ अ० ८१७ (राजा शिवसिंह रूपनारायण लखिमा देइ **अराध** रे); FML 62 । *arādha*—Short of *arādhae* (q.v.).

अराधए—**अराधब** केर क्रि० वि० रू० । वि०पदा० मजु० ५१३ (संभु **अराधए** चलल भव.नी) । *arādhae*—*Adv.* of *arādhaba* (q.v.).

अराधन—**आराधना** (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ११७ न० गु० ६३८ अ० ६४४ (जिबहु **अराधन** अपन न भेला); गो० शृं० १ अमर० ५ (गोविन्ददास कह गौरी **अराधन** विफल जाय तोर); आवेश २२; कल्पना २२ । *arādhana*—P.F. cf *ārādhanā* (q.v.).

अराधल—**अराधब** (दे०) केर भू० आद० अन्य पु० रू० । गोविन्द शृं० १ अमर० २६ (एतेहु कहइत जब गन मति बाम । नै जानिय के ई **अराधल** काम); गौरी परिणय १० (त्रिभुवनपति शिव जनि भवानी **अराधल**) । *arādhala*—Hon. Past tense third person of *arādhaba* (q.v.).

अराधब(व)—क्रि० । पूजा करब, **आराधना** (दे०) केर भवि० आद० उ० पु० रू० । FML 169; मै० हि० सा० ३-२ (श्री मिथिलेशक चित **अराधव**); मैथिली लोकगीत ११४ । *arādhaba(va)*—*V.* To worship, *Hon.* future tense first person of *ārādhanā* (q.v.).

अराधह—**अराधब** (दे०) केर आज्ञा० अना० मध्य० पु० रू० । गो० शृं० १ अमर० ५१ (सजल कमल कमलापति पूजह **अराधह** मनमथ देव) । *arādhaha*—*Nonh.* Imp. second person of *arādhaba* (q.v.).

अराधिअ—**अराधब** (दे०) केर वर्त० अन्य पु० का० रू० । वि० पदा० मजु० १२० तालपत्र न० गु० ६४४ अ० ६५० (कतने जतने गउरि **अराधिअ**) । *arādhia*—P.F. Present tense third person of *arādhaba* (q.v.).

अराधी—**अराधब** (दे०) केर इच्छा० रू० । उपदेशाचमाला ८ । *arādhī*—Opta. form of *arādhaba* (q.v.).

अराबा—लु० रू० । गाड़ी, रथ । महाराज महेश ठाकुर लिखित अकबरनामामे प्रयोग कएल अछि । [?] । *arābā*—*Obs.* Carriage.

অৰাম अराम—आराम (दे०) केर वा० रू० । तु० क० हिं०, बं०, अव० अराम। मेघनाद १५ । *arāma*—Coll. form of *ārāma* (q.v.).

অৰাৰি अरारि—उदकीर्य, वृक्षक प्रभेद (दी०) । [अड़र ?] । *arāri*—A kind of tree.

অৰাষ্ট্ৰিয अराष्ट्रिय—वि० । राष्ट्रिय नहि, देशीय नहि, अपन देशक नहि । [सं०] । मिहिर ४०–९–६ (राष्ट्रियक अराष्ट्रिय कहि उपेक्षा करबाक असत् व्यवहार पुनः कदापि नहि कैल जैत) । *arāṣṭriya—Adj*. Unpatriotic.

অৰাহিঅ अराहिअ—अराधिअ (दे०) केर विक० का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० १०० तालपत्र न० अ० ४४५ (सउरस लागि पिअ हिअ अराहिअ) । *arāhia*—Alt.of *arādhi-a* (q.v.).

অৰাহিঅউঁ अराहिअउँ—क्रि० । का० रू० । लु० प्र० । अराधलनि । कीर्तिलता ३६ (गइ उज्जीर अराहिअउँ जँपिअ सकलेओ कज्ज) । *arāhia-ũ—V*. P. F. Obs. Prayed.

অৰি¹ अरि¹—शत्रु, मुद्दई, वैरी, मनुष्यक आन्तरिक शत्रु । [सं०] । तु० क० हिं०, बं०, असं०, राज०, ने०, अव० अरि । वर्ण० ४० (वायु अरि मोञे); वि० ने० १५२ (हरि-हरि-अरि अरि-पनि तातक बाहन जुवति नामे से होइ); वि० पदा० मञ्जु० १५० न०गु० ११ अ० ९८९ (पंच वदन अरि बहन रिपु); मा० का० २१५ (कयल भुजक वले अरिक निकन्द); राम० ९ (छत्रिय अरि नहि मेला घूमि), पुरु० २१६ (रोग पिशुन अरि हो प्रबल); शतदल १३ (देखि कैं बनि गेल ई अरि) । *ari*¹—An enemy, internal enemy of human being.

অৰি² अरि²—क्रि० । भिड़ि जाएब, घूरि कए विरोध करब । [अड़ब] । राम० १३ (अरि चोर धरबे) । *ari*²—*V*. Having insisted.

অৰিঅন अरिअन—बीअरि, मूस एवं अन्य पशुद्वारा बनाओल बीअरि वा खाधि । [?] । BPL 791 (दे०) बोहड़ वा बीहँड़ गयामे बाजल जाइछ परन्तु अरिअन भागलपुरमे व्यवहृत होइछ । *ariana*—Hole or den cut of ravines and broken ground.

অৰিঅৰ अरिअर—खेतक घेरलाहा आरि वा रास्ता । [आरि+अर FML 202] । तु० क० हरिअर, खेतिहर । *ariara*—A path along the boundary mound of a field.

অৰিঅ(ও)বৈত अरिअ(ओ)वैत—क्रि० । खेतक आरिकें नीक जकाँ छाँटब, कोदारिसँ सोझ साफ करब । [आरि+अ(ओ)वैत] । (ऐँ रौ किसनमा ! फेकना खेतकें नीक जकाँ अरिअ(ओ)वैत छौक की नहि ?); *ariava(o)ita—V*. Having cut the boundary mound of a field.

অৰিআ অৰিআ—अपन खेतक आरिक समीपमे अन्य खेतबलाकें अरिआ कहल जाइत अछि । [आरि+आ] । मि० भा० वि० ३३; (की रौ हरिहरबा रामनारायण त हमरे अरिआ थिकाह ने); (अरिआ दुर्भिक्ष=एक खेतमे अन्न उपजैत अछि आ ओकर समीपक खेतमे किछु नहि एकरे अरिआ दुर्भिक्ष कहल जाइछ । *ariā*—Cultivator of the neighouring field.

অৰিআতথি अरिआतथि—अरिआतब (दे०) केर आद० वर्त० मध्यम पु० रू० । प्रेमाञ्जलि ४६ । *ariātathi*—Hon. present tense second person of *ariātaba* (q.v.).

অৰিআ(যা)তবঁ अरिआ(या)तब—क्रि० । आएल अतिथिक सम्मान हेतु हुनका संग किछु दूर धरि जाएब । [सं० अग्रयात] । (आएल अतिथिकें अरिआतब उचित थिक) । *ariā(yā)taba—V*. To escort a guest.

অৰিআতয अरिआतय—क्रि० वि० । अरिआतब (दे०) केर हेतु । राम० ११६ (अरिआतय मुनि संग चललाह) । *ariātaya —Adv*. For escorting a guest.

অৰিআতি अरिआति—अरिआतब (दे०) केर पू० क्रि०क रू० । राम० ४८ (आनल दूरहिँ सँ अरिआति) । *ariāti*—Part. of *ariātaba* (q.v.).

অৰিআনঘাব अरिआनघाव—अरिआलङ्घन (दे०) केर ग्रा० रू० । *ariānaghāva*—Folk form of *ariālaṅghana* (q.v.).

অৰিআলঙ্ঘন अरिआलङ्घन—अत्यधिक वर्षा जाहिसँ पानि एक खेतक आरि टपि दोसर खेतमे चल जाए, सुवृष्टि, अतिवृष्टि । [आरि+सं०लङ्घन] । मि० भा० प्र० ३४ । *ariālaṅghana*—Heavy rain when the water overflows from one field to another.

অৰি কএ अरि कए—क्रि० । घूरि कए, सामना सामनी बदला वा विरोध करबा लए ठाढ़ होएब । [अड़ब] । वनकुसुम ३२ । *ari-ka-e—V*. Having insisted.

অৰিকোঁচ अरिकोंच—एक प्रकारक सागविशेष । ई खएबामे स्वादिष्ट होइछ मुदा खएलासँ कब-कब लगैत छैक । एकर आकार पेंचीयेक गाछक सदृश हरिअर रंग होइत छैक । [अरिकए+कोंचब] । तु०क०ने० अरिकोंच, अकोंच; अरिकंचन (कृत्रिम शुद्ध रू०) । प्रणम्य० २१८ (अरिं कोंचकें अरिकंचन कहैत छलीह); टटका गप्प ६७ (अरिकोंचक साग तिलकोड़ाक तरल) । *arikõca*--A kind of vegetable.

অৰিকোঁছ अरिकोंछ—अरिकोंच (दे०) केर वा० रू० । चित्रा ५८ (खूब खैहह ओल ओ अरिकोंछ) । *arikõcha*—Coll. of *arikõca* (q.v.).

অৰিগণ अरिगण—शत्रुसभ, दुश्मनक समूह, शत्रुलोकनि । [सं०] । मोद १०४–१८ (दल त्यागल अरिगण मदकाँ) । *ariga-ṇa*--Gang of enemies.

অৰিচয अरिचय--दुश्मनक समूह । [सं०] । मिहिर ३५–३५ (कयल पाद प्रहार अरिचय) । *aricaya*—Gang of enemies.

অৰিচয-পৰিচয अरिचय-परिचय--के ओ कोन प्रकारक

लोक थिकाह तकर वर्णन। [सं० परिचय+शब्दानुकरण]। *aricaya-paricaya*—Parti lars etc. of a person.

𑒁𑒩𑒱𑒠𑒪 **अरिदल**—शत्रुगण, दुश्मनक झुण्ड। [सं०]। गौरी स्वयंवर ७ (ऐसन अरिदल कैल हत काल)। *aridala*—Gang of enemies.

𑒁𑒩𑒱𑒦𑒴𑒣 **अरिभूप**—वि०। शत्रुक वा दुश्मनक राजा, शत्रु राजा। [सं०]। कृष्णकेलिमाला ११ (से करु समय विचारि कहुँ जे न जान अरिभूप)। *aribhūpa--Adj.* King of the enemies, enemy king.

𑒁𑒩𑒱𑒨𑒰 **अरिया**—अरिआ (दे०) केर विक० रू०। मिहिर ४-६३-१६२ (अरिया दुर्भिक्ष सुननो रहिऐक, मुदा अरिया अगहन तँ कहिओ नै सुनलिऐक)। *ariyā*—Alt. of *ariā* (q.v.).

𑒁𑒩𑒱𑒨𑒰𑒞𑒢𑒹 **अरियातने**—अरिआ(या)तब (दे०) केर निश्च० रू०। कन्या० १२ (हुनका अरियातने दरवाजापर नेबोक गाछ धरि गेलथिन्ह)। *ariyātane*—Emph. of *ariā(yā)taba* (q.v.).

𑒁𑒩𑒱𑒨𑒰𑒢𑓀𑒒𑒢 **अरियानंघन**—अरिआलङ्घन (दे०) केर विक० रू०। मिहिर ४४-१-८। *ariyānaṁghana*—Alt. of *ariālaṅghana* (q.v.).

𑒁𑒩𑒱𑒨𑒰𑒪𑒒𑒰𑒿𑒍(𑒢) **अरियालघाँओ(न)**—अत्यधिक वर्षासँ आरिक लङ्घन। [आरि+सं०लंघन]। तु० क० अरिआनघाव (दे०)। *ariyālaghāo(na)* –Crossing the boundary of the neighbouring field by rain water.

𑒁𑒩𑒱𑒭𑓂𑒙 **अरिष्ट**—दुःख, क्लेश, आपत्ति, असगुन, अशुभ लक्षण, मृत्युक एकटा योग, रिट्ठीक गाछ, रिट्ठी, हैंठाँ, हैँठी,कौआ, गिद्ध, परसौतीक घर। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० अरिष्ट, प्राकृ० अरिट्ठ। मोद ६६ (अरिष्टकर अष्टमो वितल वर्ष ई मोदकेँ); राम० लालदास ७८, २३३; अमर० ७१ (अरिष्ट, सूतिका गृह); ऐ० ११७ (काक करट अरिष्ट बलिपुष्क)। *ariṣṭa*—Trouble, crow.

𑒁𑒩𑒱𑒞𑓂𑒩 **अरित्र**—वहित्र, जहाज (?) [सं०]। मिहिर १२ (तथा अरित्र राहत ओ दिङ्‌ निर्णय मन्त्रहीन ई मानव समाजरूपी जहाज विनु डुमल-सुमल बहाए देल)। *aritra*--Boat (?).

𑒁𑒩𑒱𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 **अरिज्ञान**—एक प्रकारक कला जाहिमे शत्रुकेँ परास्त करबाक ज्ञान होइछ। [सं०]। वर्ण० २० (अरिज्ञान, वृत्तायुर्वेद, परशुयुद्ध)। *arijñāna*—The art of defeating the enemy.

𑒁𑒩𑒲𑒞𑒱 **अरीति**—क्रमबद्ध नहि, रीतिक प्रतिकूल, उनटा। [अ+रीति]। तु० क० ने० अरीति; कुरीति (दे०)। *arīti*—Disorder.

𑒁𑒩𑒳 **अरु**—आर (दे०) केर प्रा० का० रू०। [सं० अपर, अवर FML 94]। तु० क० अव, बं०, ने० अरु। कीर्तिलता ६ (परसुराम अरु पुरिस जेराणो खनिअ खअ करिअऊँ); ऐ० ३७ (अरु लोअन्तर सग्ग जड गअणराए मम्फ वाप); वि० ने० २७१ (सतयुग के करत दानि अरु करत बलि होए); वि० पदा० मजु० २० न० गु० २० अ० ६६ (सुन्दर वदन चारु अरु लोचन); चर्या० ४ (राग अह गुगुरी पदानाम)। *aru*—Early P. F. of *āra* (q.v.).

𑒁𑒩𑒳𑒃 **अरुई**—पेँची, आउर, कन्दविशेष हि० रू०। [आरु]। BPL 1061। मिथिलाक उत्तर-पूर्व भागमे अरुई आ दक्षिण-पूर्वमे पेकचा; गया, शाहाबादमे पेकचा, पेपची। *aruī*--Hindi F. A vegetable.

𑒁𑒩𑒳𑒔𑒱 **अरुचि**—रुचिक अभाव, अनिच्छा, घृणा, अग्निमांद्य जाहिमे भोजन करबाक इच्छा नहि होइत छैक। [अ+रुचि]। तु० क० हि०,बं०, अस०, ने० अरुचि; पा० अरुच। च०प० ३० (··· अरुचि भेल चित); नव ४२ (गरम दल दिश ओकरा अरुचि नहि रहइक)। *aruci*--Dislike, particularly loss of appetite.

𑒁𑒩𑒳𑒗𑒥 **अरुझब**—क्रि०। लिप्त होएब, लागि जाएब, लगा कए राखब, ओझराएब फँसिजाएब, अवरुद्ध भए जाएब। [उपरुन्धति IAL Turner 104]। तु० क० हि० उलझना; उ० अलिझिबा; भोज० अरुझल; पं० उलिझणा; प्राकृ० उरुझयि, कु० अल्जिणो; म० ओझँवा; ओरँवा। *arujhaba—V.* To get obstructed, to get entangled.

𑒁𑒩𑒳𑒗𑒪 **अरुझल**—क्रि०। भू० का० अन्य पु०रू०। ओझराएल आवद्ध भेल, लटपटाएल, लपेटल। [उपरुन्धति IAL Turner 104]। तु० क० उ० ना० ति० १०३ अरुझल। *arujhala--V.* Past tense third person Entangled, obstructed.

𑒁𑒩𑒳𑒗𑒰𑒃 **अरुझाई**--अरुझब (दे०) केर प्रा० का० रू०। वि० पदा० मजु० १६ न० गु० तालपत्र २१ अ० ६६ (भागि जाइत मनसिज धरि राखलि त्रिवली लता अरुझाई)। *arujhāī*—Old P. F. of *arujhaba* (q.v.).

𑒁𑒩𑒳𑒗𑒰𑒋𑒪 **अरुझाएल**—क्रि० वि०। का०लु०रू०। लेपटाएल, ओझराएल, बान्हल, अवरुद्ध भेल। [उपरुन्धति>IAL Turner 105 अथवा FML 143 सं० अवरुन्धयति वा ओझराएब]। तु० क० हि० उलझा; अव० अरुझाने; उ० अलिझिबा; भोज० अरुझल; पं० उलिझणा; प्राकृ० अरुझदि; कु० अल्जिणो; म० अओँबा; ओरँवा। गोरक्षविजय ११(क) (अरुझाएल ब्रह्म गेआनेँ); वि०पदा० मजु० १६१ रागत० ८५ न० गु० तालपत्र १४ अ० ५६ (कुच युग पर चिकुर फुजि पसरल ता अरुझाएल हारा); ऐ० १७५ नेपाल १६२ पृ० ५७ न० गु० ४०५ (चिकुर सेमार हार अरुझाएल यूथे यूथे उग चन्दा)। *arujhāela—Adv. Obs.* P.F.Entangled.

𑒁𑒩𑒳𑒗𑒰𑒫 **अरुझाव**—अरुझाएब केर प्रा० का० रू०। वि० ने० १०४ (धम्मिल भार हार अरुझाव पीन पयोधर नख लाव)। *arujhāva*—Old P. F. of *arujhāeva* (q.v.).

𑒁𑒩𑒳𑒝 **अरुण**—सूर्य, सूर्य उगबासँ पूर्वक लालिमा, लालरंग, सिन्दुर, भिनसर, कुंकुम। [सं०]। तु० क० प्राकृ०, हि०, बं०, अस० ने०, पा०, सि० अरुण; काश्मीरी अरुन। वर्ण० ३० (ऋतुवर्ण, अरुण मातलि); वि० ने० १०६ (आलसे अरुण लोचन तोर); ऐ० १२२ (अरुण पिबए अन्धकार); गो० श्रृं० १ अमर० ३ (कुंचित अरुण अधर भरि पीबय कुलवति बरत समीर); ऐ० १८ (कुसुमक सेजि साजि निशि जागहि अरुण उदय अवशेष); महा० ना० १४(अरुण उदित मा);

राम० १७ (अरुण जलज वर सुन्दर नयन); मोद १७४–३५ (अक्ष, अरुण ओ भ्रुकुटीभङ्ग पुनि); मोद उद्० १५०–१२ (अरुण सखिक छवि भाय); शतदल २ (की कारण क्रोधें अरुण कान्ति)। *aruṇa*—Sun, dawn, red colour.

अरुणाकर—सूर्यक किरण वा लाल ज्योति। [अरुण+कर]। मि० ४०४ (जाहिमे अरुणाकरग्रस्ता प्राचीक अवलोकन कय)। *aruṇakara*—Red or dawn's rays.

अरुणा—स्त्री०। सूर्यक लाली, अरुणोदय। [अरुण+आ]। तु० क० बं० अरुणा। पुरु० २१५ (प्रातःकाल पूर्व दिश अरुणा देखि बहराएलाह); अमर० ९१ (अतिविषा, उपविषा, अरुणा)। *aru-ṇā*—Fem. Red ray of the sun.

अरुणाइ—स्त्री०। लाली, रक्तता, ललओन। [अरुण+आइ]। तु० क० हि० अरुणाइ। खट्टर १३६ (अरुणाइ पर अबैत काश्मीरी सेब); आशाक विन्दु ६। *aruṇāi*—Fem. Reddish.

अरुणाभ—वि०। लाल आभासँ युक्त, लाली नेने। [सं०]। तु० क० हि० अरुणाभ। नव० १११ (ततेक प्रसन्नि छलि जे आँखि मूँह अरुणाभ भ गेल रहइक)। *aruṇābha*—*Adj.* Reddish.

अरुणायतन—अरुणोदयक घर, भिनसरक समय, लालीक प्राङ्गण। [अरुण+आयतन]। राम० २७६ (फरु अरुणा अरुणायतन)। *aruṇāyatana*—Area or period of dawn.

अरुणायित—वि०। रक्तिम, लाल, रक्तवर्ण। [सं०]। प्रणम्य० २५५ (तारुण्यसँ अरुणायित अनारकैं कुमकुमक वर्षासँ लाल कS देवैन्ह)। *aruṇāy.ta*—*Adj.* Made red.

अरुणावदात—वि०। लाली वा रक्तिम प्रकाश देनिहार। [अरुण+अवदात]। तु० क० बं० अरुणारूण। अम्बचरित ३०। *aruṇāvadāta*—*Adj.* Which emits red rays.

अरुणाशिख—मुर्गा। [सं०]। तु० क० हि० अरुणाशिख। मोद १३७–३ (अरुणाशिख अण्ड तेजोवर्धक होइछ)। *aruṇāśikha*—Cock.

अरुणाक्ष—वि०। लाल आँखिबला, रक्तिम नेत्रबला। [सं०]। तपस्वी २९। *aruṇākṣa*—*Adj.* Whose eyes are red.

अरुणित—वि०। लाल भेल, लाल रंगसँ युक्त। [सं०]। तु० क० बं० अरुणित। राम० ३६ (अरुणित अम्बर कुथुक); राम० १५६ (प्रात जखन अरुणित गगन)। *aruṇita*—*Adj.* Which had become red.

अरुणिम—वि०। लालीसँ युक्त, लालिमायुक्त। [सं०]। तु० क० हि० अरुणिमा; बं० अरुणिम। गो० शृं० १ अमर० १७ (दश दिश अरुणिम भेल); ज्वाला २। *aruṇima*—*Adj.* Reddish.

अरुणिमा—लालिमा। [सं०]। *aruṇimā*—Redness.

अरुणोदय—उषाकाल, सूर्य उगबासँ पहिलुका लाली, भोर। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अरुणोदय। वि० ने० १३८ (सुरु अरुणोदय सिसिर समीर); राम० ७१ (अरुणोदय भेल नृपति जगाय); अमर० २५ (अरुणोदय कालक नाम)। *aruṇodaya*—Break of day, dawn.

अरुदा—आयु, जीवन, बयस। आयुर्दा (दे०) केर अशु० रू०। [सं०आयु]। तु० क० औदा। व्यवहार विज्ञान १४८। *arudā*—Err. of *āyurdā* (q.v.), Age.

अरुधगामी—ऊर्ध्वगामी (दे०) केर अशु० रू०। मेघदूत ५। *arudhagāmī*—Err. form of ūrddhvagāmī (q.v.).

अरुन—अरुण (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० २४ न० गु० तालपत्र ८३ अ० १८ (अबला अरुन ससिक मंडल)। *aruna*—P.F. of *aruṇa* (q.v.).

अरुनिम—अरुणिम (दे०) केर का० रू०। FML 546। वि० शिवनन्दन ५५ (अधर अरुनिम लखि नहि होए); राग० ४२ (निक निक मानिक अरुनिम जोति)। *arunima*—P. F. of *aruṇima* (q.v.).

अरुनिमा—अरुणिमा (दे०) केर विक० रू०। राम० ३५ (अरुनिमा लखि नहि होए सिसिरे)। *arunimā*—Alt. of *aruṇimā* (q.v.).

अरुन्धती—गुरु वशिष्ठक स्त्री, एकटा ताराक नाम। [सं०]। तु० क० बं०, ने० अरुन्धती। वर्ण० ५९ (अरुन्धती सावित्री); राम० १७१ (गुरुवशिष्ठ ओ अरुन्धती)। *arundhatī*—Wife of Guru Vaśiṣṭha (q.v.), name of a star.

अरुन्धतीवट—एक तीर्थस्थानविशेषक नाम। [सं०]। वर्ण० ५६ (भद्रवः अरुन्धतीवट; जानुवट, धर्मारण्य)। *aru-ndhatīvaṭa*—Name of a place of pilgrimage.

अरुबी—खाद्य कन्दविशेष (दी०)। [आर०]। तु०क०हि० अरुई। *arubī*—A kind of eatable root (a vegetable).

अरुलित—अरुणित (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० (पूर्व दीश अरुलित भेल)। *arulita*—Obs. of *aruṇita* (q.v.),

अरुक्ष—वि०। रुक्ष वा कठोर नहि, कोमल। [सं०]। *arukṣa*—*Adj.* Soft.

अरे—अव्यय। नीचक सम्बोधन, आश्चर्य (दी०); सम्बोधन-सूचक शब्द, सोर करवाक सम्बोधन। [सं०]। तु० क० उ०, हि०, बं०, गु०, अस०, ने०, अव०, पा०, म० अरे; प्राकृ० अरे; कु० अर; आरे। चर्या० ३६ (सुइना इ अविदार अरे नियमनतोहोर दोसे); कीर्तिलता १५ (अरे अरे लोगहु); गोरक्ष विजय ४ (क) (कहहि दुआर ... नेपाल १६२ पृ० ६६ न०

गु० तालपत्र २६६ (भनै कवि वियापति अरे वर यौवति); राम० २० (अरे बाबा दावानल सदृश लंका जरैए); चित्रा २२ (कहतैन्ह के हिनका अरे दयालु !); ऐ० ४४ (अरे देखू मामा एखन ओ चुपचाप) । *are*—*Ind.* Interjection, calling.

অরেফান্ত अरेफान्त—अन्त अक्षरमे रेफक अभाव, बिनु रेफवला अन्तिम अक्षर । [सं०] । मि० भा० वि० १४१ । *arephānta*—Word without *repha* at the end.

অরে রে अरे रे—अव्यय । सुभद्र झा अर्थ कएलन्हि अछि अच्छा-अच्छा वा वेश-वेश, बड़नी, परन्तु संस्कृतमे अर्थ होइछ क्रोधसँ ककरो सोर करबाक सम्बोधन, अरेकेर दू बेर प्रयोग कएल गेल अछि । [सं०] । तु० क० बं० अरेरे । *are re*—*Ind.* Well-well, probably *are're* repetition of *are* (q.v.). Interjection, calling to inferiors or calling angrily.

অরে বা अरे बा—अव्यय । विस्मयादि सूचक शब्द; भय शोकादि व्यञ्जक (दी०) । [अरे+बाप] । व्यवहार विज्ञान ४० । *are bā*—*Ind.* Exclamatory words.

অরোক[1] अरोक[1]—वि० । जे रोकल नहि जाए, जकरा हटाओल नहि जाए । का० रू० । [अ+रोक] । वि० वि० ३१ (फल पावि अरोके); राम० १०० (शोक अरोक दैव बलवान); पुरु० १०० (सुख की पाव अरोक); ऐ० ३०१ (नृपतिक दण्ड अरोक); अमर० २६१ (विगत अरोक) । *aroka*[1]—*Adj.* P. F. Which cannot be obstructed or driven.

অরোক[2] अरोक[2]—वि० । साफ नहि हो, अन्हार, मइल दाँतवला । [सं०] । *aroka*[2]—*Adj.* Not bright, darkened, having black or discoloured teeth.

অরোগ अरोग—वि० । बिनु रोगक, स्वस्थ, निरोग । [सं०] । तु० क० बं०, प्राकृ० अरोग; सि० अरो । *aroga*—*Adj.* Healthy, free from disease.

অরোচক अरोचक—वि० । जे रुचिफर नहि लागए, नीक नहि लागए, मनक प्रतिकूल, अधलाह । [सं०] । तु० क० हि० अरोचक, कु० अरोचु । नव० ४० (हुनक मोन ओहि अरोचक स्मृतिसँ भने छीह कटइत छलइन्ह) । *arocaka*—*Adj.* Causing want of appetite or disgust.

অরোচকতা अरोचकता—निस्पृहता, अधलाह लागब, पसिन्दक अभाव । [अरोचक+ता] । नव० ६७ (भक्ति भावनाक आवेग मध्य वृद्ध कंठक अरोचकता डूबि जाइक) । *arocakatā*—Displeasingness.

অরোধগামী अरोधगामी—वि० । निर्विरोध गमन कएनिहार, बिना बाधाक गमन करएवला । [सं० अरोध्य > अरोध + गामी] । रघुवंश १५१ । *arodhagāmī*—*Adj.* Who goes without hindrance.

অরোধব अरोधब—क्रि० । रोकब, बाधित करब, बिलमाएब । [सं० अवरोध > अरोध + अब] । मैथि० १८० । *arodhaba*—*V.* To obstruct.

অরোধি अरोधि—अरोधब (दे०) केर पू० क्रि०क रू० । [अरोध+इ] । Maithili language 8 । *arodhi*—Part. form of *arodhaba* (q.v.).

অরোধিতব अरोधितव—अरोधब (दे०) केर भवि० उ० पु० आद० ग्रा० रू० । मैथिली लोक गीत १८० । *arodhitava*—Hon. Future tense first person form of *arodhaba* (q.v.).

অরোপব अरोपब—क्रि० । आरोप करब, साग्रह निश्चय करब (दी०) । [आरोप+अब] । *aropaba*—*V.* Determine with certainty.

অরোপি अरोपि—क्रि० । पू० क्रि० । चित लगा कए, मोन द कए, ध्यान दए क । [अ+रोपि अथवा सं० आरोप] । प्रणम्य० ? (ध्यान अरोपिक बैसल रहलाह) । *aropi*—*V.* Part. Having fixed mind etc.

অরোপিএ अरोपिए—अरोपि (दे०) केर निश्च० रू० । द्विरा० ६४ (जी जान अरोपिए क आएल छलाह) । *aropi-e*—Emph of *aropi* (q.v.).

অরোষ अरोष—क्रोधसँ वञ्चित, क्रोधक अभाव, रोष नहि । का० रू० । महेश्वर विनोद ६६ । *aroṣa*—P. F. Free from anger.

অরোস-পরোস अरोस-परोस—ग्राम समीप (दी०), घर वा गामक समीपक भूमि वा स्थान । [शब्दानुकरण + पड़ोसी > पड़ोस] तु०क० अड़ोसिया पड़ोसिया । मोद १०५-८ (अरोस-परोसक कर्जसँ तंग छथि); वेकफिल्ड० २ । *arosa-parosa*—Neighbouring locality.

অর্ক[1] अर्क[1]—एक प्रकारक रस जे विभिन्न जड़ी-बूटीसँ विशेष प्रक्रिया द्वारा चुआओल जाइछ । [अर०] । तु० क० हि० बं०, अस०, ने० अर्क । प्रणम्य० १७४ (पकमानक गंध अर्क कपूर सर्वशीकाज्ञ कैल कन्हि); नव० ३६ (पुदीनाक अर्क आ अमृतधारा नेने आबऽ) । *arka*[1]—Essence.

অর্ক[2] अर्क[2]—सूर्य, मंदार, विष्णु, आक, इन्द्र स्फटिक, ताम, एक प्रकारक वृक्ष, पंडित । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अर्क; प्राकृ० अक्क; कु० ऑक; गु० आक, आक्रो; सिं० अक; मा० आक । वर्ण० ४३ (अर्क पलाश शमी); अमर० २३ (अर्क मार्तण्ड, मिहिर); राम० २१२ (अर्क आच्छादित धूरा) । *arka*[2]—Sun, Viṣṇu, Indra, a wild shrub.

অর্গনী अर्गनी—अरगनी (दे०) केर वा० रू० । तु० क० अव० अर्गनी । *arganī*—Coll. form of *araganī* (q.v.).

অর্গল अर्गल—केबाड़ लगाए पाछूसँ अवरोध करबाक हेतु लगाओल गेल किल्ली वा काठ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०; अस० अर्गल; प्राकृ०, पा० अग्गल; कु० आग्लो; उ० आगड़, आगुल । अमर० ७२ (अर्गल ई कबाड़ लगयबाक क्रीष्टदण्ड नाम) । *argala*—Wooden latch.

𑒁𑒩𑓂𑒑𑒪𑒰 **अर्गला**—एक स्तोत्र (पाठ पुरश्चरण) जकर पाठ कएलासँ विघ्न-बाधा नष्ट होइछ। दुर्गा शप्तशतीमे विभिन्न पुनश्चरण आएल अछि जेना **अर्गला**, कील, कवच, शापोद्धार आदि। [सं०]। तु० क० बं०, अव०, अस०, ने० **अर्गला**। *argalā*—A part of (a prayer in) *Durgāsaptaśatī* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒒 **अर्घ**—देवताकेँ जल वा अन्य विहित वस्तुक समर्पण, अतिथिकेँ सम्मानक हेतु जल देब, मधु, मूल्य, भाओ, हाथ धोएबाक हेतु पानि देब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अस० **अर्घ**; प्रा० पा०अग्घ; सिं० अग; लहन्दा अघ्घ। ग्रिअर्सन। वर्ण० ४३ (**अर्घ** पाद्य, विष्टर); राम० ८९ (**अर्घ** पाद्य सभ लेलन्हि हाथ)। *argha*—Ceremonial offering, value, honey, respectful offer of water in reception of a guest.

𑒁𑒩𑓂𑒒𑒠𑒰𑒢 **अर्घदान**—अर्घक दान, देवताकेँ अर्घ देब। [सं०]। *arghadāna*—Offering the *argha* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒒𑒰𑒠𑒱𑒏 **अर्घादिक**—सम्मानमे अर्घ आदि देबाक हेतु, जल आदि देबाक निमित्त, अर्घ आदिक हेतु। का० रू०। [अर्घ+आदिक]। राम० २५७ (बैसला **अर्घादिक** सम्मान); राम० ३२४ (**अर्घादिक**उत्तर गोदान)। *arghādika*—P.F. For offering *argha* etc.

𑒁𑒩𑓂𑒒𑒥 **अर्घब**—क्रि०। अर्घ समर्पण करब वा देब कोनो गप्प पेटमें राखब। (दी०)। [अर्घ+अब (दी०)]। तु० क० **अरघब**। *arghaba*—*V.* To make an offering.

𑒁𑒩𑓂𑒒𑒰 **अर्घा**—देवताकेँ अर्घ देबएबला तामक बनल **अर्घी**सँ (दे०) पैघ पात्र। [सं०]। तु० क० **अर्घी**। वर्ण १२ (चामर ताम्बी **अर्घा** फूला);मोद ३०-३१-१२५ (**अर्घा** लय पूजा करबामे अशक्य होएताह)। *arghā*—A spoon for making offering.

𑒁𑒩𑓂𑒒𑒰𑒮𑒢 **अर्घासन**—दशाहाभ्यन्तर पितरक अन्नार्थ अर्घ आसन (दी०)। [सं०]। तु० क० **अरगासन**। *arghāsana*—Food given to *Pitṛs* during the first ten days after death.

𑒁𑒩𑓂𑒒𑒲 **अर्घी**—देवताकेँ अर्घ देबाक तामक पात्रविशेष (दी०); ई अर्घासँ आकारमे छोट होइछ। [सं०]। तु० क० अव० **अर्घी**, अर्घा (दे०)। (पहिने **अर्घी**सँ जल दिऔन)। *arghī*—A small copper spoon for offering water to a god.

𑒁𑒩𑓂𑒔𑒏 **अर्चक**—अर्चना, वन्दना वा पूजा कएनिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० **अर्चक**। मि० ३६४ (शिवजीक **अर्चक** केँ अपना सँ)। *arcaka*—One who worships.

𑒁𑒩𑓂𑒔𑒢 **अर्चन**—पूजा, वन्दना, प्रार्थना, विनती। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अर्चन**। *arcana*—Prayer.

𑒁𑒩𑓂𑒔𑒢𑒰 **अर्चना**—अर्चन (दे०) केर का० रू०। तु० क० बं० **अर्चना**। महेश० ३४ (ललाट **अर्चना** चिन्तना लगाओल); च० प० २१ (मन्त्र **अर्चना** विन्यास); मि० १० (हिमालयक **अर्चना** ताहि सामूहिक भावेँ मनौल जाय)। *arcanā*—P. F. of *arcana* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒔𑒰 **अर्चा**—पूजा, आराधना, वन्दना, विनती। का० रू०। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० **अर्चा**। राम० (बालकाण्ड) ५ (सकल देव कर **अर्चा**); महेश० ४५ (शिव **अर्चा** आन नहि चर्चा); (**रामार्चा** यज्ञ समाप्त भेल)। *arcā*—P. F. Worship.

𑒁𑒩𑓂𑒔𑒰𑒠𑓂𑒨𑒩𑓂𑒟 **अर्चाद्यर्थ**—आराधना-आदिक हेतु, प्रार्थना-आदिक निमित। [सं०]। मि० ४१३ (भगवानक **अर्चाद्यर्थक** उक्त मन्दिरक निकटतमे एक पोखरि खुनाय)। *arcādyartha*—For worshipping.

𑒁𑒩𑓂𑒔𑓂𑒔𑒢 **अर्च्चन**—अर्चन (दे०) केर विक० रू०। च० प० १८ (चन्द्रचूड़ **अर्च्चन**सौं मनकैं); मेघनाद १३। *arccana*—Alt. form of *arcana* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒔𑓂𑒔𑒢𑒰 **अर्च्चना**—अर्चना (दे०) केर विक० रू०। च० प० १६६ (मुख्य **अर्च्चना** प्रभाव)। *arccanā*—Alt. form of *arcanā* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒔𑓂𑒔𑒨 **अर्च्चय**—क्रि०। अर्चन (दे०) केर का० वर्त० एवं क्रि० वि० रू०। मेघनाद ४८। *arccaya*—*V.* P. F. Present tense third person adv. form of *arcana* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒔𑓂𑒨𑒰𑒠𑒱𑒏 **अर्च्यादिक**—प्रार्थना वा आराधना आदिक हेतु। [सं०]। राम० १६८ (**अर्च्यादिक** सम्मानि)। *arcyādika*—For worshipping etc.

𑒁𑒩𑓂𑒔𑒱(𑒩𑓂𑒔𑓂𑒔𑒱)𑒞 **अर्चि(र्च्चि)त**—वि०। पूजित, आराधित, पूजल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० **अर्चित**; पा० **अच्चित**; सि० असिय, अर्से। राम० ३५७ (परमेश्वरमे **अर्च्चित** कर्म); पुरु० १०२ (**अर्च्चित** बाहु महीपसौं); पुरु० १५६ (सुवर्णसौँ **अर्च्चित** कय गृह पठाओल)। *arci(rcci)ta*—*Adj.* Worshipped.

𑒁𑒩𑓂𑒖 **अर्ज**—नेहोरा-मिनती, निवेदन, आग्रह, विनय, प्रार्थना। [अर्ज़]। तु० क० हि०, बं०, अस० **अर्ज**; FML 446। मि० १७० (सलामकै **अर्ज** कैल); मि० २६२ (ओ नबाब महोदयसँ **अर्ज** कयल)। *arja*—To request, apply.

𑒁𑒩𑓂𑒖𑒃 **अर्जइ**—अर्जन (दे०) केर वर्त० रू०। तु० क० **अर्जेत** पुरु० १६४ (प्राण दय बदला धन **अर्जइ** छथि)। *arja-i*—Present tense form of *arjana* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒖𑒢 **अर्जन**—कमाइ, उपार्जन, प्राप्ति, संग्रह। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अर्जन**। (धनक **अर्जन**सँ के अघाइछ ?)। *arjana*—Acquiring.

𑒁𑒩𑓂𑒖𑒪 **अर्जल**—अर्जन (दे०) केर भू० आद० अन्य पु० रू०। महेश० ८ (पुरुषक **अर्जल** दुर्जन छीन)। *arjala*—Hon. past tense third person form of *arjana* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒖𑓂𑒖𑒃 **अर्ज्जइ**—अर्जइ (दे०) केर विक० रू०। पुरु० ६ (प्राण दय बदला धन **अर्ज्जइ** छथि)। *arjja -i*—Alt. form of *arja-i* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒖𑓂𑒖𑒢𑒰𑒬𑒨 **अर्ज्जनाशय**—अर्जन करबाक आशयसँ।

[अर्जन + आशय]। पुरु० ६२ (साहस क्लेश अर्ज्जनाशाय)। *arjja-nāśaya*--Intention of earning.

अर्जि(र्ज्जि)त—वि०। कमाएल, संगृहीत, प्राप्त, संग्रह कएल गेल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० अर्जित; प्राकृ० अज्जिअ। राम० ६ (हु जन्मार्ज्जित पापक नाश); पुरु० १८ (नहि अपन बाहुबल अर्ज्जित)। मै० हि० सा० २ प्र० ३-४-२ (अर्जित धन किछु संग नहि जायत); आशाक विन्दु १७। *arji(rjji)ta—Adj.* Acquired.

अर्जी—निवेदन (दी०), प्रार्थनापत्र। [अर०]। तु० क० हि० अर्जी; ने० अर्जी, अर्जि; बं० आर्जि। मि० भा० वि० ६६। *arjī*—Request, application.

अर्जीदन्व—[?]। व्यवहार विज्ञान ६६८। *arjīdanva*—[?]।

अर्जीदावी—न्यायालयमे मोकदमा फरबाक हेतु प्रार्थनापत्र। [अर्जी + दावी]। तु० क० हि० अर्जीदावा। मि० त० वि० पू० ५१। *arjīdāvī*--Plaint.

अर्जुन[1]—पाण्डवक तेसर वा मझिला बेटा, अभिमन्युक पिता, महाभारतक नायक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अर्जुन; प्राकृ० अज्जुण। मोद उद्० १५६-७ (युधिष्ठिरक आज्ञा पाबि अर्जुन अति शीघ्र)। *arjuna*[1]—Third son of Pāṇḍava, hero of Mahābhārata (q.v.).

अर्जुन[2]—वृक्ष विशेष (दी०)। [सं०]। तु० क० यमलार्जुन; हि० अर्जुन; प्राकृ० अज्जुण। *arjuna*[2]—A kind of tree.

अर्ज्जुन—अर्जुन[1] (दे०) केर विक० रू०। वर्ण० ४० (अर्ज्जुन अइसन पराक्रमे); पुरु० ४ (युद्धवीर अर्ज्जुन तनय)। *arjjuna*—Alt. form of *arjuna* (q.v.).

अर्जुनी—स्त्री०। उज्जर रंगक गाय, उषा, कुट्टनी। [सं०]। तु० क० हि० अर्जुनी। अमर० २१४ (अर्जुनी अहन्या)। *ar junī*--*Fem.* White cow.

अर्णव--समुद्र, संसार, आकाश, सूर्य, इन्द्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अर्णव, अण्णव। गौरी परिणय २७, ७२। *arṇava*--Sea, world, sky, sun, Indra.

अर्थ[1]—प्रयोजन (दी०), अभिप्राय, मतलब, इष्ट, निमित्त। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अर्थ; सि० अट। दी० १६ (एहि अर्थे आएल छी); (कोनो अर्थे हम छोट नहि)। *artha*[1]—Purpose.

अर्थ[2]—शब्दक माने, शब्दक शक्ति, धन, कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० अर्थ, प्राकृ० पा० अत्थ, अट्ट, अठ; गु० आठ, आथि; सि० अट। ग्रिअर्सन। वर्ण० २७ (अर्थक ग्रहण); राम० ५२ (सीता ना म अर्थसौं माँगि); राम० बालकाण्ड ३ (ब्रह्मा संग शारदा सकल अर्थ जानल व्यवहार); च०प० २७ (अर्थ धर्म ओ काम मोक्ष); मोद ६६-६ (अर्थ नहि बुझने ज्ञान नहि होइछ); मोद उद्० १५७-१० (अनेक अर्थ अपन मनसँ डंका दैत अछि); प्रणम्य० १२४ (धर्मशास्त्रक अर्थ ई नहि जे); चित्रा २ (गौतम अनुमिति न्यायक अर्थमे); शतदल १ (छी विमन सुमन अर्थ लैब कोना)। *artha*[2]—Wealth, meaning.

अर्थकर—वि०। लाभप्रद, जाहिसँ धन उपार्जन कएल जाए। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० अर्थकर। *arthakara —Adj.* Money-yielding, producing advantage.

अर्थकरी—वि०। जाहि माध्यमसँ धन अर्जन कएल जाए, लाभप्रद, हितकारी, जेना अर्थकरी विद्या। [अर्थ + करी]। मिहिर ३८-३७-६। *arthakarī—Adj.* Money-yielding producing advantage.

अर्थतः—वास्तविकमे, एकदम ठीक अर्थमे। [अर्थ + तः]। मोद उद्० १५७-५ (अर्थतः हिन्दू धर्म विभाग)। *arthataḥ*—In the real sense.

अर्थना—माङब। [सं०]। तु० क० हि० अर्थना। अमर० १६३ (याचना अर्थना); ऐ० २६७ (भिक्षा अर्थना)। *arthanā*—Begging, prayer.

अर्थदण्ड—ओ धन जे कोनो अपराधक दण्ड हेतु ले जाए, जुर्माना। [सं०]। (प्राचीन समयमे राजालोकनि प्रजाकेँ अपलराध भेला पर अर्थदण्ड करैत छलथिन्ह)। *arthadaṇḍa*--Monetary punishment, fine.

अर्थपति—कुबेर, राजा। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अस० अर्थपति। *arthapati*—Lord of wealth.

अर्थप्रयोग—घूस, धनक व्यवहार, रुपैआ पैसाक प्रयोग। [सं०]। तु० क० बं० अर्थप्रयोग। (आइ कालिह अदालतमे बिना अर्थप्रयोगक कोनो कार्य नहि भए सकैछ)। *arthaprayoga*--Use of wealth, bribe.

अर्थमंत्री—अर्थ सचिव, धन विभागक मंत्री। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अर्थमंत्री। *arthamantrī*—Finance Minister or Secretary.

अर्थवतक—[?]। फुलवाड़ी। *arthavataka*—[?]

अर्थवान—वि०। धनमान, विशेष धनवला। [अर्थ + वान]। रामायण लालदास २८०। *arthavāna—Adj.* Wealthy, rich.

अर्थविद्या—धन उपार्जन करबाक विद्या, अर्थशास्त्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अर्थविद्या। *arthavidyā—Adj.* Economics.

अर्थविज्ञान—धन वा अर्थ सम्बन्धी विज्ञान [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० अर्थविज्ञान। *arthavijñāna*—Economic science.

अर्थशास्त्र—ओ शास्त्र जाहिमे धनक प्राप्ति, व्यय,

विनिमय एवं वितरणक सिद्धान्तक विवेचन होइछ, मैथिल विष्णुगुप्त चाणक्यक द्वारा लिखल अर्थशास्त्रक एक प्रसिद्ध ग्रन्थ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, अव०, ने०, म०, उ०, भोज०, मग०, अर्थशास्त्र । खट्टर० ६७ (धर्मशास्त्र नहि कहइ अर्थशास्त्र) । *arthaśāstra*—Economics.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒮𑓀𑒑𑓂𑒩𑒯 अर्थसंग्रह—धनकेँ एकत्रित वा जमाकएनाइ, धनक संग्रह । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अर्थसंग्रह । *arthasaṁgraha*—Accumulation of wealth.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒮𑓀𑒔𑒨 अर्थसंचय—अर्थ वा धनक संग्रह । [सं०] । वर्ण० ६७ (अर्थसंचय, जलसंचय) । *arthasaṁcaya*—Collection of wealth.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒮𑒔𑒱𑒫 अर्थसचिव—ओ मंत्री जे कोनो राज्यक वा संस्थाक आर्थिक विषयक देख-रेख करए । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, गु०, मग०, भोज० अर्थसचिव । *arthasaciva*—Finance secretary.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒮𑓀𑒬𑒨 अर्थसंशय—कोनो शब्दक अर्थ वा मानेमे संशय वा दुविधा । [सं०] । मोद १०२-१ (आगाँ अर्थसंशय उपस्थित होबै लागल) । *arthasaṁśaya*—Dilemma with regard to meaning.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒮𑒰𑒯𑒰𑒨𑓂𑒨 अर्थसाहाय्य—धनसँ वा रुपैआ-पैसासँ सहायता । [सं०] । मोद ६६-१० (सबहक अर्थसाहाय्यकै......) । *arthasāhāyya*—Grant-in-aid.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒯𑒲𑒢 अर्थहीन—वि० । जे धनसँ हीन हो अर्थात् धन नहि होइक, गरीब, निर्धन, निरर्थक । [सं०] । तु० क० बं० अर्थहीन । *arthahīna*—*Adj*. Meaningless, poor.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒖𑓂𑒘 अर्थज्ञ—वि० । अर्थ बुझबामे प्रवीण, विज्ञ, भाव, माने वा अर्थ बुझनिहार । [सं०] । तु० क० बं० अर्थज्ञ । *arthajña*—*Adj*. One who knows the meaning

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 अर्थज्ञान—अर्थ वा भाव बुझबाक ज्ञान, धन सम्बन्धी ज्ञान । [सं०] । मि० १४६ (ग्रन्थक पढ़लासँ सुनलासँ अर्थज्ञानशून्यो मनुष्य क्षुब्ध ओ मुग्ध भै नितान्त प्रकृष्ट होइछ) । *arthajñāna*—Knowledge of the meaning or wealth.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒋𑒥 अर्थाएब—क्रि० । ज्ञात रहनहुँ जिज्ञासा करब (दी०) । [अर्थब् + अब] । *arthāeba*—*V*. To ask even when one knows the answer.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒑𑒧 अर्थागम—अर्थ वा धनक आगमन, अर्थक भावकेर ज्ञान होएब । [सं०] । तु० क० बं० अर्थागम । *arthāgama*—Arrival of wealth, clear conception of meaning.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒞𑓂 अर्थात्—अव्यय । अतः, तएँ, भाव ई अछि जे, तात्पर्य, अर्थ ई अछि जे । [सं०] । तु० क० ने०, हि०, बं० अर्थात । मोद ६७ ७ (तीन घण्टा सदाचार अर्थात् संध्या तर्पण कैलन्हि); मोद उद्० १५७-१७ (अर्थात लुत्फुलनिसाँक पीठि धरि पसरि रहल छलन्हि); मै० हि० सा० (३-४) (विद्या वा अविद्या अर्थात् जानब वा नहि जान; नव० ४६ (अर्थात् विजया पान कएने रहथि) । *arthāt*—*Ind*. Therefore, so, hence, or.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 अर्थान्तर—अर्थ वा भावक अन्तर, दोसर अर्थमे । [सं०] । अमर० ३७ (उपयोगी अर्थान्तर वर्णक नाम) । *arthāntara*—Difference of meaning.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮 अर्थान्तरन्यास—एक प्रकारक काव्यालंकार जाहिमे सामान्यसँ विशेषक वा विशेषसँ सामान्यक समर्थन कएल जाइक । [सं०] । तु० क० हि० अर्थांतरन्यास । *arthāntaranyāsa*—A figure of speech.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒦𑒰𑒫 अर्थाभाव—धन वा अर्थक कमाप्ति, अभाव । [सं०] तु० क० बं० अर्थाभाव । मोद उद्० १५७-१७ (अर्थाभाव कोनो नहि) । *arthābhāva*—Lack of wealth.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒩𑒖𑒢 अर्थारजन--अर्थ वा धनक अर्जन, उपार्जन, कमाइ । [अर्थ + अर्जन] । स्वरगन्धा ६ । *arthārajana*—Earning of wealth.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 अर्थार्थी—वि० । अर्थ वा धनक अर्जन कएनिहार, धन उपार्जन कएनिहार, ज्ञान प्राप्त कएनिहार । [सं०] । तु० क० बं० अर्थार्थी । मिहिर १२ (अर्थार्थीक भक्ति क्रमशः एहि चारूक शब्दान्तरेँ कथन थिक) । *arthārthī*—*Adj*. One acquiring wealth or knowledge.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒪𑒓𑓂𑒏𑒰𑒩 अर्थालङ्कार—ओ अलंकार जाहिमे अर्थक चमत्कार ओ चारुता होइक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अर्थालंकार, अर्थालङ्कार । *arthālaṅkāra*—Figures which contain the beauty of meaning.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒰𑒫𑒨 अर्थावय—अर्थाएब (दे०) केर प्रेरणा० रू० । ठहक्का ६ । *arthāvaya*—*Caus*. form of *arthāeba* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒱𑒏 अर्थिक—प्रार्थी सम्बन्धी (कर आदि), अर्थीक (दे०) केर आशु० रू० । मि० २१४ (तखन अर्थिककर देबाक परमाना हमरा प्रति रमाना करब व्यर्थ) । *arthika*--*Err*. form of *arthīka* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒱𑒞 अर्थित--वि० । इच्छित, अभिलषित, मङनिहार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०,अस० अर्थित । *arthita*—*Adj*. Wished, desired, who begs.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒱𑒞𑒰 अर्थिता—अर्थित (दे०) केर स्त्री० रू०, मङनिहारि । पुरु० २१६ (अर्थिता नहि पावै) । *arthitā*—*Fem*. form of *arthita* (q.v.), who begs.

𑒁𑒩𑓂𑒟𑒲 अर्थी—वि० । अर्थ बुझनिहार, इच्छा वा अभिलाषा रखनिहार, याचक, धनक प्रयोजन रखनिहार, अर्थीकए बुझनिहारि स्त्री । [सं०] । तु० क० हि०, बं०,अस०, अर्थी । वर्ण० २५ (अनेर, व्यसनी,

अर्थी, गुआर); राम० ४० (अर्थी दिन रजनी नहि बूझ); राम० ३३३ (अर्थीकाँ किछु अर्थे सूझ) । अर्थी मउगीकेँ कुर्थीक भोर= मङने महत्व घटैत छैक । *arthī—Adj.* Who knows the meaning, a beggar.

अर्थे(र्थो)—अर्थ (दे०) केर निश्च० रू० । राम० ३३० (अर्थी काँ किछु अर्थे सूझ); द्विरा० ६० (अर्थो कहएक वेर सुनैत छिऐक); नव० १६ (रामेसरीकेँ एहि गम्भीरताक अर्थो नहि लगलइन) । *arthe(o)*—Emph. form of *artha* (q.v.).

अर्थ्य--वि० । उचित,उपयुक्त,युक्तिसंगत,धनिक ।[सं०]। तु० क० हि० अर्थ्य । *arthya*—Proper, fit, rich.

अर्दली—चपरासी, आज्ञा पाबि कार्य कएनिहार । [अं०] । तु०क०हि० अर्दली, ने० अर्दलि, अर्दल्ली, अं० आर्डरली । मिहिर ३८-२०-१० (अर्दली सिपाही सबहक पृथक कैम्प विभाजित छल) । *ardalī*—Orderly.

अर्दित—वि० । मर्दित, सीदित, दुखी कएल गेल । [सं०] । राम० २३१ (रंग अर्दित सन कहू की); राम० २७१ (देखल निज दल अर्दित रंग); राम० ३१६ (कएल अर्दित दनुज) । *ardita- Adj.* Harassed.

अर्द्ध—वि० । आधा, कोनो वस्तुक दुइ सम भागमेसँ आधा । [सं०] । तु० क० हि० अर्द्ध । राम० १६ (अर्द्ध भाग पुनि कयलनि) राम० १०१ (अर्द्धमरण सभ भेल कतो जन); पुरु० १२४ (एहिसौं अर्द्ध राज्यहारी पर्व्वतेश्वरक वध हो); द्विरा० ३२ (अर्द्ध चन्द्राकार केश बिन्यास आच्छादित) । *arddha—Adj.* Half.

अर्द्धकलास—एक प्रकारक गीतक रागविशेष । [सं०] । वर्ण० ४८ (आलति, कलास, अर्द्धकलास) । *arddhakalāsa*—A melody in music.

अर्द्धचन्द्र—आधा चन्द्रमा, अष्टमीक चन्द्रमा, सानुनासिकक एक भेद, चन्द्रविन्दु, एक प्रकारक त्रिपुण्ड, गर्दनिआँ देब । [सं०] । तु० क० हि० अर्द्धचन्द्र । वर्ण० २८ (अर्द्धचन्द्र मण्डल मयूरपद); राम० २६५ (अर्द्धचन्द्र दूरसौँ बूझि परय); खट्टर० १५ (महादेवक कपारपर अर्द्धचन्द्र छलैन्ह) । *arddhacandra*—Half moon, to the act of turning out.

अर्द्धढाकनी—नृत्यकेर अठारह मुद्राक एक भेद । [अर्द्ध+सं०डाकिनी] । वर्ण० ५० (ध्रुवक, मलपढाकनी, अर्द्धढाकनी) । *arddhaḍhākanī*—A kind of dance.

अर्द्धदग्ध— वि० । आधा जरल । [सं०] । अमर० २०६ । *arddhadagdha—Adj.* Half-burnt.

अर्द्धनग्न—वि० । आधा उघाड़, नाङट । [सं०] । प्रणम्य० २७० (अर्द्धनग्न सौन्दर्यसँ मादकताक किरण फूटि पड़ल) । *arddhanagna--Adj.* Half-bare.

अर्द्धनारि—शिव, अर्द्धनारीश्वर का० रू० । [सं०] । तु० क० हि० अर्द्धनारी । तु० क० गोरक्षविजय २ (क) युगुतिकारणे अर्ध तनु धर नाह । च० प० २५२ (अर्द्धनारिसौं निवाह) । *arddhanāri*—P.F. Śiva.

अर्द्धनिद्रित—वि० । आधा निन्दसँ सुतल, अर्द्धनिद्रावस्था । [सं०] । नव० ६३ (भागिन अर्द्धनिद्रित स्वरमे स्वीकार कएलथीन) । *arddhanidrita—Adj.* Half a sleep.

अर्द्धपाद—एक प्रकारक संभोग करबाक आसनक भेद । [सं०] । वर्ण० २६ (एकपाद, अर्द्धपाद, कर्क्कटक) । *arddhapāda*—A kind of supine posture in coitus.

अर्द्धमण्डल—एक प्रकारक अश्वशिक्षा, घोड़ापर चढ़बाक भेद । [सं०] । वर्ण० ३० (वेगमण्डल, अर्द्धमण्डल) । *arddhamaṇḍala*--A method of horse riding.

अर्द्धमान—व्याकरणक आठ भेदमेसँ एक, व्याकरणक पाँचम भेद । [सं०] । वर्ण० ४४ (पाणिनि, चान्द्र, कलाप, दामोदर, अर्द्धमान, माहेन्द्र, माहेश, सारस्वत) । *arddhamāna*—A school of *Saṁskṛta* grammar.

अर्द्धमुकुलित—वि० । आधा प्रफुटित, आधा फुलाएल, अर्द्धविकसित । [सं०] । वर्ण० ३८ (अर्द्धमुकुलित, पुष्पित, फलित) । *arddhamukulita—Adj.* Half blossomed.

अर्द्धरात्र(त्रि)—आधा राति, रातिक आधा भाग, निशीथ । [सं०] । अमर० २६ (अर्द्धरात्र, निशीथ), मि० ३०६ (अर्द्धरात्र समयमे घोड़ा चढ़ल); द्विरा० १५२ (अर्द्धरात्रिक उपरान्त लालकाकीलोकनि) । *arddharātra(tri)*—Midnight.

अर्द्धव्यंजित—वि० । आधा व्यङ्ग करैत, कनिएँ मात्र व्यङ्ग। [सं०] । रंग० १४७ (नयनालस्यसँ रजनि रहस्यकैं अर्द्धव्यंजित करैत) । *arddhavyañjita—Adj.* Half ironical, partly expressing

अर्द्धविकसित—वि० । आधा पुष्पित, आधा फुलाएल । [सं०] । प्रणम्य० २५५ (अर्द्धविकसित कली सन कोमल पली) । *arddhavikasita—Adj.* Half blossomed.

अर्द्धशिखर—वि० । छोट पहाड़क शिखर । [सं०] वर्ण० ४१ (पहाल, डोङ्गल, शिखर, अर्द्धशिखर) । *arddhaśikhara—Adj.* Small mountain peak.

अर्द्धसमाप्ते—क्रि० वि० । आधहि सम्पूर्ण भेल, आधा भाग मात्र पूर्ण कएल, समाप्त नहि भेल । [सं०] । मि० ३४७ (भोजन अर्द्धसमाप्ते छाड़ि) । *arddhasamāpte—Adv.* Only half done.

अर्द्धाङ्ग¹—आधा अंगक, शिव । [सं०] । विश्वेश्वर चम्पू २१ । *arddhāṅga¹*—Śiva

अर्द्धाङ्ग²—एक प्रकारक रोगविशेष, लकवा । [सं०] । (आइकालिह अर्द्धाङ्गक विशेष प्रचलन भए गेलैक अछि) । *arddhāṅga²*—Pyralysis.

अर्द्धावृत—आधा उघाड़, आधा झाँपल वा आच्छादित। [सं०]। कुमार ४०। *arddhāvṛta*—Half-covered.

अर्द्धांश—वि०। आधा भाग वा हिस्सा। [सं०]। सुमति ४३; शतदल ७१। *arddhāṁśa*—*Adj*. Half part.

अर्द्धासन—आधा आसन, अतिशय सम्मानक स्थान, समकक्षक जगह। [सं०]। मि० ४६३ (पुरन्दरक **अर्द्धासन** आसन परिग्रह कयल)। *arddhāsana*—Equal seat, the place of great respect.

अर्द्धास्तमित—वि०। आधा अन्हारसँ वा अन्धकारसँ झाँपल वा आच्छादित। [सं०]। मि० ४२२ (**अर्द्धास्तमित** भास्करो सायं सन्ध्या कएल करथि)। *arddhāstamita*—*Adj*. Half covered with dark.

अर्द्धोच्चारित—वि०। आधा उच्चारित वा कहल। [सं०]। वैदेही वनवास ७३। *arddhoccārita*—*Adj*. Half pronounced.

अर्द्धोक्ति—आधा उक्ति, आधा वचन। [सं०]। मि० ३०१ (**अर्द्धोक्तिक** अवसानमे)। *arddhokti*—Half speech.

अर्द्धोदय—एकटा पर्वविशेष जे माघक अमावस्या रवि दिनकेँ होइछ तथा एहि दिन श्रवणा नक्षत्र आओर व्यतीपात योग पड़ैत छैक। एहि दिनमे स्नान कएलासँ सूर्यग्रहणमे स्नान कएलाक फल प्राप्त होइछ। सं०]। अपूर्व रसगुल्ला ३५; सुशीला २६। *arddhodaya*—A festival observed on Sunday *Amāvasyā* (q.v.) in the month of Māgha (q.v.).

अर्द्धोन्मीलित—वि०। आधा खुजल वा बन्द भेल। [सं०]। विश्वभूषण ५०। *arddhonmīlita*—*Adj*. Half open.

अर्ध—वि०। आधा भाग। [सं०]। तु० क० **अर्द्ध** (दे०); हि० बं०, असo, ने० **अर्ध**; पा० **अर्ध**; पं० **अर्धास**; पा०, सिंहाली प्राकृ० **अद्द**, **अद्ध**; कु० **आड**; उ० **आड़**, **अध**; मार० **आधो**; सि० **अढ़**; सि० **अड**, **आढ़**, **अढ़**। *ardha*—*Adj*. Half.

अर्धंग—**अर्द्धांङ्ग** (दे०) केर ग्रा० रू०। मै० लो० गी० २८७। *ardhagna*—Folk form of *arddhāṅga*[1] (q.v.).

अर्धंगी—**अर्द्धाङ्ग** (दे०) केर वा० रू०। मै० हि० सा० ३ (२–३) ४ (भाल नयन **अर्धंगी**)। *ardhaṅgī*—Coll. form of *arddhāṅga* (q.v.).

अर्धनारीश्वर—आधा नारीक रूपवला, शिव। [सं०]। तु० क० बं० **अर्धनारीश्वर**। खट्टर १२६ (महादेव **अर्धनारीश्वर** कहबैत छथि)। *ardhanārīśvara*—The lord Śiva who is half female and half male.

अर्धनिद्रा—**अर्द्धनिद्रा** (दे०) केर विक० रू०। मोद १०४ (दिगम्बरक **अर्धनिद्रा** पूर्ण निद्रामे परिणत भ गेलइक)। *ardhanidrā*—Alt. form of *arddhanidrā* (q.v.).

अर्धभाग—आधा भाग वा हिस्सा। [सं०]। तु० क० बं० **अर्धभाग**। *ardhabhāga*—Half part.

अर्धमुद्रित—वि०। आधा मुद्रित, सम्पूर्ण मुद्रित नहि, आधा प्रकाशित वा छपल, मुँहक भाव किञ्चित प्रकाश कए। [सं०]। मि० ३४८ (माङल **अर्धमुद्रित** मुँहें सरकार)। *ardhamudrita*—*Adj*. Half published.

अर्धमूर्छित—वि०। आधा मूर्छित, पूर्ण बेहोश नहि, आधा चेतनावस्थामे। [सं०]। मोद १०७–६ (**अर्धमूर्छित** महाराज दशरथ पड़ल छथि)। *ardhamūrchita*—*Adj*. Half unconscious.

अर्धरोदन—आधा कानब, अर्धक्रन्दन। [सं०]। नव० ६७ (स्वरक्रम **अर्धरोदन** एवं इच्छासँ सम्पुटित भ क अस्पष्ट भ उठइन)। *ardharodana*—Half weeping.

अर्धाङ्गिनी—स्त्री, पत्नी, आधा अंगक मलिकिनी। [सं०]। मि० ५२६ (हुनक **अर्धाङ्गिनी** जानि राज्य शासन भार समर्पित कय); मै० हि० सा० प्र० (८–१२) १ (**अर्धाङ्गिनी** संग नेने प्लेटफार्म पर पहुँचलाह); व्यवहार विज्ञान ६२; द्विरा० १४८ (यथार्थ **अर्धाङ्गिनी** रहितथि तऽ स्वामीक छपरामे छुटैत देखि आगाँ नहि बढ़ितथि); पारो ३२ (लूचभा अपन दूनू **अर्धांगिनीक** अदना बात पर दू-दू डांग मारलथिन्ह)। *ardhāṅginī*—Wife, half part of the husband, the better half.

अर्धाङ्गी—पुरुषक आधा अंगक साझी वा मलिकिनी, स्त्री। [सं०]। तु० क० ने० **अर्धाङ्गी**, **अर्धाङ्गि**। *ardhāṅgī*—The half partner of her husband, wife.

अर्धोदय—**अर्द्धोदय** (दे०) केर विक० रू०। *ardhodaya*—Alt. form of *arddhodaya* (q.v.).

अर्प—**अर्पण** (दे०) केर संक्षि० का० रू०। राम० लालदास १४३। *arpa*—Short poetic form of *arpaṇa* (q.v.).

अर्पण—समर्पण, आत्मार्पित, समर्पित, दान, उपहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, अव०, राज० **अर्पण**; प्राकृ० **अप्पण**। महेश० ५२ (शरण **अर्पण** माता); च० प० १८ (कर **अर्पण** मोदक देवक प्रिय); शतदल २० (सतत करैत करब अनु **अर्पण**)। *arpaṇa*—Offering.

अर्पन—**अर्पण** (दे०) केर का० रू०। राम० लालदास २०१; BFL 1109। *arpana*—Poetic form of *arpaṇa* (q.v.).

अर्पल—**अर्पण** (दे०) केर भू० आद० उ० पु० का० रू०। राम० २६० (जनिका **अर्पल** तन ओ प्राण)। *arpala*—Hon. past tense first person form of *arpaṇa* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒣𑒱𑒞 **अर्पित**--वि०। समर्पित, अर्पण कएल, दान वा उपहार देल गेल। [सं०]। तु० क० हिं०, बं०, अस० **अर्पित**; प्राकृ० अप्पाविय; प्रा० गु० आपिउमं; म० आपइ; सि० अंप। मि० २८३ (खवाससँ ओ कागत **अर्पित** कराय); राम० १२७ (तन धन अर्पित अहँक हाथ); द्विरा० २१४ (मोहित भऽ कार्य पर्यन्त **अर्पित** करऽ लागि जाइ छथि)। *arpita--Adj.* To be offering, offered.

𑒁𑒩𑓂𑒣𑒱𑒞𑒰 **अर्पिता**—अर्पित (दे०) केर स्त्री० रू०। [अर्पित+आ] गौरी परिणय ७१। *arpitā*—Fem. of *arpita* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒣𑒹𑒖𑒲 **अर्पेजी**—[?] मि० त० विमर्श पू० भाग १२०। *arpejī*—[?]

𑒁𑒩𑓂𑒣𑓂𑒣𑒝 **अर्प्पण**--अर्पण (दे०) केर विक० रू०। राम० १८० (जे शिर शिवकाँ अर्प्पण कयल)। *arppaṇa*--Alt. of *arpaṇa* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒣𑓂𑒣𑒞𑒱 **अर्प्पति**—अर्पित (दे०) केर का० मध्य० पु० रू०। मेघनाद १८। *arppati*—P. F. Second person of *arpita* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒣𑓂𑒣𑒨 **अर्प्पय**--अर्पण (दे०) केर क्रि० वि० ओ आद० वर्त० अन्य पु० रू०। राम० २८८ (प्राणके अर्प्पय काल समाज)। *arppaya*—Hon. persent tense third person and adv. of *arpaṇa* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒣𑓂𑒣𑒪 **अर्प्पल**--अर्पल (दे०) केर विक० रू०। मेघनाद १३। *arppala*--Alt. form of *arpala* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒣𑓂𑒣𑒱𑒞 **अर्प्पित**--अर्पित (दे०) केर विक० रू० ९०। राम० २१६ (हमरा .... अर्प्पित भेल)। *arppita*—Alt. of *arpita* (q.v.).

𑒁𑒩𑓂𑒥𑒰𑒡𑒱𑒞 **अर्बाधित**--[?]। मिहिर २८-२-१० (घरादि प्रत्यक्षतेँ अर्बाधित बुझैत छी)। *arbādhita*—[?]

𑒁𑒩𑓂𑒦 **अर्भ**- बालक, शिशिर ऋतु, शिष्य, छात्र, सागपात, कुश। [सं०]। एकावली परिणय ११६। *arbha*--Boy, śiśira ṛtu, pupil, kuśa.

𑒁𑒩𑓂𑒦𑒏[1] **अर्भक**[1]—बालक। [सं०]। तु० क० हिं०, बं०, अस०, राज० अर्भक, प्राकृ० अब्भय। स्त्री कर्त्तव्य २। *arbhaka*[1]—Boy.

𑒁𑒩𑓂𑒦𑒏[2] **अर्भक**[2]—वि०। छोट, अल्प, मूर्ख, दूबर-पातर, समान, तुल्य। [सं०]। तु० क० हिं०, बं०, अस०, राज० अर्भक; प्राकृ० अब्भय। *arbhaka*[2]—*Adj.* Small, foolish, lean and thin, similar.

𑒁𑒩𑓂𑒠𑒩𑓂𑒠 **अर्दर्र**—अव्य०। अगडबगड (दी०)। [सं० आर्द्रा]। तु० क० अरदर; हि० अर्बर्र। मि० भा० प्र० ४४। *arradarra*—*Ind.* Incoherent.

𑒁𑒩𑓂𑒠(𑒩𑓂𑒫) **अर्द(र्व)**—एक सए करोड़क एक अर्व होइछ, १०००००००० FML 377। [सं०]। तु० फा० ने० अर्व। राम० ३११ (कय अर्व्व अक्षौहिणी)। *arva(rvva)*—One thousand million.

𑒁𑒩𑓂𑒫𑒰𑒔𑒲𑒢 **अर्वाचीन**—आधुनिक, नवीन, नव। [सं०]। तु० क० हि०, अस० **अर्वाचीन**। मोद १७१-३६ (**अर्वाचीन** मिथिलाक इतिहासक महान अभाव); मि० २ (**अर्वाचीन** बृद्धहुसँ दुविज्ञेय); मिहिर ३५-२०-२१-१४ (प्राचीन ओ अर्वाचीन गौरव कएँ आधुनिक युगमे मातृभाषा द्वारा सजीव करबाक आवश्यकता अछि)। *arvācīna*—Modern, new.

𑒁𑒩𑓂𑒯𑒝 **अर्हण**—पूजा, वन्दना, सम्मान। [सं०]। तु० क० हि० अर्हण। एकावली परिणय १५३; मिहिर (१८) २-६१-६२। *arhaṇa*—Worship, respect.

𑒁𑒩𑓂𑒯𑒝𑒰 **अर्हणा**—जामाताक हेतु अर्घादि दान (दी०)। [सं०]। मिहिर ३८-२०-१० (अर्हणा, आदतीसँ स्वागत कैल गेल); अमर० १६४ (अर्चा, अर्हणा)। *arhaṇā*—Offering (utensils) for son-in-law on the occasion of marriage.

-𑒁𑒪 **-अल**—प्रत्यय। ई भूतमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने अकर्मक धातुमे लगाओल जाइछ। ल० वि० ९२ (हरिहरबा गाम चलल); सकर्मक अवन्त धातुसँ पूर्वोक्त दोनो कार्य नहि होइत अछि अर्थात् ओकर रूप सामान्य देख आदि धातुवत् होइछ। ल० वि० १११ (कइछु तबल, उजरी धबल, ई क्रिया नहि फबल, मन भबल, पानि सरबल); जखन क्रियाक बारंबार होएब बुझएबाक हो तखन एकर प्रयोग होइछ। ल० वि० १२५ (शुद्र देखल करैत अछि=पुनः पुनः देखैत अछि); कर्म वा भावमे तिङ् प्रत्यय अएला पर धातुसँ स्वार्थमे प्रयोग होइछ। ल० वि० १२६ (ब्राह्मण देखल जाइत छथि); मि० भा० वि० १८५, २४०। [सं०>मागधी FML]। *-ala*—Suffix added to intransitive verbs hon. in the sense of past tense etc.

-𑒁𑒪𑒏[1] **-अलक**[1]—प्रत्यय। भूतमे सामान्यतः सकर्मक धातुसँ प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने -अलक प्रत्ययक प्रयोग कएल जाइछ। ल० वि० ९२ (लोक नाच देखलक)। [अल+सं स्वार्थेकन्]। *-alaka*[1]—Suffix added to third person transitive verbs nonh.in the sense of past tense etc.

𑒁𑒪𑒏[2] **अलक**[2]—केश, माथक अस्तव्यस्त केश, लट। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव, पा०, राज० अलक; प्राकृ० अलय; काश्मीरी अर। वि० ने० ६२ (प्रथमहि अलक तिलक लेव साजि); वि० पदा० मजु० ६ नेपाल ३४ पृ० ९४ न० गु० १५ अ० १०२८ (भांगल कपोल अलक भरि साजु); ऐ० ५६ तालपत्र न० गु० १६१ अ० १६३ (अलक तिलक हे सेउ गेल दूर); गौ० शृं० १ अमर० २ (आकुल कुटिल अलकाकुल समरी); गौरी परिणय २३; राम० १७ (कुटिल अलक सुमुकुट भल भास); एकावली परिणय १; द्विरा० १६४ (हुनक एक लहराइत अलकक अलकसँ)। *alaka*[2]—Curl of hair.

𑒁𑒪𑒏𑓂𑒐 **अलक्ख**—वि०। अलक्ष, जे देखल नहि जा सकए। [सं० अलक्ष्य]। चर्यापद १५/१ (सअ-सम्वेअण-सरुअ-विआरेँ अलक्खल-क्खण ण जाई)। *alakkha—Adj.* Invisible.

𑒁𑒪(𑒏𑓂𑒐)𑒪(𑒏𑓂𑒐)𑒝𑒔𑒱𑒢𑓂𑒞𑒰 **अल(क्ख)ल(क्ख)णचिन्ता**—अलक्ष्य द्वारा लक्षित होएबाक हेतु चिन्ता। [सं०]। चर्यापद १७/१ (अलक्खलक्खणचिन्ता मुहाइहेँ)। *ala(kkha)la(kkha)ṇacintā*—Anixiety to find out the Invisible through hints.

𑒁𑒪𑒏𑒞𑒩𑒰 **अलकतरा**—पाथरक कोइलाकेँ आगिपर गला कए बाहर कएल एक गाढ़ कारी तेल जकर सड़कपर पीचआदि बनएबामे प्रयोग कएल जाइत अछि। [अं०]। तु० क० हि०, **कोलतार**। द्विरा० १२८ (नुआमे अलकतरा पोछा गेलैन्हि)। *alakatarā*—Coaltar.

𑒁𑒪𑒏𑒞𑒱𑒪𑒏 **अलकतिलक**—वि०। केश विन्यासक संग साज शृंगार। [सं०]। तु० क० बं० **अलकतिलक**। *alakatilaka—Adj.* Decoration of hair and sandle paste.

𑒁𑒪𑒏𑒢𑒢𑓂𑒠𑒰 **अलकनन्दा**—एक पहाड़विशेषक नाम, नदीविशेष। [सं०]। तु० क० बं० **अलकनन्दा**। *alakanandā*—Name of a mountain and a river.

𑒁𑒪𑒏𑒣𑒞𑓂𑒩𑒰𑒫𑒪𑒲 **अलकपत्रावली**—केश विन्यासक एक विशेष कला, लटसभ। [सं०]। वर्ण० ६२ (अलकपत्रावली माङ्गि तिलक)। *alakapatrāvalī*—A way of hair decoration locks.

–𑒁𑒪𑒏𑒯𑒳 **–अलकहु**—प्रत्यय। भूतमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय तोँ शब्दार्थगत सन्ताँ सकर्मक धातुसँ जोड़ल जाइछ। ल० वि० ६३ (तोरा देखलकहु)। *-alakahu*—Suffix added to transtive verbs in the sense of past tense with object in the second person *tõ* and subject third person.

𑒁𑒪𑒏𑒰[1] **अलका[1]**—कुबेरक घर वा पुरी। [सं०]। राम० ३३० (अलका तनिका वासस्थान)। *alakā*[1]—Name of the city of Kubera.

𑒁𑒪𑒏𑒰[2] **अलका[2]**—अलक[2] (द्र०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ७१ रागत० २११ न० गु० २५० अ० २४९ (अलका भृङ्ग सैवाले); ऐ० ७७ रागत० १२३ न० गु० तालपत्र २४६ अ० २५६ (मृगमद पंक अलका); गो० श्रृं० १ अमर० २१ (धनि सिन्दुर-विन्दु ललाट बनी। अलका झलकैँ तँह नीलमणी)। *alakā*[2]—P. F. of *alaka*[2] (q.v.).

𑒁𑒪𑒏𑒰𑒣𑒳𑒩𑒲 **अलकापुरी**—कुबेरक वासस्थान। [सं०]। चित्रा ५० (पहुँचलहुँ अलकापुरी)। *alakāpurī*—The city of Kubera.

𑒁𑒪𑒏𑒰𑒫𑒪𑒲 **अलकावली**—केशसमूह, भवरल अत्यधिक सुन्दर केश, लट। [सं० अलक+आवली]। राम० १६६ (तिमिर तनिक अलकावलि नीक); मिहिर ३८-१०-६ (अछि हमर अलकावली नहि एक दुःखक द्वार); प्रेमपत्रावली ११; चित्रा ४१ (स्वर्णकेशी सुन्दरीक अलकावली सन बुझि पड़ल)। *alakāvalī*—Locks of hair.

𑒁𑒪𑒏𑒹(𑒏𑒺) **अलके(कै)**—अलक[2] (द्र०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० ७० रागत० ८५ नेपाल ६५ न० गु० तालपत्र २४८ अ० २४८ (अंकस कएल अलके); ऐ० १२६ रागत० ६० न० गु० १६७ अ० ६८६ (नमित अलके बेरला)। *alake(kai)*—Emph. form of *alaka*[2] (q.v.).

–𑒁𑒪𑒏𑒺𑒏 **–अलकैक**—प्रत्यय। भूतमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय सन्ताँ सकर्मक धातुसँ जोड़ल जाइछ। मि० भा० १५६; ल० वि० ६३ (मधुकरबा नेनाकेँ देखलकैक)। *-alakaika*—Suffix added to verbs in the past tense nonh. first person, with nonh. objects.

–𑒁𑒪𑒏𑒺𑒢𑓂𑒯𑒱 **–अलकैन्हि**—प्रत्यय। भूतमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय सन्ताँ सकर्मक धातुसँ जोड़ल जाइत अछि। मि० भा० वि०; ल० वि० ६३ (लोक हुनका देखलकैन्हि)। *-alakainhi*—Suffix added to transitive verb with the past nonh. third person subject and hon. object.

–𑒁𑒪𑒏𑒾𑒏 **–अलकौक**—प्रत्यय। भूतमे प्रमथ पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय तोँ शब्दार्थगत सन्ताँ सकर्मक धातुसँ जोड़ल जाइत अछि। मि० भा० वि० १०५; ल० वि० ६३ (रओ मधुकरबा, करिआ तोरा देखलकौक)। *-alakauka*—Suffix. added to transitive verbs in the past tense nonh first person with hon. object *tõ*.

𑒁𑒪𑒐 **अलख**—वि०। जे देखल नहि जा सकए, अदृश्य, अप्रत्यक्ष, ईश्वरक एक विशेष नाम। [सं० अलक्ष्य]। तु० क० हि०, बं०, ने० **अलख**; **अलक्ख** (द्र०)। **अलख जगाएब**=ईश्वरकेँ बाजि कए स्मरण करब वा कराएब। *alakha—Adj.* Invisible, name of God.

𑒁𑒪𑒐𑒏 𑒔𑒰𑒢 **अलखक चान**—दुर्लभ वस्तु, जे सब दिन नहि देखल जाए (जेना द्वितीयाक चन्द्रमा)। [सं० अलक्ष्य+चन्द्र]। वि० पदा० मजु० ५५३ (आप पेखल पिअ अलखक चान)। *alakhaka cāna*—Rare thing.

𑒁𑒪𑒐𑒱𑒞 **अलखित**—वि०। अज्ञात, लुप्त, जे देखि नहि पड़ए, जे प्रकट नहि भए सकए, अदृश्य। [सं० अलक्षित]। तु० क० हि०, बं०, **अलखित**। *alakhita—Adj.* Invisible.

𑒁𑒪𑒐𑒱𑒞𑒹 **अलखिते**—अलखित (द्र०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० १७६ न० गु० तालपत्र ४१ अ० ७३ (अलखिते हमे हेरि विसलि चोर); ऐ० ०७७ (अलखिते गोप आएल चलि गेल)। *alakhite*—Emph. form of *alakhita* (q.v.).

𑒁𑒪𑒑[1] **अलग[1]**—वि०। पृथक, भिन्न, फराक। [सं० अलग्न अथवा अ+लग]। तु० क० हि०, अव०, म०, ने०, कु० **अलग**; प्राकृ०, पा० **अलग्ग**; काश्मीरी **अलोगु**; अस०, बं० **आलग**; प्रा० मार० **अलगो**; गु० **अलगूँ**। *alaga*[1]—*Adj.* Separate.

𑒁𑒪𑒑² **अलग²**—प्रेरणा नृत्यक उपदर्शित गतिविशेष, लु० रू०। [? अलग¹]। वर्ण० ५१ (अलग, निहारो, मञ्जुरी, अलगभउरी)। *alaga²—Obs.* A motion in dance.

𑒁𑒪𑒑𑒔𑒱𑒞 **अलगचित**—दाओविशेष (दी०), कुस्ती लड़बाक एक गोट कथा वा दाओ-पेँच। [अलग+चित्त]। *alagacita*—A trick in wrestling.

𑒁𑒪𑒑𑒙𑒹𑒿𑒙-(𑒙𑒰) **अलगटेंट-(टा)**—वि०। योग्यकेँ बजबाक अवसर नहि दए उत्तर देनिहार। [अलगब+ टं टं टेटेँ > टेँट]। मि० मा० प्र० ३४। *alagaṭeṇṭa(ṭā)—Adj.* Who speaks impudently.

𑒁𑒪𑒑𑒙𑒹(𑒙𑒹𑒿)𑒙𑒰𑒯 **अलगटे(टेँ)टाह**—वि०। किञ्चित अलगटेंट (दी०), मात्र कनिञे, बिनु बुझनहि कथा बजनिहार। [अलगटेँट+आह]। मोद ६७-२४ (बिना बुझने कैँ कैँ करब **अलगटेटाहक** कार्य थिक); ससरफानी ४४ (अलगटेटाह जकाँ करब कि समुचित)। *alagaṭe-(ṭẽ)ṭāha—Adj.* A little impudent in speech.

𑒁𑒪𑒑𑒙𑓂𑒙 **अलगट्ट**—वि०। अनुचित तर्क (दी०), अधलाह अंदाज। [सं० अनर्गल अथवा अन > अल+काट > गट्ट]। *alagaṭṭa—Adj.* Unreasonable conjecture or argument.

𑒁𑒪𑒑𑒙𑓂𑒙𑒹 **अलगट्टे**—अलगट्ट (दे०) केर निश्च० रू०। मिहिर ४६-२६ (कखन सुमिरनक आवश्यकता हैतैन्हि से **अलगट्टे** बुझि जाथि)। *alagaṭṭe*—Emph. form of *alagaṭṭa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒑𑒤𑒳𑒢𑒑𑒲 **अलगफुनगी**—बिनु बुझनहिँ सुझनहिँ बाजि उठब, सर्वसाधारणक विचारसँ भिन्न विचार बाजब। [अलग+फुनगी]। **अलगफुनगी मारब** = बिनु तत्वतः बुझनहिँ फानि उठब (दी०)। मि०मा० प्र० ४४। *alagaphunagī*—To speak with out proper understanding.

𑒁𑒪𑒑𑒦𑒅𑒩𑒲 **अलगभउरी**—लु० रू०। प्रेरणा नृत्यक एक गोट गतिविशेष। [? अलग+ भँवर]। वर्ण० ५१ (मञ्जुरी **अलगभउरी** सूचि)। *alagabha-urī*—Obs. A kind of motion of dance.

𑒁𑒪𑒑𑒥¹ **अलगब¹**—क्रि०। उपर आएब (दी०), पानिसँ कोनो वस्तुक हलुक भए उपर दहाए लागब, गम्भीरता त्याग कए उच्छृंखल होएब वा बाजब। [अलग+अब]। तु० क० अलगी, अलगैब। *alagaba¹—V.* To come out of water, to float on the surface of water, to become impudent in speech or action.

𑒁𑒪𑒑𑒥² **अलगब²**—क्रि०। फुट होएब, पृथक होएब। [अलग +अब]। बहुधा अलगाएब (दे०) रू० हिमे ई अर्थ प्रयुक्त होइछ। *alagaba²—V.* To separate, to bifurcate.

𑒁𑒪𑒑 𑒥𑒪𑒑 **अलग बलग**—क्रि० वि०। शीघ्रताजन्य असमीचीनतापूर्वक (दी०), जल्दीक हेतु उपर-झापरसँ अनुचित वा अपूर्ण कार्य करब। [अलग+बलग अथवा शब्दानुकरण अथवा अ+लग, ब+लग]। *alaga balaga—Adv.* Hastily and without propriety.

𑒁𑒪𑒑𑒩𑒖𑒲 **अलगरजी**—वि०। बिना गर्जक, ककरो गुदान-निहार नहि, आपमौजी, अनकर कोनो परवाहि नहि रखनिहार, बेपरवाह। [अल+अर० गर्ज]। BPL 393 (धोबी नाउ दरजी ई तीनू **अलगरजी**)। *alugarajī—Adj.* Careless, selfish.

𑒁𑒪𑒑𑒪 **अलगल**—अलगब (दे०) भूत० रू०। प्रणम्य० १७५ (पेटीक मूँह किछु **अलगले** रहि गेलैन्ह); रंग ६६ (किछु अंश ऊपर **अलगल** छलैक)। *alagala*—Past form of *alagaba* (q.v.).

𑒁𑒪𑒑𑒥𑒻𑒞 **अलगबैत**—अलगब (दे०) केर प्रेरणा० रू०। प्रणम्य० १८१ (उपरका पट्टा **अलगबैत** देरी पण्डितजी अबाक् रहि गेलाह)। *alagabaita*—Caus. of *alagaba* (q.v.).

𑒁𑒪𑒑𑒯𑒱(𑒯𑒹) **अलगहि(हे)**—अलग¹ (दे०) केर निश्च० रू०। मन० कृष्ण० ५ (**अलगहि** उड़ि तोहेँ लागब अकाश); गुदगुदी ५। *alagahi(he)*—Emph. of *alaga¹* (q.v.).

𑒁𑒪𑒑𑒰 **अलगा**—अलगाह (दे०) तथा अलगाए (दे०) केर विक० रू०। उपर उठाकए। तु० क० अलगी। *alagā*—Alt. of *alagāha* and *alagāe* (q.v.).

𑒁𑒪𑒑𑒰𑒋 **अलगाए**—क्रि०। उठा कए, फुटा कए, फराक कएकेँ। [अलग+अए]। मोद १७१-६ (**अलगाए** तकने गाछ धरि देखैत छी); शकुन्तला नाटक ५६। *alagāe—V.* Having separated, raised or lifted.

𑒁𑒪𑒑𑒰𑒋𑒥 **अलगाएब**—क्रि०। उठाएब, उपर उठाएब, फुटाएब, विभाजन करब, अलग (दे०) करब। [अ+लग+अब]। *alagāeba—V.* To separate, lift up, raise.

𑒁𑒪𑒑𑒰𑒯(𑒯𑒱) **अलगाह(हि)**—वि०। अलग्न होएनिहार वा होएनिहारि (दी०), फराक भेनिहार वा भेनिहारि, किञ्चित अगुताह वा अज्ञानी निरर्थक कार्य कएनिहार वा कएनिहारि। [अलग+आ+(इ)]। *alagāha(hi)—Adj.* Who or which has tendency to separate, a little impudent man (or woman).

𑒁𑒪𑒑𑒲 **अलगी**—वि० स्त्री०। अपन मर्यादाक उल्लंघन कएनिहारि, जाहि स्त्रीक व्यवहार सर्वसाधारणक प्रतिकूल हो। [अलग+ई]। कथा पराग ३८। *alagī—Adj. Fem.* Impudent.

𑒁𑒪𑒑𑒹 **अलगे**—अलग¹ (दे०) केर निश्च० रू०। मि० ३४८ (अपन अपन खजाना **अलगे** कै देलकैक)। *alage*—Emph. of *alaga¹* (q.v.).

𑒁𑒪𑒑𑒼𑒖𑒰 **अलगोजा**—बाँसुरीविशेष (दी०)। [अर०]। गद्य० कु० ५। *alagojā*—A kind of flute.

𑒁𑒪𑒑𑒾𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 **अलगौलन्हि**—अलगब (दे०) केर भू० आद० [अन्य पु० रू०। हट्ट० ४० (लोटा ऊपर **अलगौलन्हि**)। *alagau-*

lanhi—Hon. past tense third person of *alagaba* (q.v.).

𑒁𑒪𑒑𑓂𑒢 **अलग्न**—वि० । मिलल नहि, असंगत, युक्ति-संगत नहि, सम्बद्ध नहि । [सं०] । तु० क० बं० **अलग्न**; काश्मीरी **अलोगु**; पा० **अलग्ग**; गु० **अलगुँ**; अस० **आलग**; प्रा० मा० **अलगो**; उ० **ओगा**; **अलग** (दे०) । सुन्दरसंयोग १६; राम० लालदास ७१; द्विरा० १७६ (तखन **अलग्न** कथा कोना फुरलैन्ह); अम्बचरित १५० । *alagna—Adj.* Unconnected.

𑒁𑒪𑒓𑓂𑒏𑒩𑒝 **अलङ्करण**—भूषण (दी०), गहना । [सं०] । तु०क० बं०, अस०, ने० **अलङ्करण**; हि० **अलंकरण** । राम० १४० (**अलंकरण** किछु अयन उतारि); पुरु० ५८ (अलंकरण अङ्गसौं उतारि); ऐ० २३४ (**अलङ्करण** स्वस्थान चिन्ह) । *alaṅakarṇa*—Ornament.

𑒁𑒪𑓀𑒏𑒩𑒝𑒰𑒩𑓂𑒟 **अलंकरणार्थ**—गहनाक हेतु, भूषणक हेतु । [सं०] । मोद ८७–२३ (**अलंकरणार्थ** अमूल्य रत्न संग्रह कै सकब) । *alaṅkaraṇārtha*—For the sake of ornament or ornameatation.

𑒁𑒪𑒓𑓂𑒏𑒰𑒩 **अलङ्कार**—गहना, आभूषण, जेवर, वर्णन करबाक एकटा शैली जाहिसँ शब्दमे वा वाक्यमे चमत्कार ओ रोचकता आबि जाए –यथा उपमा, श्लेष, रूपक आदि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने० **अलङ्कार** । वर्ण० ४ (कङ्कण, नूपुर प्रभृति अनेक **अलङ्कार** कएले); पुरु० २३८ (**अलङ्कार** कर वास); मोद १०१–७ (तफरा **अलंकार** कहैत छैक); खट्टर० ५ (की **अलंकार** छटा) । *alaṅkāra*—Ornament, figure of speech.

𑒁𑒪𑒓𑓂𑒏𑒰𑒩𑒹 **अलङ्कारे**—**अलङ्कार** (दे०) केर निश्चय रू० । कन्या० ७३ (**अलङ्कारे**मे प्रशंसा करए लगलाह); खट्टर० ५ (केवल **अलङ्कारे** नहि विशानो छैक) । *alaṅkāre*—Emph. of *alaṅkāra* (q.v.).

𑒁𑒪𑒓𑓂𑒏𑒱𑒞 **अलङ्कित**—**अलङ्कृत** (दे०) केर अशु० रू० । वर्ण० ४७ (छओ जे लुङ्क तेँ **अलङ्कित** वितान) । *alaṅkita*—Err. of *alaṅkṛta* (q.v.).

𑒁𑒪𑒓𑓂𑒏𑒵𑒞 **अलङ्कृत**—वि० । सुशोभित, अलंकारयुक्त । [सं०] । तु० क० **अलङ्कृत**; हि० **अलंकृत**; प्राकृ० **अलंकिय** । वर्ण० १० (पदिक तेँ **अलंकृत**); वर्ण० ४७ (ये जाति तेँ **अलङ्कृत**); वि० ने० २७२ (अरुण **अलंकृत** पुरन्दर आसा); गो० शृं० २ अमर० ५ (नित नव यौवति निधुवनालंकृत निभृत निनादन वासी); राम० ३०३ (स्नान **अलंकृत** मंगल वेश); पुरु० २०० (पृथिवी **अलंकृत** होइत); रंग० १३७ (अध्यापिका पदपर **अलंकृत** कए रहल छथिन्ह) । *alaṅkṛta—Adj.* Ornamented.

𑒁𑒪𑓀𑒏𑒵𑒞𑒱 **अलंकृति**—**अलङ्कार** (दे०) । [सं०] । राम० ३१३ (दिव्य **अलंकृति** धृत प्रभु राम) । *alaṅkṛti*—Ornament.

𑒁𑒪𑒓𑓂𑒑 **अलङ्ग**—एक देश (दी०) । [सं० अन्वङ्ग MW 46 अथवा अन + अङ्ग] । इनका लकबा **अलङ्ग** लगेलन्हि) । *alaṅga*—One side.

𑒁𑒪𑒓𑓂𑒒𑓂𑒨 **अलङ्घ्य**—वि० । पार करबा योग्य नहि, नघबा जोगर नहि, अत्यन्त दुर्गम वा विशाल । [सं०] । *alaṅghya—Adj.* Impassable.

𑒁𑒪𑒓𑓂𑒒𑒢𑒲𑒨 **अलङ्घनीय**—वि० । जे लाङ्घल नहि जा सकए, पार नहि कएल जा सकैक, अत्यन्त दुर्गम वा विशाल । [सं०] । तु० क० बं० **अलङ्घनीय** । *alaṅghanīya—Adj.* Insurmountable, vast.

𑒁𑒪𑒔𑓂𑒕 **अलच्छ**—वि० । अशुभकर (दी०) । [अ + सं० लक्षण > लच्छन > लच्छ] । तु० क० **कुलच्छन सुलच्छन** । प्रणम्य० १४१ (तोँ **अलच्छ** छह); द्विरा० १३६ (**अलच्छ** ओ (बकर्णा (?) स्त्रीक सभटा उपलक्षण पड़ल लैन्ह); द्विरा० १५४ (**अलच्छे** बात सभ बुझबैत छहौक); पारो ६७ (मुँहसँ बहराइत छैक जे **अलच्छ** खापरि रहैत अछि); नव० ७७ (फेर **अलच्छे** कथा ?) । *alaccha—Adj.* Inauspicious, nfortunate.

𑒁𑒪𑒔𑓂𑒕𑒰 **अलच्छा**—**अलच्छ** (दे०) केर अना० रू० । [अलच्छ + आ] । तु० क० **अलच्छाहा** । चित्रा ७८ (शुद्ध **अलच्छा** पैर कतहु नहि नेह) । *alacchā*—Nonh. form of *alaccha* (q.v.).

𑒁𑒪𑒔𑓂𑒕𑒱(𑒔𑓂𑒕𑒲) **अलच्छि(च्छी)**—**अलच्छ** (दे०) केर स्त्री० रू० । [अलच्छ + ई] । चित्रा १६ (लोक **अलच्छि** बुझैए); गल्पाञ्जलि ८५ । *alacchi(cchī)*—Fem. of *alaccha* (q.v.).

𑒁𑒪𑒕𑒣𑒢(𑒢𑒰)(𑒢𑒲) **अलछपन(ना)(नी)**—अशुभक रत्व (दी०) । [अलच्छ + पन + आ, ई (नी)] । *alachapana(nā)(nī)*—Inauspiciousness.

𑒁𑒪𑒕𑒱𑒞 **अलछित**—**अलक्षित** (दे०) केर ग्रा० रू० । गीत पञ्चाशिका १४ । *alachita*—Folk form of *alakṣita* (q.v.).

𑒁𑒪𑒙 **अलट**—**अनट** (दे०) केर विक० रू० । चित्रा ४१ (हम **अलट** विलट नहि बाजब) । *alaṭa*—Alt. form of *anaṭa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒙-𑒣𑒪𑒙 **अलट-पलट**—क्रि० वि० । हेर-फेर (दी०) । [अलट + पलटब] । तु० क० हि० **उलट-पुलट** । *alaṭa-palaṭa—Adv.* Exchange.

𑒁𑒪𑒞𑒏 **अलतक**—**अलता** (दे०) केर का० रू० । [सं० आलक्तक] । गो० शृं० १ अमर० २१ (बन्धुक अधर अरुण भेल काजर भाल **अलतक** दाग) । *alataka*—P.F. of *alatā* (q.v.).

𑒁𑒪𑒞𑒰 **अलता**—**आलता** (दे०) केर विक०रू० । एकटा स्त्रिगणक शृंगार प्रसाधन, स्त्रिगणलोकनि एकरा हाथ पएरक तरवा एवं नहमे खूब विन्याससँ रङैत छथि । [सं०आलक्तक IAL Turnsr 695] । तु० क० हि० **अलता**; प्राकृ० **अलतअ**; मै० **अलतक** (दे०) । गो० शृं० २ अमर २१ (पद पंकज पास शुभै **अलता**); पारो ५२ (पैरमे साट तरबामे **अलता**) । *alatā*—Alt. of *ālatā* (q.v.). A red paste for colouring nails sole of to feet.

-𑒁𑒪(𑒟𑒱)𑒟𑒲𑒢𑓂𑒯 **-अल(थि)थीन्ह**—प्रत्यय। भूतमे प्रथम पुरुष आदरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल (आदरणीय वा अनादरणीय) अन्यगत सन्ताँ प्रयोग होइछ। [सं०]। ल० वि० ६७ (महाराज ओकरा देखलथीन्ह)। *-ala(thi)thīnha*—Suffix added to verbs in the past tense with suject hon. third person and an object.

-𑒁𑒪𑒟𑒴𑒢𑓂𑒯 **-अलथून्ह**—प्रत्यय। भूतमे प्रथम पुरुष आदरार्थक अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियापद (आदरणीय वा अनादरणीय) तोँ पदार्थगत सन्ताँ प्रयोग होइछ। [सं०]। ल० वि० ६४ (हओ राम वा रामा, महाराज तोरा देखलथून्ह)। *-alathūnha*—Suffix added to verbs in the past tense with hon. subject in the third person.

𑒁𑒪𑒣 **अलप**—अल्प (दे०) केर का० रू०। तु० क० हि० अलप। वि० ने० ११२ (हमे अबला थिक अलप गेआँन); वि० ने० १६४ (जौवन अलप काल); वि० पदा० मजु० २८ प० त० २०१ चणदा पृ० ११ कीर्तनानन्द १३२ न०गु० ४५ अ० ४२ (धनि अलप वयेस बाला); श्रीकृष्णकेलिमाला (हम अलप बाला नारि); मा० का० २३३ (... नवीना अलप ज्ञाने); मन० कृष्ण० ४० (अलप बयस घड़िएकमे मरत); राम० १२७ (अलप वयसमे भेलहुँ रांड़); महेश० ५५)चन्द्र सुकवि भन अलप दिवस तन)। *alapa*—P.F. of *alpa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒣𑒍 **अलपओ**—अलपहु (दे०) केर का० रू०। [तु] ० क० अलपेओ (दे०)। वि० पदा० मजु० ५४ ताल [?] न० गु० २३२ अ० २३३ (अलपओ अवसर दान अतोल); राग० ६३ (अलपओ हास सुधारस वरिसओ)। *alapao*—P. F. of *alapahu* (q.v.).

𑒁𑒪𑒣𑒧𑒞𑒱 **अलपमति**—वि०। थोड़ ज्ञानवला, तुच्छ बुद्धिवला। का० रू०। [सं० अल्प + मति]। मि० २४ (कतए अलपमति विषधर साप)। *alapamati*—Adj. P. F. Whose intelligence is small.

𑒁𑒪𑒣𑒯𑒱(𑒯𑒳) **अलपहि(हु)**—अलप (दे०) केर निश्च० रू०। वि० ने० १२८ (मल पओलेहि अलपहि कर तोस); वि० ने० १३० (कहाँ लए जाइति अलपहु मूले); वि० पदा० मजु० ६८ नेपाल २७ न० गु० तालपत्र ४६५ अ० ५०६ (अलपहि माने बहुत अभिमान)। *alapahi(hu)*—Emph. form of *alapa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒣𑒰𑒃 **अलपाइ**—थोड़ आयु वा जीवन। वा० वा ग्रा० रू०। [सं० अल्पायुः F M L 89]। *alapāi*—Coll. Short life-span.

𑒁𑒪𑒣𑒹𑒍 **अलपेओ**—अलपहु (दे०) केर का० रू०। तु० क० अलपओ (दे०)। वि० पदा० मजु० १०० राग० ६३ न० गु० तालपत्र ३५४ अ० ३५१ (अलपेओ हास सुधारस वरिसओ)। *alapeo*—P. F. of *alapahu* (q.v.).

𑒁𑒪𑒤 **अलफ**—उपद्रव, हल्ला। [? अर० हलक]। प्रभु० २५८ (तेहन अलफ उठौलक)। *alapha*—Disturbance.

𑒁𑒪𑒤𑒲 **अलफी**—स्त्रिगणक एक प्रकारक बिनु बाँहिक कुर्त्ता परन्तु ग्रिअर्सनक अर्थ अछि कपड़ापर चानीक काज। BPL 475। [?]। तु० क० हि० अलफी। *alaphī*—A kind of blouse without sleeves; silver embroidery.

𑒁𑒪𑒥𑒙𑒰𑒯(𑒯𑒱) **अलबटाह(हि)**—वि०। ओरिआएकेँ नहि कार्य कएनिहार वा कएनिहारि (दी०)। [? अल्प वा अन > अल + बाट + आह]। तु०क० अटपट, अलबौक, अल्हड़। खट्टर० १२३ (महेश सहजहि अलबटाहे)। *alabaṭāha(hi)*—*Adj*. Clumsy (man or woman).

𑒁𑒪𑒥𑒞𑓂𑒞 **अलबत्त**—क्रि० वि०। निश्चय, निस्संदेह। [अर० अलबत]। *alabatta*—*Adv*. surely, certainly.

𑒁𑒪𑒥𑒪 **अलबल**—वि०। असम्बद्ध (वचन) (दी०)। [अर्र दर्र]। तु० क० हि० अर्रबर्र दर बर < बड़बड़ाएब। अलबल बाजब = असमीचीन अथवा असम्बद्ध गप्प करब। *alabala*—*Adj*. Incoherent.

𑒁𑒪𑒥𑒹𑒪𑒰(𑒪𑒲) **अलबेला(ली)**—वि०। स्वेच्छाविहारी, अपन इच्छानुसार विचरण कएनिहार (दी०)। [सं०अलभ्य > अलब + एला (ली)]। *alabelā(lī)*—*Adj*. Strange, self-willed.

𑒁𑒪𑒦𑒱𑒧𑒰𑒢 **अलभिमान**—अनभिमान (अभिमानसँ रहित। केर अशु० रू०। मि० ३८ (एहि प्रकारक अलभिमानपूर्ण)। *alabhimāna*—Err. form of *anabhimāna* (q.v.).

𑒁𑒪𑒦𑓂𑒨 **अलभ्य**—वि०। नहि भेटबा योग्य, जे कठिनतासँ भेटि सकए, दुर्लभ, अमूल्य, अप्राप्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अलभ्य। राम० १० (अलभ्य पदहिक होथि वासी से); पुरु० १०७ (किछु अलभ्य सम्प्रति की ततय); मोद ६२-१० (ई अलभ्य गणितलता देखैत हेतु देलन्हि); द्विरा० ८७ (घनिष्ठताक पूर्ण गप्पकेँ अलभ्य लाभ बूझि); शतदल ८६। *alabhya*—*Adj*. Which is not easily available, rare, valuable.

𑒁𑒪𑒦𑓂𑒨𑒻𑒏 **अलभ्यैक**—क्रि० वि०। अलभ्यहिक वा अलभ्येको केर अशु० रू०। दुर्लभहिक। [सं०]। मिहिर ३४-२३ (तखन बौक बकलेल अलभ्यैक लाभ भै जाइत छैक)। *alabhyaika*—*Adv* Available with difficulty itself.

𑒁𑒪𑒧𑒞𑒱𑒫𑒱𑒮𑓂𑒞𑒩𑒹𑒝 **अलमतिविस्तरेण**—क्रि० वि०। बेसी नहि कहि, बेसी विस्तार नहि कए, संक्षेपमे। [सं०]। निबन्धचन्द्रिका १०४। *alamativistareṇa*—*Adv*. Without further prolixity, in brief.

𑒁𑒪𑒧𑒰𑒢 **अलमान**—ऊनक सादा ओढ़ना (दी०)। तु० क० अलेमान (दे०)। ? फा० आलेमान]। *alamāna*—A woollen wrapper.

𑒁𑒪𑒧𑒰𑒩𑒲 **अलमारी**—पुस्तकादि रखबाक पात्रविशेष (दी०)। अं०, पुर्त० अलमारियो]। तु० क० हि०, ने०, अलमारी; ने० [अलबारी; अलमारि। नव० ८६ (फुल्ल शीशावला टूटा अलमारी)। *almāri*—Almirah, shelf.

𑒁𑒪𑒩𑓂𑒏 अलर्क—हरिवंशमें एक राजाक नाम। तु० क० वं० अलर्क। अमर० ६३ (अलर्क प्रतावस); अमर० २३१ (अलर्क नान्यदेव)। *alarka*—Name of a king in Harivaṁśa.

𑒁𑒪𑒫𑒞𑓂𑒞 अलवत्त—अलबत्त (दे०) केर विक० रू०। खट्ट० २५ (अलवत्त शाक्त हो तऽ अहाँ सन)। *alavatta*—*Alt.* of *alabatta* (q.v.).

𑒁𑒪𑒫𑒹𑒪𑒰(𑒪𑒲) अलवेला(ली)—अलबेला(ली) (दे०) केर विक० रू०। अम्ब ६०; चानोदाइ ६; त्रिवेणी २। *alavelā(lī)*—Alt. of *alabelā(lī)* (q.v.).

𑒁𑒪𑒫𑒹𑒪𑒱 अलवेलि—अलवेली (दे०) केर का० रू०। एकावली परिणय ७०। *alaveli*—Poet. form of *alavelī* (q.v.).

𑒁𑒪𑒥𑒾𑒏 अलबौक—बकलेलहा बौका। [अल्प ? अन ? अल्हड़ ? अलबटाह > अल + बौक]। नव० ४७ (तकर कि किछुओ रहइक ओहि अलबउकके)। अलबौकक टारी = अतिशय अवढंग ओ बकलेल। *alabauka*—An idiotic dumb.

𑒁𑒪𑒭𑒱𑒞 अलषित—वि०। का० रू०। जे लषित नहि अछि, देखल नहि छैक। [अ + लक्षित]। वि० ने० २७० (अलषित रतन पररवा)। *alaṣita*—*Adj.* P. F. Which is not visible.

𑒁𑒪𑒮 अलस—आलस (दे०) केर का० रू०। गोरक्षविजय ५ (ख) (. . . .तनि अलस रे आब); वि० पदा० मजु० ३ नेपाल ६६ न० गु० तालपत्र २६६ अ० २६७ (अलस गमन तोर); गो० शृं० १ अमर २१ (यामिनि जागि अलस दिहि पंकज कामिनि अधरक राग); पुरु० ५१ (अलस शाला नियोगि पुरुष एक पद्य पढ़ल)। *alasa*—P.F. of *ālasa* (q v.).

𑒁𑒪𑒮𑒞𑒰 अलसता—अलस (दे०) केर भाववाचक रू०। मै० हि० सा० १५ (अलसता दीर्घसूत्रता आदि)। *alasatā*—P. F. Abstract form of *alasa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒮𑒪 अलसल—अलस (दे०) केर भू० अन्य पु० आद० रू०। गोधूलि ३६। *alasala*—P. F. hon. past tense third person torm of *alasa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒮𑒰𑒃 अलसाइ—अलस (दे०) केर पूर्व० का० रू०। चित्रा १३ (खिन्न भै अलसाइ जनु धनि)। *alasāi*—Part. P. F. of *alasa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒮𑒰𑒃𑒪𑒱 अलसाइलि—अलस (दे०) केर भू० आद० अन्य पु० एकवचन स्त्री० रू०। रामायण लालदास २०४। *alasāili*—P.F. Hon. fem. past tense third person singular of *alasa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒮𑒰𑒅 अलसाउ—अलसाएब (दे०) कर आज्ञामे अन्य पु० एकवचन रू०। चन्द्र० १८ (सेवयित जनु अलसाउ)। *alasāu*—Imperative third person form of *alasāeba* (q.v.).

𑒁𑒪𑒮𑒰𑒋𑒥 अलसाएब—क्रि०। आलस्ययुक्त होएब (दी०)। [अलस + अब]। *alasāeba*—*V.* To feel lethargical.

𑒁𑒪𑒮𑒰𑒋𑒪 अलसाएल—अलसाएब (दे०) केर भू० आद० अन्य० रू०। राग० ८५ (भ्रमर चकोर दुअओ अलसाएल)। *alasā-ela*—Hon. past tense third person form of *alasāeba* (q.v.).

𑒁𑒪𑒮𑒰𑒨 अलसाय—क्रि० वि०। आलस्यसँ युक्त भए, अलसा क। [अलसाएब + अए]। मन० कृष्ण० १२ (एक दिन जसोमति निन्द अलसाय); राम० ७२ (आइ सुतल छथि की अलसाय); चन्द्र० १३० (अवसर रहु जनु कहुँ अलसाय)। *alasāya*—*Adv.* Having felt lethargical.

𑒁𑒪𑒮𑒰𑒫 अलसाव—आलस होएबाक भाव। ग्रिअर्सन। का० रू०। [आलस + आव]। *alasāva*—The act of feeling lethargical.

𑒁𑒪𑒮𑒱𑒞 अलसित—वि०। जे आलस्यसँ युक्त होअए आलस्यसँ सम्बद्ध। [अलस + इत]। तु० क० वं० अलसित। उत्तर राम० १०, ५४। *alasita*—*Adj.* Lethargical.

𑒁𑒪𑒮𑒻𑒪 अलसैल—अलसाएल (दे०) केर विक० रूप। मिहिर ३३-११-१२ (सौ अलसैल अल्पवल्ली सन कैलनि प्रातिक दान अपार); मिहिर ३५-३१-१४ (इन्दीवर नयना गुरुतर नितम्ब भारिणी अलसैल)। *alasaila*—Alt. of *alasāela* (q.v.).

-𑒁𑒪𑒯 -अलह—प्रत्यय। सामान्यतः सकर्मक धातुसँ भूतमे मध्यम पुरुष आदरार्थक तोँ कर्तृपद रहने प्रयोग कएल जाइछ। ल० वि० ६४ (हओ सङ्गी, तोँ नाच देखलह)। *-alaha*—Suffix added to transitive verbs in the past tense hon. with second person hon. *tõ* as sucject.

-𑒁𑒪𑒯𑒏 -अलहक—प्रत्यय। भूतमे क्रियापद अनादरणीय सन्ताँ मध्यम पुरुष आदरार्थक तोँ कर्तृपद रहने प्रयोग होइछ। लतु० वि० ६५ (हओ तोँ नेनाकेँ देखलक)। *-alahaka*—Suffix added to verbs in the past tense nonh. with second person hon. *tõ* as object.

𑒁𑒪𑒯𑒢𑒰 अलहना—अवहेलना। लु० रू०। [सं० अवहेलना]। तु० क० उलहना, उपराग। कीर्तिलता २४ (जे गुणमन्ता अलहना गौरव लहइ मुजङ्ग)। *alahanā*—*Obs.* Neglect.

-𑒁𑒪𑒯𑒲𑒏 -अलहीक—प्रत्यय। भूतमे क्रियाफल अनादरणीय सन्ताँ मध्यम पुरुष अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने एकर प्रयोग होइछ। ल० वि० ६४ (रओ दुखवा, तोँ ओकरा देखलहीक)। *-alahīka*—Suffix added to verbs in the past tense with nonh. object and second person nonh. *tõ* as subject.

-𑒁𑒪𑒯𑒳 -अलहु—प्रत्यय। भूतमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय तोँ शब्दार्थगत सन्ताँ अकर्मक धातुमे प्रयोग होइछ। ल० वि० ६३ (तोरा हेतु रहलहु)। *-alahu*—Suffix added to verbs in the past tense with

nonh. intransitive first person as subject and hon. *tõ* as object.

-𑒁𑒪𑒯𑒳𑓀 **-अलहुँ—प्रत्यय** । भूतमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने सकर्मक धातुमे एकर प्रयोग कएल जाइछ । ल० वि० ६५ (हम वा अहाँ **वसलहुँ**) । *-alahũ*—Suffix added to transitive verbs in the past tense with *hama* or *ahā* as subject.

-𑒁𑒪𑒯𑒳𑒢𑓂𑒯 **-अलहुन्ह—प्रत्यय** । भूतमे क्रियाफल आदरणीय सन्ताँ मध्यम पुरुष अनादरार्थक **तों** कर्तृपद रहने एकर प्रयोग होइछ । ल० वि० ६४ (रओ दुखवा, तोँ हुनका **देखलहुन्ह**) । *-alahunha*—Suffix added to verbs in the past tense second person with hon object and subject nonh. *tõ*.

𑒁𑒪𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 **अलक्षित—वि०** । अज्ञात, अदृष्ट, लुप्त, नुकाएल, छपकल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० **अलक्षित** । गल्पाञ्जलि ११ । *alakṣita—Adj*. Invisible.

𑒁𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒨 **अलक्ष्य—वि०** । जे नहि देखि पड़ए, अदृश्य, जकर लक्षण नहि कहल जा सकए । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० राज० **अलक्ष्य** । *alakṣya—Adj*. Invisible.

-𑒁𑒪𑒰¹ **अला¹—प्रत्यय** । भावार्थक (क्रियामे) 'सन्ताँ' क योगमे एकर प्रयोग होइछ । ल० वि० १४२ (**देखला** सन्ताँ, **नहएला** सन्ताँ, **गेला** सन्ताँ) । *-alā*¹—Suffix added to verbs in the sense of "being".

-𑒁𑒪𑒰² **-अला²—प्रत्यय** । बीच ओ नीचाँ शब्दसँ जोड़ल जाइछ । ल० वि० ३७ (बीचमे रहनिहार **बिचला**; नीचाँ रहनिहार **निचला**) । *alā*²—Suffix added to *Bīca* and *Nīcā* in the sense of 'fixed'.

𑒁𑒪𑒰𑒡 **अलाध—लु० रू०** । पानि महँक साप, दराध । [सं० अलगर्ध] । सर्वानन्द ११-८-५ । *alādha*—Obs. A water snake.

𑒁𑒪𑒰𑒢¹ **अलान¹**—हाथी बन्हबाक खुट्टा, बन्धन, बेड़ी । [अर०, सं० आलान] । *alāna*¹—Rod for tying an elephant.

𑒁𑒪𑒰𑒢² **अलान²—अव्यय** । अनिश्चित, फोनो । [सं० अन्यान्य] । कन्या० १६ (**अलान** छथि **फलान** छथि) । *alāna*²—*Ind*. Anything indefinite, anonymous.

𑒁𑒪𑒰𑒣 **अलाप**—आलाप (दे०) केर का० रू० । वि० ने० १२० (के नहि वस हो मधुर **अलाप**); चन्द्र० १०६ (कोकिला **अलाप**) । *alāpa*—P. F. form of *ālāpa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒰𑒣𑒢(𑒢𑒹) **अलापन(ने)**—का० रू० । बाजब, स्वर साधब, रेआज करब, संगीत, बातचीत करब । [सं० आलापन] । तु० फा० हि० **अलापना** । गो० शृं० १ अमर० २७ (जनिकर मुरली **अलापन** कत कत कुल रमणी मोर); मि० १० (धुनि **अलापने** अनुभूति भै सकैछ ।) *alāpana(ne)*—P. F. Music speech.

𑒁𑒪𑒰𑒣𑒨 **अलापय**—अलाप (दे०) केर क्रि० वि० रू० । गो० शृं० १ अमर० ६६ (धुमै **अलापय** कत पर एक); राम० १५ (रतिपति वर्धन राग **अलापय**) । *alāpay—Adv*. form of *alāpa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒰𑒣𑒪 **अलापल**—अलाप (दे०) केर आद० भू० प्र० पु० रू० । [अलाप+अल] । एकावली परिणय २६ । *alāpala*—Hon. past tense first person form of *alāpa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒰𑒣𑒱 **अलापि**—अलाप (दे०) केर पू० क्रि०क रू० । रस निर्झरणी ८८ पद । *alāpi*—Part. form of *alāpa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒰𑒣𑒲 **अलापी—वि०** । बजनिहार, शब्द बहार कएनिहार, तान लगौनिहार, भभटपन केनिहार, मिथ्या आडम्बरसँ युक्त बात केनिहार । [सं० आलापी] । पारो ६० (एहन **अलापी** माउगि तोँ तँ अवस्से नहि देखने हेबइ) । **अलापी मौगी के सवा सेर बुलाकी** = भभटी मौगी केर बहुत आडम्बर । *alāpī—Adj*. One who speaks, exceedinhgly singer.

𑒁𑒪𑒰𑒣𑒹 **अलापे**—अलाप (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५११ (करब सखी जन केलि **अलापे**) । *alāpe*—Poet. form of *alāpa* (q.v.).

𑒁𑒪𑒰𑒫𑒰(𑒫𑒹)(𑒫𑒻) **अलावा(वे)(वै)—अव्यय** । क्रि० वि० अतिरिक्त । [फा० हि०] । रंग० ४१ (सासुरमे सासुक **अलावै** जे किछु छथि से सैह); द्विरा० १०३ (बाजा आदि किनवामे करीब दू सै टाकाक **अलावे**); पारो० ४८ (एकरा **अलावै** आङ-समाङ राजादैव आपति विपति किछु होइक सदिखन सभठाम ओ हमरालोकनिक निमित्ति उपस्थित रहैत छलाह) । *alāvā(ve)(vai)*—*Adv*. Besides.

-𑒁𑒪𑒰𑒯 **-अलाह—प्रत्यय** । भूतमे सामान्यतः अकर्मक धातुसँ मध्यम पुरुष आदरार्थक **तों** कर्तृपद रहने प्रयोग होइछ । ल० वि० ६३ (महराज **बसलाह**, तोँ थोड़ काल **रहलाह**) । *-alāha*—Suffix added to intransitive verbs with second person hon. *tõ* as subject.

𑒁𑒪𑒰𑒯𑒱𑒞𑒹 **अलाहिते**—अलाहिदा (दे०) केर निश्च० रू० । अतिरिक्तहि [हि० **अलाहिदा**] । मि० २ (ई कार्य्य होएव **अलाहिते** कर्म्म बुझबाक होयत) । *alāhite*—Emph. form of *alāhidā*, separate.

𑒁𑒪𑒰𑒏𑓂𑒭𑒝𑒱𑒏 **अलाक्षणिक—वि०** । व्याकरणक परिभाषिक शब्द जाहिमे लक्षणावृति नहि कएल गेल होइक । [अ+लक्षण+इक] । मि० भा० वि० २५३ । *alākṣaṇika—Adj*. Which has not been shown as symptiom or condition (a technical term in grammar).

-𑒁𑒪𑒱¹ **-अलि¹—प्रत्यय** । स्त्रीलिङ्ग कर्त्ता रहला सन्ताँ पूर्व वर्णित- **अलाह** प्रत्ययक स्थानमे **अलि** प्रयोग होइछ । ल० वि० १०८ (ओ स्त्री **वसलि**) । *-ali*¹—Suffix Fem. of *-alāha* (q.v.).

𑒁𑒪𑒱² **अलि²**—भमरा, कोइली, कौआ। [सं०]। तु०क० प्राकृ० **अलि, ओइली**; म० **अल, अली; अलइ**; गु० **इयल एली**; पा० **आली**; सिं० **अलिय**। वि० पदा० मञ्जु० ११० नेपाल १०६ न० गु० ४३७ अ० ४३४ (कुलक धरम पहिलहि अलि आओल); राम० ४० (प्रेमबद्ध अलि नलिनी कौल)। *ali²*—Black bee, friend.

𑒁𑒪𑒱𑒁𑒢 **अलिअन**—भ्रमरक समूह, भमरसभ। का० रू०। मोदलता २२; मन० मो० दुलहा ७। *aliana*—P.F. sevral black bees.

-𑒁𑒪𑒱𑒁𑒯𑒳 **-अलिअहु**—प्रत्यय। भूतमे **हम** वा **अहाँ** कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय सन्ताँ एकर प्रयोग होइछ। मि० भा० वि० १५७; ल० वि० ६६ (हओ, हम तोरा लग **बसलिअहु**, तोहर घर **देखलिअहु**)। *-aliahu*—Suffix added to verb in the past tense with *hama* or *ahā̃* as hon. subject.

𑒁𑒪𑒱𑒌𑒏 **-अलिऐक**—प्रत्यय। भूतमे **हम** वा **अहाँ** कर्तृपद रहने एवं क्रियाफल अनादरणीय अभ्यगत सन्ताँ प्रयोग कएल जाइछ। ल० वि० ६५ (हम वा अहाँ नेनाकेँ **देखलिऐक**)। *-aliaika*—Suffix added to verbs in the past tense with nonh. object and subject *hama* (q.v.), and *ahā̃*

-𑒁𑒪𑒱𑒌𑒢𑓂𑒯𑒱 **-अलिऐन्हि**—भूतमे हम वा **अहाँ** कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अभ्यागत सन्ताँ प्रयोग होइछ। ल० वि० ६५ (हम वा अहाँ हुनका **देखलऐन्हि**)। *-aliainhi*—Suffix added to verbs in the past tense with hon. object and subject *hama* (q.v.), or *ahā̃*.

-𑒁𑒪𑒱𑒎𑒏 **-अलिऔक**—प्रत्यय। भूतमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय **तोँ** शब्दार्थगत सन्ताँ प्रयोग होइछ। ल० वि० ६५ (रओ भगवना, हम तोहर घर **देखलिऔक**)। *-aliauka*—Suffix added to first person verbs in the past tense with nonh. *tõ* in the object.

𑒁𑒪𑒱𑒏𑒳𑒪 **अलिकुल**—भ्रमरदल, भमराक झुण्ड। [सं०]। तु० क० बं० **अलिकुल**; प्राकृ० **अलिउल**; प्रा० गु० **अलीअल**। वि० पदा० मञ्जु० १२८, तालपत्र न० गु० ७१५ अ० ७११ (खेदन मोर कोकिल **अलिकुल** बारब); गो० शृं० १ अमर० १२ (अजर शशधर दीपक जाइल, **अलिकुल** घावर लोल); मोद उद० १५७–६ (**अलिकुल** कलित ललित कुसुमाकुल)। *alikula*—Swarm of bees.

𑒁𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑 **अलिङ्ग**—वि०। बिनु लिंगक, स्त्रीलिंग एवं पुलिंगमे सँ एको नहि—नपुसंक। [अ+लिङ्ग]। मि० भा० वि० १०४। *aliṅga*—*Adj.* Neuter.

𑒁𑒪𑒱𑒖𑒼𑒩 **अलिजोर**—भमराक जोड़ा। का० रू०। [अलि+जोड़ा>जोर]। गो० शृं० २ अमर० २६ (काजल जान पड़त किय संशय ततहि भ्रमर **अलिजोरि**)। *alijora*—P. F. Pair of black bees.

𑒁𑒪𑒱𑒢𑒰𑒠 **अलिनाद**—भ्रमरक गुञ्जार, भमराक भनभनाहटि। [सं०]। एकावली परिणय १२२। *alināda*—Humming of the black bee.

𑒁𑒪𑒱𑒣𑓂𑒞 **अलिप्त**—वि०। जे लिप्त नहि अछि, अनुरक्त नहि, जे कोनो कार्यमे मग्न नहि अछि। [सं०]। आदिकथा १२। *alipta*—*Adj.* Who is not occupied.

𑒁𑒪𑒲 **अली**—सखी, सहेली, पंक्ति। [सं० आली]। तु०क० हि०, बं० **अली**। *alī*—Row, lady friend.

𑒁𑒪𑒲𑒏 **अलीक**—वि०। असत्य, मिथ्या, झूठ, मर्यादारहित। [सं०]। तु०क० हि० **अलीक**; पा० **अलिक**; प्राकृ० **अलीय, अलिओ**; गु० **एले**; उ० **अलिआ**। महेश० २० (चन्द्रचूड़ प्रतिपालू कथा ने **अलीक**); राम० लालदास २४३ (तेहि दिन सुनि हम बुझल **अलीक**)। *alīka*—*Adj.* Untrue, false.

-𑒁𑒪𑒲𑒯 **-अलीह**—प्रत्यय। स्त्रीलिंग कर्त्तापद रहला सन्ताँ पूर्ववर्णित -अलाह (दे०) प्रत्ययक स्थानमे **अलीह** प्रयोग होइछ। मि० भा० वि० १८३, ल० वि० १०८ (कन्या सासुर **बसलीह**)। *-alīha*—Suffix Fem. of *-alāha* (q.v.).

-𑒁𑒪𑒳 **-अलु**—प्रत्यय। [?]। मि० भा० वि० ३०। *-alu*—Suffix [?].

𑒁𑒪𑒳𑒣𑓂𑒞 **अलुप्त**—वि०। जे घटल नहि अछि, जे हटल नहि अछि, जे लुप्त नहि अछि। [अ+लुप्त]। तु० क० **अलुत्त**; सिं० **अलुत**; बं० **अलुप्त**। *alupta*—*Adj.* Not cut off, undiminished.

𑒁𑒪𑒳𑒩𑒱 **अलुरि**—वि०। बिना लुरिक, कार्य करबाक क्षमताक अभाव। [अ+लुरि]। पुनर्विवाह ५। *aluri*—*Adj.* Inadept.

𑒁𑒪𑒳𑒭 **अलुष**—वि०। उषासँ पहिनहि, बिनु उषहिँ, एकदम भोर। [अन>अल+उषस्]। मि० १८७ (अपने **अलुष** कतय चलल छी?); मि० २४७ (एक मन मांझ **अलुष** मधुबनी ड्योढ़ी पहुँचैक चाही)। *aluṣa*—*Adj.* Before sunrise.

𑒁𑒪𑒴𑒩𑒱 **अलूरि**—अलुरि (दे०) केर विक० रू०। *alūri*—Alt. of *aluri* (q.v.).

𑒁𑒪𑒴𑒩𑒱𑒑𑒩𑒱 **अलूरिगरि**—वि०। अलुरि (दे०) संयुक्ता (स्त्री)। [अलूरि+गरि]। भलमानुष ८२। *alūrigari*—*Adj.* Unskilful (woman).

-𑒁𑒪𑒹𑒿 **-अलेँ**—प्रत्यय। भूतमे मध्यम पुरुष अनादरार्थक **तोँ** कर्तृपद रहने सामान्यतः एहि प्रत्ययक प्रयोग होइछ। ल० वि० ६४ (रओ दुखवा, तोँ **देखलेँ**, तोँ कतए **बसलेँ**)। *-alẽ*—Suffix added to verbs in past tense with nonh. *tõ*.

𑒁𑒪𑒹𑒐 **अलेख**—वि०। अत्यधिक, अनगनती, विशेष बेशी। [अ+सं० लेख]। राम० बाल० ३ (माए बापमे द्वेष **अलेख** अपने संसारी सुख देख)। *alekha*—*Adj.* Countless.

𑒁𑒪𑒹𑒐𑒱 **अलेखि**—क्रि०। का० रू०। नहि देखि कए। राम०

लालदास ४१, ६५। [अ+लेखि]। *alekhi—V.* Having not seen.

अलेमान—अलमान (दे०) केर वा० रू०। मिहिर ३८–३०–८ (हरिअरका **अलेमान**सँ मुँह–कान सेहो झाँपि लेलन्हि)। *alemāna—Coll.* of *alamāna* (q.v.).

अलेल—वि०। बहुत, अजस्र, बेसम्हार। [अ+लेल]। *alela—Adj.* Unmanageably profuse.

अलेल बकलेल—वि०। बेसी वकलेल। [अलेल+बकलेल]। मिहिर २–६१–५३(८)। *alela bakalela—Adj.* Much stupid.

अलेल मलेलछू—एक प्रकारक बच्चाकेँ ठेहुन पर चढ़ाए (शब्दानुकरण) प्रसन्न करबाक फकड़ा वा खेल, अत्यधिक बेशी। [अलेल+मलेलछू]। मोद उदय १५६–२ (कहि कहि **अलेल मलेलछू**); कृषक १०; लोक गीत ४०। *alela malelachū—*Name of a nursery rhyme or play.

अलेश—वि०। कम नहि, बेस। [अ+लेश]। एकावली परिणय ११८। *aleśa—Adj.* Not little, quite much.

-अलैक—प्रत्यय। भूतमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय सन्ताँ अकर्मक धातुसँ प्रयोग होइछ। ल० वि० ६३ (ओकरा लग **रहलैक**)। *-alaika—*Suffix added to intransitive verbs in nonh. third person with nonh. object.

अलैवार—अणैवार केर अशु० रू०। एक प्रकारक कुलक नाम। अलयी कुल प्रकाश १। *alaivāra—*Err. of *aṇaivāra* (q.v.).

-अलैन्हि—प्रत्यय। भूतमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय सन्ताँ अकर्मक धातुसँ प्रयोग होइछ। मि० भा० वि० १४५; ल० वि० ६३ (हुनका लग **बसलैन्हि**)। *alainhi—*Suffix added to intransitive verbs in the nonh. past tense with hon. object.

अलोन—अनोन (दे०) केर अशु० वा० रू०। मिहिर ३८, ३६–३० (तावत **अलोन** तरकारी घीमे भूजि लेलनि)। *alona—*Err. Coll. form of *anona* (q.v.).

अलोप—वि०। अन्तर्ध्यान होएब, लोप होएब। [अ³+लोप]। तु० क० हि०, ने० **अलोप**। श्रीकृष्णजन्मरहस्य २३ (क) (अलोपक्ष तेजि पानी)। मि० भा० वि० ८१; गौरी परिणय ७ (ताहि निपाति कएल **अलोप**)। *alopa—Adj.* Disappear.

अलोल—वि०। स्थिरता, धीरता, स्थिर रहएवला। [सं०]। तु० क० हि० **अलोल**। महेश० ७३ (अभय धाम. मानस **अलोल** चञ्चल नहि); राम० लालदास १६७ (से रघुपति हृदि बसथु **अलोल**)। *alola—Adj.* Firm.

-अलौक—प्रत्यय। भूतमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल **तोँ** शब्दार्थगत सन्ताँ अकर्मक धातुसँ प्रयोग होइछ। ल० वि० ६३ (तोरा हेतु **रहलौक**)। *-alauka—*Suffix added to intransitive verbs in the nonh. third person with *tõ* as object.

अलौकिक—वि०। लोकव्यवहारानभिज्ञ (दी०), अमानुषी, अस्वाभाविक, अप्राकृतिक, जे एहि लोकमे नहि देखि पड़ए, दैवी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० **अलौकिक**। राम० १८ (रूप **अलौकिक** ई दिअ छोडि); चन्द्र० १७८ (रूप **अलौकिक** परिहरि सुनु); छिरा ७८ (ई कोनो **अलौकिक** गुण नहि); आमक जलखरी ८६ (पारस्परिक प्रेममे यदि **अलौकिक** कहीं तँ अत्युक्ति नहि)। *alaukika—Adj.* Super human, unsociable, impractical, unnatural.

अलौकिकाभास—लौकिक व्यवहारसँ अनभिज्ञ; एक प्रकारक गारि तथा अपशब्द। [अलौकिक+आभास]। मोद ३०–३१–१५० (**अलौकिकाभास**सँ सभक मन रसप्लावित भै रहल अछि)। *alaukikābhāsa—*Totally ignorant of worldly wisdom, scarcely intelligent, much idiotic.

अल्प—वि०। थोड़, कम, छोट। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अल्प**; पा० अप्प, ओअक; काश्मीरी ओपु; म० जप्प। राम० १५५ (**अल्प** कालमे अरि रण जीति); राम० २६० (ई बरु होय कथा थिक **अल्प**); चन्द्र० १०६ (**अल्प** पेटक कारण); मोद ६६–३ (**अल्प** विचारक अनुसार अवगत होइछ)। *alpa—Adj.* Small, little.

अल्पता(त्व)—कमी, न्यूनता। [सं०]। मोद उद० १५७–३ (समयक **अल्पता** तथा कार्याधिकता देखि); मोद १७१–३६ (लोकक **अल्पता** इत्यादि भै सकैछ); मि० भा० वि० ७३ **अल्पत्व**। *alpatā(tva)—*Smallness, minuteness.

अल्पप्राण—वि०। व्याकरणक एक पारिभाषिक शब्द, थोड़ जीवनवला, प्राण(वायु)क कमी। [सं०]। मै० व्याकरण ५। *alpaprāṇa—Adj.* Unaspirated (sound)

अल्पबुद्धि—वि०। थोड़ ज्ञानवला, कम बुद्धिवला। [सं०]। तु० क० **अलपमति** (दे०); बं० **अल्पबुद्धि**। *alpabuddhi—Adj.* Who has little knowledge.

अल्पमात्र—वि०। एकदम थोड़, कनिञे। [सं०]। तु० क० बं० **अल्पमात्र**। *alpamātra—Adj.* Only a little.

अल्पहि—अल्प (दे०) केर निश्च० रू०। पुरु० १०१ (हम **अल्पहि** परिश्रम सौँ)। *alpahi—*Emph. form of *alpa* (q.v.).

अल्पज्ञ—वि०। छोट बुद्धिक, कम ज्ञान रखनिहार।

[सं०] । तु० क० अल्प-बुद्धि । श्रीमद्भग० ७ । *alpajña*—*Adj.* With little knowledge.

𑒁𑒪𑓂𑒣𑒰𑒨𑒰𑒮 **अल्पायास**—थोड़ आयास, कम प्रयत्न । [अल्प + आयास] । काशीनाथ झा ६ । *alpāyāsa*—Little effot.

𑒁𑒪𑓂𑒣𑒰𑒨𑒳 **अल्पायु**—वि० । कम आयुबला, जे कम अवस्थामे मरि जाए । [सं० अल्पायुस्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अल्पायु; अल्पायुष । राम० लालदास १५०; मोद उद्० १५७-१३ (अल्पायु भै गत होइत गेलथिन्हि) । *alpāyu*—*Adj.* Absence of longevity.

𑒁𑒪𑓂𑒣𑒼 **अल्पो**—अल्पहु केर वा० रू० । मोद ६६-१० (विरोध फल सिद्धिमे समय देब अल्पो अहाँ) । *alpo*—Coll. of *alpahu.*

𑒁𑒪𑓂𑒪𑒑 𑒥𑒪𑓂𑒪𑒑 **अल्लग बल्लग**—क्रि० वि० । ऊपर झापरसँ, कात-करोटसँ । [अलग + बगल] । अलगबलग (दे०) । अल्लग बल्लग खाइ लग ने जाइ = फराकसँ लाभ उठा ली परन्तु दुष्ट वस्तुक भीड़ नहि जाइ । *allaga ballaga*—*Adv.* Hastily and without propriety.

𑒁𑒪𑓂𑒪 𑒥(𑒧)𑒪𑓂𑒪 **अल्ल ब(म)ल्ल**—अड़बड़ बाजब, निरर्थक बात, बिना मतलबक । [अल्ल + शब्दानुकरण] । तु० क० हि० अल्लम गल्लम; मै० अड्डबड्ड । सुमति १७; द्विरा० ७३ (मारि अल्ल बल्ल हँकने जाइ छल) । *alla ba(ma)lla*—Incoherent or meaningless speech.

𑒁𑒪𑓂𑒪𑒰 **अल्ला**—अल्लाह (दे०) केर संक्षि० रू० । चित्रा ७७ (ईश्वर अल्ला, रघुपति, राघव, राम) ; *allā*—Short form of *allāha* (q.v.).

𑒁𑒪𑓂𑒪𑒰𑒯 **अल्लाह**—ईश्वर । [अर०] । (अल्लाहो अकबर) । *allāha*—God.

𑒁𑒪𑓂𑒪𑒹 𑒙𑒪𑓂𑒪𑒹 **अल्ले टल्ले**—क्रि० वि० । एहमर ओमहरमे, कार्यक समयकेँ अगठाए वा बिलमि कए, बिताएब । [टारब + शब्दानुकरण] । तु० क० ने० आले टाले । *alle ṭalle*—*Adv.* Wasting time in doing nothing.

𑒁𑒪𑓂𑒯𑒛𑓃 **अल्हड़**—वि० । बिना अनुभवक, अज्ञानी, अलुरि, जकरा व्यवहारक ज्ञान नहि होइक । [सं० अल् + अर; प्राकृ० ओलेहड़] । तु० क० ने०, हि० अल्हड़; ने० अल्लर; सिं० अलरु, पा० अल्लहड़; गु० अलहेड़; म० अल्लड़, अलड़, अल्हड़ । *alhaḍa*—*Adj.* Unskilful, irresponsible.

𑒁𑒪𑓂𑒯𑒛𑓃𑒞𑒰 **अल्हड़ता**—अनुभवक अभाव, अल्हड़पन, उजडुपन । [अल्हड़ + ता] । द्विरा० ८३ (अहाँ ओपर अल्हड़ता पर मरब); चयनिका ७६ । *alhaḍatā*—Irresponsibleness.

𑒁𑒪𑓂𑒯𑒛𑓃𑒣𑒢𑒰 **अल्हड़पना**—बेपरवाही, उजडुपन, अनुभवहीनता । [अल्हड़ + पन + आ] । द्विरा० ८४ (किन्तु अल्हड़पना बूढ़ा स्त्रीसँ..) । *alhaḍapanā*—Irresponsibleness.

𑒁𑒪𑓂𑒯𑒰 **अल्हा**—एक गोट ऐतिहासिक वीर पुरुषक नाम, ई दू भाइ आल्हा ऊदल नामसँ विख्यात अछि, जकर विषयमे नटसभ गीत गबैत अछि । [नाम] ग्रि० । *alha*—A historical name and one of the two brothers *ālhā ūdala* whose exploits are sung by folk entertainers.

𑒁𑒪𑓂𑒯𑒳𑒂 **अल्हुआ**—मूलविशेष (दी०) । [सं० आलु] । तु० क० हि० शकरकन्द । गुदगुदी (अल्हुआष्टक); पारो ६४ (कतहु अल्हुआ चढ़ैक); अल्हुआ सन विरस भए जाएब = अपरतिब भ बैसब हारल थाकल, निराश भ बैसब; सीता स्वयम्बर २६ । अल्हुआसत्ती = एक प्रकारक गारि । तु० क० सोहल सुथनी सन । *alhuā*—Sweet potato.

𑒁𑒫- **अव-** —उपसर्ग । ई जाहि शब्दक आदिमे जोड़ल जाइछ ओकर भावमे अवज्ञा, सहारा, अवलम्ब आदि प्रदर्शित होइछ । मि० भा० वि० ३० । *ava-* —Prefix in the sense of contempt, indifference or weakness requiring support.

𑒁𑒫¹ **अव¹**—क्रि० । आगब (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वर्ण० ४३ (ये अव से यम, नियम, प्रणायाम . . .) । *ava¹*—*V.* old *Obs.* form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫² **अव²**—क्रि० वि० । अब (दे०) केर विक० ओ० का० रू० । राम० ५४ (अब प्रभु करिय निदेश); चन्द्र० ११३ (हमरा बुते कतय अब सम्हरत) । *ava²*—*Adv.* Alt. or P. F. of *aba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒃𑒋 **अवइए**—अबैतअछि केर वाच्य रू०, अबैएक अशु० रू० । चित्रा १४ (कहिओ जँ नहिराक लोक अवइए) । *ava-ie*—Err. of *abaita achi* (q.v.), *abai-e*.

𑒁𑒫𑒃𑒕 **अवइछ**—अबैछ (दे०) केर विक० रू०, अबइछक अशु० रू० । राम० ६६ (मन अवइछ बजइछ केओ आन); राम० २१ (वानर दल अवइछ अनल) । *avaich*—Err. of *abaicha* (q.v.).

𑒁𑒫𑒃𑒞 **अवइत**—अबैत (दे०) केर विक० एवं अबइत केर अशु० रू० । राम० २० (अवइत अछि राक्षसगण तखन); राम० ३३ (अवइत छथि सखि सङ्ग); नव० ६० (आठ गो-ए बुधनझाक होटलसँ खा अवइत गेलाह) । *ava-ita*—Err. of *aba-ita* alt. of *abaita* (q.v.).

𑒁𑒫𑒃𑒞𑒹𑒿 **अवइतेँ**—अवइत (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वर्ण० (अवइतेँ आह) । *avaitẽ*—Obs. form of *abaita* (q.v.).

𑒁𑒫𑒃𑒢 **अवइन**—अबन्हि (दे०) केर अशु० रू० । का० प्र० । आएब (दे०) केर वर्त० मध्य० पु० आद० रू० । पुरु० १६१ (पण्डित स्वाङ्गन अवइन काज) । *ava-ina*—Err. of *abanhi* (q.v.), *hon.* present tense third person form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒏𑒿𑒯𑒱 **अवकँहि**—आतंकसँ, डरसँ । प्रा० रू० । [?आदंक] । वि० पदा० मजु० ५६७ ग्रि० २६ न० गु० १४७ मि० गी० संग्रहक

अनुसार नन्दीपति कृत (अवकँहि सिन्दुर मेटाए देल ना)। *avakāhi* —Obs. fearing.

অবকাশ अवकाश--फुरसति, खाली समय, पलखति खाली स्थान, जगह। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अवकाश**; पा० ओकास, अबको; गु० अवास; सिं० अवस। चर्या ३७/५; राग० ७४ (कतहु नहि अवकाश); राम० २६६ (रह **अवकाश** न केओ पड़ाय); महेश० ४७ (न प्राप्त अवकाश); मि० ७ (स्वास्थ्य सुधारक हेतु एक मासक अवकाश); मि० ५०६ (ओकरा नित्यकृत्यसँ **अवकाशे** नहि); मोद ६६ (अवकाश नहि तखन सुख ककरा); प्रणम्य० १७० (एको पलक **अवकाश** नहि भेल); द्विरा० ४८ (ताहिसँ **अवकाश** कम रहैत होएत); खट्टर० ३६ (अवकाश भेटैन्हि तखन ने ?)। *avakāśa* —Leisure, space.

অবকাস अवकास—अवकाश (दे०) केर का० ओ वा० रू०। FML 410। वि० पदा० मञ्जु० १६७ (जदि **अवकास** कइए नहि तोहि); राग० ६५ (यदि तोरा नहि खन नहि **अवकास**)। *avakāsa* —Coll. or P. F. form of *avakāśa* (q.v.).

অবকাসহ अवकासह—अवकास (दे०) केर लु० आज्ञा० रू०। गोरक्ष विजय ५ (ख) (आसन के **अवकासह** ठाम)। *avakāsaha*—Obs. Imparative form of *avakāsa* (q.v.).

অবকাসা(সে) अवकासा(से)—अवकास (दे०) केर का० रू०। वि० ने० ६८ (वचनक भेल **अवकासे**) महेश० ५२ (बाहर तन **अवकासा**); ऐ० (उ म बाहर तन **अवकासा**)। *avakāsā(se)* --Obs. P.F. of *avakāsa* (q.v.).

অবকীর্ণ अवकीर्ण—नष्ट करबाक, हत्याक। [सं०]। तु० क० हि० **अवकीर्ण**। प्रणम्य० १०७ (**अवकीर्णक** प्रायश्चित लगतैन्ह)। *avakīrṇa*—Destruction.

অবগএ अवगए—क्रि० वि०। बुझि कए, विचारि कए। का० रू०। [अवगत] राग० ५८ (**अवगए** अनुभवि भल कए जानल)। *avagae*—*Adv*. P.F. On consideration.

অবগত अवगत—वि०। विदित, ज्ञात, बुझल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० अवगत; प्राकृ० अवगमिअ। मि० २८२ (**अवगत** भेलें श्रीमान् विहुँसि पुछल); मोद ६६–३ (अल्प विचारक अनुसार **अवगत** होइछ); मोद उद० १५७–६ (शनैः शनैः **अवगत** होइत गेलैन्ह); रंग० १४० (ओतए **अवगत** भेल जे हिन्दुस्तानक एयर मेल जा चुकल छैक)। *avagata*—*Adj*. Known.

অবগতি अवगति—बुद्धि, ज्ञान, धारणा। [सं०]। तु० क० हि० बं० **अवगति**। पारो १२ (तोरा हसबौकटा **अवगति** नहि छौक); रंग० १७६ (बथूक **अवगति** नहि रहय)। *avagati*—Skill, knowledge.

অবগরলী अवगरली—[?]। मन० २० (धन जन भरलि बहुत **अवगरली**)। *avagarali*--[?]

অবগাহ अवगाह--वि०। अथाह, बहुत गहीँड़, गहीँड़ पानिमे स्नान करब, संकटक स्थान, कठिनता। [सं० अगाध]। तु० क० हि०, बं० **अवगाह**। वि० ने० १६२ (तुअ सखी वचन अमिअ **अवगाह**); गो० शृं० १ अमर० ६ (जे गिरि गोचर विपिनहि संचरु कृशि कटि कर **अवगाह**); गो० शृं० १ अमर० २६ (विफल मानिनि मानव ताह, जनिकर दरश परश **अवगाह**)। *avagāha*--*Adj*. Very deep, difficult, difficult place, to plunge into deep water.

অবগাহএ अवगाहए—क्रि०। का० रू०। अवगाहन (दे०) केर आद० इच्छा० रू०। वि० ने० २२० (मन **अवगाहए** मनमथ रोख); राम० ८ (मन **अवगाहए** मनमथ रोस)। *avagāhae*—*V*. P. F. Hon. optative of *avagāhana* (q.v.).

অবগাহক अवगाहक--वि०। अवगाहन कएनिहार, विचार कएनिहार। [सं०]। तु० क० बं० **अवगाहक**। गो० शृं० १ अमर० ११ (पीरीति रीति कोन **अवगाहक** सहजहि बंकिम सोइ)। *avagāhaka*—*Adj*. Who bathes or thinks.

অবগাহন अवगाहन—पानिमे पैसि स्नान वा निमज्जन करब, बैसब, खोज, विचार करब मोन लगाएब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **अवगाहन**। वर्ण० ४० (**अवगाहन** प्रभृत्ति अनेक जलक्रीड़ा); द्विरा० ३ (पुरुष ओहिमे **अवगाहन** कए)। *avagāhana* --Immersion, bathing.

অবগাহব अवगाहब—क्रि०। पानिमे पैसि स्नान करब, निमज्जित होएब, लीन भए विचार करब, पैसब डूबब। ग्रि०। [सं०]। तु० क० हि० **अवगाहना**। रावण वध १५। *avagāhaba*—*V*. The act of plunging into.

অবগাহল अवगाहल—अवगाह (दे०) केर भू० प्र० पु० आद० रू०। मेघ० ८२। *avagāhala*—Hon. Past tense third person of *avagāhaba* (q.v.).

অবগাহি(হী) अवगाहि(ही)—अवगाह (दे०) केर पू० क्रि०क रू० अथवा का० रू० ग्रि०। पदा० मञ्जु० ८६ प० त० १५०१ न० गु० ६११ अ० ६१७ (रास-रसिक सह रस **अवगाहि**); गो० शृं० १ अमर० १ (माधव बुझल हम तुअ **अवगाहि**); कृष्ण० मन० ५३ (तएँ नहि प्रभु मोहि श्रनु **अवगाही**); राम० ४८ (बुझल सबे **अवगाही**) वि०। *avagāhi(hī)*—Part. or P.F. of *avagāhana* (q.v.).

অবগাহিত अवगाहित—वि०। पानिमे पैसि स्नान, निमज्जन, प्रवेश, छानबीन कए पैसब, लीन भड कए विचार करब, डुबल मग्न भेल। [सं०]। तु० क० हि०, बं० **अवगाहित**। नचत्र १। *avagāhita*—*Adj*. Immersion, bathing.

অবগাহে अवगाहे—अवगाह (दे०) केर का० रू०। 42 FML। वि० ने० १२६ (माधव काहु जनु दिन **अवगाहे**)। *avagāhe*—P.F. of *avagāha* (q.v.).

অবগুংঠিত अवगुंठित—वि०। झाँपल, नुकाएल, घोघटाक

आवरणसँ युक्त । [सं०] । तु० क० हि० अवगुंठित । मधु० ३३; आशाक विन्दु ७ । *avagunṭhita*—*Adj*. Pounded, grounded, veiled.

𑒁𑒫𑒑𑒳𑒝 **अवगुण**—त्रि० । दोष, दुर्गुण । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, प्राकृ०, पा०, राज० **अवगुण** । वि० ने० ४८ (गुण अवगुण, समए कए मानए); चन्द्र० ३५ (सुनु तनि अवगुण देवी); कन्या० ६३ (तखन अवगुणमे से अवगुण थैह जे कनेक मोटिया पहिरै छथि) । *avaguṇa*—*Adj*. Fault, deficient in good qualities.

𑒁𑒫𑒑𑒳𑒢 **अवगुन**—अवगुण (दे०) केर का० वा० रू० । वि० पदा० १२६ ग्रिअर्सन ७५ न० गु० ६६३, ६८८ (कहओ पिशुन सत अवगुन सजनी); मन० कृष्ण ८१ (आओर रहल से अवगुन भेल); चन्द्र० १०० (अवगुन कतहु सुनु); महेश० ६२ (अवगुन अछ की थोड़); मोद उद० ५८–१ (अवगुन सकल कहल आन ठाम) । *avaguna*—P.F. coll. of *avaguṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒑𑓂𑒩𑒯 **अवग्रह**—अड़चन, बाधा, संकट, सन्धिमे अर्ध अकारक चिन्ह, स्वभाव, प्रकृति, शाप । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अवग्रह** । प्रणम्य० २५ (आव जमाए अवग्रहमे पड़ि गेलाह); द्विरा० ११६ (लालकाकीक प्राण अवग्रहमे पड़ल रहलैन्ह); पारो ३६ (अवग्रह बुझि पड़हु तऽ माहुर खोआ दिहक); रंग० ३६ (महा अवग्रहमे पड़ि गेलाह) । *avagraha*—Difficulties.

𑒁𑒫𑒑𑓂𑒪𑒳𑒔 **अवग्लुच**—लु० रू० । बकुची । [सं० अवग्लुज sarvananda M P 96; 11.4.95] । FML 153 । *avagluca*—*Obs*. A herb.

𑒁𑒫𑒔𑒹𑒞𑒢 **अवचेतन**—मनक ओ अवस्था जाहिमे ओहि क्रियाक प्रत्यक्ष बोध नहि होइक, अन्तःसंज्ञा । [सं०] । मै० कुसुम० ४३ । *avacetana*—Sub-consciousness.

𑒁𑒫𑒔𑓂𑒕𑒱𑒢𑓂𑒢 **अवच्छिन्न**—वि० । पृथक, फराक कएल गेल । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अवच्छिन्न । *avacchinna*—*Adj*. Separated, detached.

𑒁𑒫𑒔𑓂𑒕𑒹𑒠[1] **अवच्छेद**[1]—भेद, सीमा, अवधारण, छानबीन, परिच्छेद, विभाग, नव्य व्याकरण ओ न्यायशास्त्रमे प्रत्युक्त शब्दविशेष । [सं०] । तु० क० हि० अवच्छेद । *avaccheda*[1]—Part, portion, distinction, limits.

𑒁𑒫𑒔𑓂𑒕𑒹𑒠[2] **अवच्छेद**[2]—लु० प्र० । नृत्यक गुणमेसँ एकक नाम । [सं०] । वर्ण० ४८ (याति, ओता, अवच्छेद, धुनक) । *avacched*[2]—*Obs*. Name of a quality of dance.

𑒁𑒫𑒔𑓂𑒕𑒹𑒠𑒏𑒞𑒰 **अवच्छेदकता**—दर्शन सूत्रक अनुसार फराक वा विभाजित करबाक प्रभेद २. विभाजकधर्म । [सं०] । वि० ५३१ (एहिमे अवच्छेदकता रूप विषय तीनोमे बुझैक थिक) । *avacchedakatā*—A kindof distinguishing in a philosophy.

𑒁𑒫𑒖𑒹𑒬 **अवजेश**—अवजाक ईश, मालिक, भगवान । [सं०] । राम० लालदास १२१ *avajeśa*—Lord of *Avajā*.

𑒁𑒫𑒘𑓂𑒔 **अवञ्च**—त्रि० । कतहु बाँचल नहि, कतहु वञ्चित नहि सर्वत्र पसरल । [अ+बाँचब] । व्यवहार विज्ञान १२६ । *avañca*—*Adj*. All-pervasive

𑒁𑒫𑒙 **अवट**—वि० । खराब रास्ता, कुमार्ग, खाधि । [सं०] । तु० क० हि० अवट । अमर० ५१ (गर्त, अवट) । *avaṭa*—*Adj*. Bad path, ditch.

𑒁𑒫𑒜𑒓𑓂𑒑 **अवढङ्ग**—त्रि० । कोनो कार्य करबाक ढंग नहि । [अप> अव+ढङ्ग] । मिथिला मित्र ११० (कुवक सेवहि छथि व्याकुल पण्डित सब अवढङ्ग); मोद १७४–२५ (महा अवढङ्ग सब अछि); लोकलक्षण ७; चित्रा ७४ (के न कहत अवढङ्ग) । *avaḍhaṅga*—*Adj*. Negligent

𑒁𑒫𑒝𑒰 **अवणा**—क्रि० । लु० रू० । आएब । [सं० अवनम्] । FML 414 (जेंणा तुट्टा अवणा गवणा) । *avaṇā*—*V. Obs*. Coming.

𑒁𑒫𑒝𑒰𑒑𑒧𑒢𑒹 **अवणागमने**—क्रि० वि० । का० रू० । आवागमन, गमनागमन। [सं० अवनम्+आगनम्] । चर्या० ७/८, २१/२, ३६/४, ४६/२ । *avaṇāgamane*—*Adv*. P.F. Coming and going.

𑒁𑒫𑒩𑓂𑒝 **अवर्ण**—वि० । जकरा वर्ण वा कुल नहि छैक, नीच । [अ+वर्ण] । मि० १३० (वर अवर्ण नहि कुलक ठेकान) । *avarṇa*—*Adj*. One who is without caste or *kula* (q.v.), mean.

𑒁𑒫𑒞 **अवत**—आओत (दे०) केर वा० रू० । ग्रि० । *avata*—Coll. of *āota* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑓀𑒬 **अवतंश**—अवतंस (दे०) केर वा० रू० । पारिजातहरण १ (जाकेरि चरित्र भकत अवतंश); महेश० ४६ (कौन वंश अवतंश थिकथि) । *avataṃśa*—Coll. of *avatamasa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑓀𑒮 **अवतंस**—गहना, भूषण, अलंकार, शिरोभूषण, मुकुट, श्रेष्ठ, सर्वोत्तम, माला, हार, कानक वाली, कर्णफूल । ग्रि० । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, मग०, भोज० **अवतंस** । वि० पदा० मजु० ५७ (करए चाहल अवतंस); गो० शृं० १ अमर० २ (काजर लोचन भमरी, श्रुति अवतंस किसलय चमरी); अम्बचरित १५७ । *avataṃsa*—An earring, an ornamennt, the best head.

𑒁𑒫𑒞𑒩 **अवतर**—अवतरण (दे०) केर का० रू० । ग्रि० । भीष राग० ४२ (मनहु न अवतर नयन उपाम); श्रीकृष्णजन्मरहस्य २४ (कए हरख मन गन्धर्वगन अवतर ओ यदुवर जाए ओ); गिरीन्द्र मोहन ८ । *avatara*—P.F. of *avataraṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒩𑒋 **अवतरए**—अवतरण (दे०) केर इच्छा० रू० । मन० कृष्ण० ३४ (लगइछ जेहन देव अवतरए) । *avatarae*—Opta. of *avataraṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒩𑒝𑒰 **अवतरणा**—क्रि० । उतरब, नीचाँ आएब, प्रादुर्भाव, जन्म, अवतार, कथन वा लेखक यथावत् लिखित वा यथावत् उद्धृत अंश,

उद्धरण, पार होएब । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अवतरण । मिहिर २-६१-५३(४); प्रतिपदा एक अध्ययन ८० । *avataraṇa--V.* Come down, to be born, to come in current, to take visible for in.

𑒁𑒫𑒞𑒩𑒞𑒰(𑒯) **अवतरता(ह्)**—अवतरण (दे०) केर भवि० इच्छा० आद० मध्य० पुरु० का० रू० । राम० ६३ (अपनहि **अवतरता** विसुराम) । *avataratā-(h)*-Hon. P. F. Future tense second person opta. form of *avataraṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒩𑒥 **अवतरब**—क्रि० । अवतरण (दे०) केर भवि० आद० उत्तम० पुरु० रू० । मन० कृष्ण० ३ (हम **अवतरब** भार सब हरब) । *avataraba--V.* Hon. opta. future tense first person of *avataraṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒩𑒪(𑒪𑒰)(𑒪𑒲) **अवतरल(ला)(ली)**—अवतरण (दे०) केर भू० आद० अन्य पु० रू० । मन० ३१ (एक अवतार तखन **अवतरल**); मन० कृष्ण० ४१ (खम्भ फारि जनि हरि **अवतरल**); राम० १७४ (**अवतरला** महि लक्ष्मीकान्त); मै० हि० सा० ३ (२-३) २ (लक्ष्मी जतए आवि **अवतरलीं**) । *avatarala(lā)(lī)*—Hon. past tense third person of *avataraṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒩𑒱 **अवतरि**—अवतरण (दे०) केर पूर्वक्रि० रू० । मै० हि० सा० २. प्र० ३-४-२ (लक्ष्मी जाय कहाओल सीता महिसँ **अवतरि** कन्या); मोद १७१-१ (निज जन हित **अवतरि** करइत छी) । *avatari*—Part. of *avataraṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒩𑒳 **अवतरु**—अवतरण (दे०) केर इच्छा० का० रू० । चर्य्या १ (काता **अवतरु** पञ्च विडाल); वि० पदा० मजु० १२, राग १०८, न० गु० (३२)४, अ० ६१३ (चारि वेदे **अवतरु** ब्रह्मवादिनी); ऐ० ६ तालपत्र, न० गु० ३४३ अ० ३४०(पुहविहि **अवतरु** पँचवाने); वि० वि० २ (अवतरु दिनमणि रूपे); मि० भा० वि० २८० । *auatarv*—Opta. and P. F. of *avataraṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩 **अवतार**—कोनो देवताक लौकिक शरीर धारण करब, जन्म, शरीर ग्रहण करब, उतरब, नीचाँ आएब, शृष्टि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, भोज०, मग०, राज० **अवतार**; प्राकृ० ओयार, ओआर; पा० **ओतार**; कु० **ओवारो**, उबो, **अवो**; म० **ओवी वरो** । कीर्तिलता २० (दोसरी अमरावतीक **अवतार** मा); ऐ० ५ (मानिनि जीवन मान सओं वीर पुरुष **अवतार**); वि० पदा० मजु० ३७५ (ऋतु **अवतार** वयस मोर भेल); मन० कृष्ण० ३ (इन्द्र अंश अर्जुन **अवतार**); श्रीकृष्णकेलिमाला ७ (हरपति हरि **अवतार**, तसु गुरु ठाकुर गुण वृद्ध); श्रीकृष्णजन्म रहस्य २५ (**अवतार** लए हरि दारिद दुख शोक संताप ओ); राम० २१ (यज्ञ विघ्नकारक **अवतार**); मिहिर० उद० १५८-७ (**अवतारक** अवसरहुँकेँ अवसर छैक); कन्या० ६५ (असले सत्ययुगी **अवतार**); चित्रा ३३(राजा थिका नारायणक **अवतार**); पारो ३ (पीसीक घरमे **अवतार** गेलैक); नव० १०५ (संकटमोचन वजरंगवली हनुमानजीक **अवतार**) । *avatāra*—Incarnation.

𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩𑒝 **अवतारण**—क्रि० । उतारब, नीचाँ आनब । [सं०]। तु० क० हि०, बं० **अवतारण** । प्रेम १ । *avatāraṇa—V.* To carry down, to discand.

𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩𑒥 **अवतारब**--अवतारण (दे०) केर भवि० आद० उ० पुरु० रू० । पारिजात हरण ३ । *avatāraba*--Hon. Future tense first person form of *avatāraṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩𑒰 **अवतारा**--अवतार (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ७१, प० त० २१६, न० गु० २५०, अ० २४६ (राजा शिवसिंह रूप नरायण एकादश **अवतारा**) । *avatārā*—P. F. of *avatāra* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩𑒱 **अवतारि**--अवतार (दे०) केर स्त्री० का० रू० । राम० ४० (छविमयी रती विजयि **अवतारि**); राम० १७१ (देखितहि कहल दिव्य **अवतारि**) । *avatāri—Fem.* P.F. of *avatāra* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩𑒱𑒞 **अवतारित**--वि० । अवतार लएके आएब वा प्रस्तुत होएब, जे अवतार धारण कएने हो, कोनो दोसर स्थानसँ लेल गेल । [सं० अवतीर्ण] । राम० लालदास २८४ । *avatārita—Adj.* Incarnated.

𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩𑒲 **अवतारी**--वि० । अवतार लेनिहार, उतरनिहार, उद्भूत । [सं० अवतारिन] । तु० क० हि०, बं०, ने० **अवतारी** । श्रीकृष्णकेलिमाला १० (जत जत गरभ अएलाह **अवतारी**); प्रणम्य० १६७ (शक्तिरूपा **अवतारी** ओ) । *avatārī—Adj.* Who ncarnates.

𑒁𑒫𑒞𑒰𑒩𑒹 **अवतारे**—अवतार (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० १३३, तालपत्र न० गु० ७३६ अ० ७३२ (एकादश **अवतारे**) । *avatāre*--P.F. of *avatāra* (q.v.).

𑒁𑒫𑒞𑒰𑒏𑓂𑒭 **अवताक्ष**—राजाक शिकार करबाक विभिन्न साजबाजक एक प्रभेद । [सं०] । वर्ण० २५ (शंखायन, पर्थबीय, मिलज, केकथ **अवताक्ष**) । *avatākṣa*—Equirpment for a hunting expedition.

𑒁𑒫𑒞𑒲𑒩𑓂𑒝 **अवतीर्ण**—वि० । नीचाँ आएल, पार कएल, उतरल वा उतारल, जे अवतार लए नेने होअए, उद्भूत । [सं०] । तु० क० क० हि०, बं०, अव०, ने० **अवतीर्ण** । मोद १७१ (युद्धमे **अवतीर्ण** भेलाह); खट्टर० १३८ (चित्रपटक तारिका सभ **अवतीर्ण** भेल छथि); प्रणम्य० १६२ (पृथ्वीमे **अवतीर्ण** भेल अछि); द्विरा० ३ (सामाजिक कार्य क्षेत्रमे **अवतीर्ण** होएतीह) । *avatīrṇa—Adj.* Alighted discended.

𑒁𑒫𑒟𑒱𑒢, 𑒁𑒫𑒟𑒱𑒢𑓂𑒯, 𑒁𑒫𑒟𑒲𑒢 **अवथिन, अवथिन्ह, अबथीन**—क्रि० । आयब (दे०) केर आद भू० अन्य पु० रू० । नव० ७० (नचारी आ महेशवानी सुना **अवथिन**); रंग० १२७ (दरोगाजी **अवथिन्ह** तखन ओ मनुष्य दशामे आवथि); पारो ४३ (दुइयो मास पर जँ नहि **अवथीन**) । *avathina, avathinha, avathī-*

na—*V.* Hon. post tense third person of *āeba* (q.v.).

ঋবথুন্হ अवथुन्ह्—आएब (दे०) केर आद० प्रेरणा० अन्य० पुरु० रू० । अवथुन केर विक० रू० । चित्रा ४० (सङ्ग सङ्ग बुच्चो अवथुन्ह) । *avathunha*—Hon. opta. third person form of *āeba* (q.v.).

ঋবদাত(তে) अवदात(ते)—वि० । वेदाग, निष्कलंक, उज्वल, स्वेत, गोर, साफ, शुद्ध, स्वच्छ, निर्मल, प्राचीन नितान्त पवित्र १२ घर सोति अवदात कहबैत छथि । [सं०] । तु० क० हि० अवदात । राम० १७ (वनमाली स्मित मुख अवदात); महेश० ६६ (तनिकर करम अवदाते); मोद १०५–११ (जनिका घरमे अवदात योग्यक आराधना छल ओ जँ महादेव धरि मानलन्हि तँ बहुत) । *avadāta(te)*—*Adj.* White, pure, spotless.

ঋবদান(না) अवदान(ना)—शुद्ध आचरण, नीक कार्य, खण्डन, तोड़ब, शक्ति, बल, अतिक्रम, उल्लंघन, पवित्र करब, साफ करब। [सं०]। तु० क० हि० अवदान । मि० ४ (नाम गाम ओ समय अवदानक लिखल); मि० ५१६ (जकर प्रमाण पूर्व राजा शक्र सिंहक अवदानमे लिखि आएल छो); रावण बध ६६; गद्य चन्द्रिका १०१; वीरेन्द्र नाटक १० । *avadāna(nā)*—Good behaviour, a great or glorious act, achievement.

ঋবধ अवध—प्राचीन कोशल देश, रामचन्द्रक राज्य तथा जानकीक सासुर, अयोध्या, उत्तर प्रदेशक एक खण्ड । [सं० अयोध्या] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, भोज०, मग० अवध । खद्र० ५१ (विदेह कन्या अवध गेलीह) । *avadha*—The birth place of Rāma or marriage place of Jānakī, a part of Uttar Pradesh.

ঋবধা अवधा—मल्लयुद्धक एक दाओविशेष, प्रायः औन्हा । [? औन्हव] । वर्ण० ४५ (अतके मन्ते याके भरे विदान राषि मेलि न डाइ उभरितह अवधा भउअह) । *avadhā*—A trick in wrestling.

ঋবধাখ अवधाख—क्रि० । निश्चय करब वा निश्चित होएब । [? धाख] । ग्रि० । *avadhākha*—*V.* The act of determining.

ঋবধান अवधान—ध्यान, मनोयोग, मनकेँ लगाएब, समाधि, मनक प्रवृत्तिकेँ एक दिस करब, सावधानी । [सं०] । तु० क० हि० बं०, अस०, ने०, राज० अवधान; पा० ओधानिअ । वर्ण० ४६ (राजा अवधान कराउ); वि०ने० ५२ (ए सखि वचन करहि अवधान); वि० पदा० मजु० १६, ग्रि० २४, न० गु० २७ अ० ७१ (नागर करथु अपन अवधान); गो० शृं० १ अमर० १ (एखनि सुन्दरि ! करु अवधान); मोद उद्० १५७–६ (जनिकर मन अवधान); राम० लालदास १३ । *avadhāna*—Attention.

ঋবধানল अवधानल—अवधान (दे०) केर आद० भू० उत्तम पु० रू० । गो० शृं० २ अमर० १ (गोविन्ददास हृदय अवधानल हरिनारायण देखा) । *avdhānala*—Hon. past tense first person of *avadhūna* (q.v.).

ঋবধানিঞ अवधानञ—अवधान (दे०) केर वर्त० मध्य० पु० का० रू० । वि० ने० १८० (जाञो अवधानिञ पर जनु जान) । *avadhāniña*—Present tense second person form of *avadhāna* (q.v.).

ঋবধানে(নৈ) अवधाने(नै)—अवधान (दे०) केर का० वा निश्च० रू० । वि० ने० १२० (सुन्दरि मोरे बोलब करब अवधाने); वि० पदा० मजु० १५ (चिते बुझि कर अवधाने); वि० पदा० मजु० ७५, रामभद्रपुर पोथी पद ४४(ख) (अबहु करिअ अवधाने); मि० २५० (अपना समयमे सेनाक सन्नदि अवधाने हटाय); मैं० हि० सा० १५ (आब अवधाने कहाँ छैन्हि); पुरु० १६४ (अवधानै बुद्धिहि प्रतिपाल) । *avadhāne(nai)*—P. F. or emph. of *avadhāna* (q.v.).

ঋবধার अवधार—अवधारण (दे०) केर संक्षिप्त ओ का० रू० । वि० पदा० मजु० २७६ (साजनि अपने मने अवधार) *avadhāra*—Short and P. F. of *avadhāraṇa* (q.v.).

ঋবধারইতে अवधारइते—क्रि० । निर्णय कएला पर, विचार पूर्वक निर्णय कएकेँ । तु०रू० । [अवधार + इते] । वर्ण० २६ (अवधारइते आइ) । *avadhāra-ite*—*V. Obs.* Determining.

ঋবধারণ अवधारण—विचारपूर्वक निर्धारण, निर्णय, निश्चय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० अवधारण । अमर० ३३६; मालविकाग्निमित्र ३० । *avadhāraṇa*—Determination.

ঋবধারয় अवधारय—क्रि० । अवधारण (दे०) केर वर्त० रू० । निश्चय करब, विचार करब । [अवधार + अए] । चन्द्र० ३०० (अवधारय माधव कृष्ण हरे) । ग्रि० । *avadhāraya*—*V.* Determining; present tense form of *avadhāraṇa* (q.v.).

ঋবধারল अवधारल—अवधारण (दे०) केर भू० आद० उ० पुरु० रू० । वि० ने० १४६ (आबे निम्न मने अवधारल पहु कपटक गेह); गो० शृं० १ अमर० ३ (विष औषध पुनि विष अवधारल गोविन्द दास प्रशंसा) । *avadhārala*—Hon. past tense first person of *avadhāraṇa* (q.v.).

ঋবধারলি अवधारलि—अवधारल (दे०) केर स्त्री० रू० वि० पदा० मजु० १६, ग्रि० २४, न० गु० २७, अ० ७१ (हमर अवधारलि सुन सुन कान्ह) । *avadhārali*—Fem. form fi *avadhārala* (q.v.).

𑒁𑒫𑒡𑒰𑒩𑒱 **अवधारि**—क्रि० । विचारि, निश्चय कएकेँ, मनमे सोचि; अवधारण (दे०) केर पू० क्रि०क रू० । [अवधार + इ FML 29] । वि० ने० ०४ (पियतम अभिमत मने अवधारि); वि० पदा० मजु० १३७, नेपाल १३१ पृ० ६८ पं० तालपत्र न० गु० ७६६ अ० ७६० (ए हरि तोरित करिय अवधारि); वि० वि० ६ (कहब सखि मिलि बुध अवधारि); श्रीकृष्णकेलिमाला १२ (मन अवधारि अपन भल जानि); प्रणम्य० २४ (जान अवधारि कएपुहलथिन्ह); मालविकाग्निमित्र ३६; रंग० १०१ (तखने सब किछु अवधारि लैत छी) । *avadhāri*—*V*. Concluding, determining, part. form of *avadhāraṇa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒡𑒰𑒩𑒱𑒁 **अवधारिअ**—अवधारि (दे०) केर वर्त० अन्य पु० का०रू० । ग०प० ३६(मन अवधारिअ हे) । *avadhāria*—P.F. third person present tense of *avadhāri* (q.v.).

𑒁𑒫𑒡𑒰𑒩𑒲 **अवधारी**—अवधारि (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० १७३, ग्रि० १७ (बुझत अवधारी); वि० वि० ५ (मोन अवधारी) । *avadhārī*—P. F. of *avahhāri* (q.v.).

𑒁𑒫𑒡𑒱 **अवधि**—समय, निर्धारित समय, सीमा, अन्त समय; अन्त काल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, भोज०, मग० अवधि । वि० ने० २६ (अवधि बहत हे रहत नहि जौवन); वि० पदा० मजु० २०, प० त० १०५३, न० गु० २०, अ० ६८ (अवधि रहल दउ वानें); गो० शृं० १ अमर० २६ (तोहरि अवधि धरि निशि झुरि झुरि कान भेल बहुत निदान); राम० ११२ (कहथि अवधि दिन आएब गाम) । *avadhi*—Time, age, limit.

𑒁𑒫𑒡𑒲 **अवधी**—अवधसँ सम्बन्धित, अवधक भाषा । [सं०अवध] । तु० क० हि० अवधी । *avadhī*—*Adj*. Relating to Awadha, the language of Awadha.

𑒁𑒫𑒡𑒴𑒞 **अवधूत**—सन्यासी, साधु, योगी, विक्षिप्त, विकीर्ण, निराकृत, निवर्तित, आहत, अवज्ञात । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अवधूत । वि० वि० ८ (अवधूत पैसार); मोद् १४५-४ (मूँह लगैछ जेहन अवधूत); राम० ६१ (विगत विराग अभिअ अवधूत); सनेस १६ । *avadhūta*—Saint, sage.

𑒁𑒫𑒡𑒴𑒞𑒫𑒰 **अवधूतवा**—अवधूत (दे०) केर अना० सूचक रू० । व्यवहार विज्ञान ५२४ । *avadhūtavā*—Nonh. of *avadhūta* (q.v.).

𑒁𑒫𑒡𑒴𑒞𑒲 **अवधूती**—अवधूत (दे०) केर का० स्त्री० रू० । चर्या० १७/१; उपदेशाक्षमाला ७ । *avadhūtī*—*Fem*. P.F. of *avadhūta* (q.v.).

𑒁𑒫𑒡𑒴𑒞𑒻 **अवधूतै**—अवधूतहि केर का० रू० । चन्द्र० ३४० (नहि किछु हो अवधूतै) । *avadhūtai*—P. F. of *avadhūtahi*.

𑒁𑒫𑒡𑓂𑒨 **अवध्य**—वि० । बध करबा योग्य नहि, मारबा जोगर नहि; बन्धनमे रखबाक जोकर नहि । [सं०] । तु० क० बं० अवध्य । राम० २४४ (की करब दूत अवध्य थिक); पुरु० १८ (दूत तौं अवध्य थिकाह); पुरु० ३८ (नहि अवध्य ब्राह्मण जतय) । *avadhya*—*Adj*. Not to be killed.

𑒁𑒫𑒢-𑒑𑒫𑒢 **अवन-गवन**—हि०, वा० रू० । घूर-बहोर, आएब-जाएब । [(हि०) आवागमन] । BFL 1295 । *avana-gavana*—(Hindi word) Arrival-departure.

𑒁𑒫𑒢𑒞 **अवनत**—वि० । नीचाँ झुकल, खसल, पतित । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अवनत, प्राकृ० अवणय । वि० ने० ११६ (अवनत मुखकर पर जनु देख); वि० ने० १६४ (हिमकर हेरि अवनत कर आनन); वि० पदा० मजु० ३१, न० गु० तालपत्र ६४, अ० ११ (अवनत आनन कए हम रहलिहु); ऐ० १२८, ने० १०५ (मुख बसि अवनत भेला रे); गो० शृं० १ अमर० ७५ (अवनत माथ करहि अवलम्बन वदन नहि विकसय वानी); महेश० ६३ (विकल चन्द्र गोचर कर अवनत); मि० ३०६ (तथास्तु कहि अवनत शिर भै); मि० ३६० (ताहि पर ई संकुचित ओ अवनत भेल कहल); एकावलीपरिणय ४८; उ० ना० ३३ (लाज वदन मोर अवनत भेला); मधुमती २१; शतदल ७७ । *avanata*—*Adj*. Bowed, downfall.

𑒁𑒫𑒢𑒞𑒰𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰 **अवनतावस्था**—अवनतिक अवस्था वा हालति । [अवनत + अवस्था] । मिथिला (प्रथम भाग) २२२ । *avanatāvasthā*—Condition of decline, decadence.

𑒁𑒫𑒢𑒞𑒱(𑒌) **अवनति(ओ)**—ह्रास, अनुन्नति, हीन दशा, कमी, न्यूनता, घटती, नम्रता । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अवनति । महेश० १४ (अविहित करमसौँ अवनति); महेश० ६१ (से सभ अति अवनति); मि० २४८ (वचनूभाक अवनति देखि); मोद ६८-११ (ताहि प्रकारेँ अवनतिओ होइछ); रंग १०७ (यौवनक जे अवनति भेलैन्ह) । *avanati(o)*—Deterioration.

𑒁𑒫𑒢𑒟 **अवनथ**—अवनत (दे०) केर का० रू० । गो० शृं० १ अमर० ३७ (से नहि पहिरल दूरहि शरल मानिनि अवनथ माथ) । *avanatha*—Poetic form of *avanata* (q.v.).

𑒁𑒫𑒢𑒱 **अवनि**—पृथ्वी, धरती । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, भोज०, मग०, राज०, पा० अवनि; प्राकृ० अवणि । मा० का० २१५ (भए रणजित नृप अवनिक चन्द); मा० का० २२२ (देखब सकल कय अवनि भ्रममे); गो० शृं० १ अमर० २३ (मानिनि मान अवनि पर लेखइ नयन न हेरइ श्यामा); राम० ३८ (चिन्ता परिहरु अवनि कुमार); राम० २२५ (हरणहेतु अवनिक सभ भार); चित्रा ६१ (भए रहल अछि अवनि पुलकित) । *avani*—The earth.

अवनिजा—वि०। धरतीसँ उत्पन्न मेनिहारि, जानकी। [अवनि + जा]। राम० ३३ (सेह थिकथि जनु देवि अवनिजा)। *avanijā—Adj.* Born from earth, Jānakī.

अवनिहार—वि०। धरतीकेँ हरणकएनिहार। [अवनि + हरब]। मिथिला १–२२० (दार सहित जयकार करथि सुरभार अवनिहार)। *avanihāra—Adj.* One who has conquered the earth.

अवनी—पृथ्वी, धरती। [सं०]। तु० क० बं०, अस०, ने०, अव० अवनी। राम० (बालकाण्ड) ८ (कत बेरि हरलनि अवनी भार); राम० ६७ (करु करु स्वामिनि अवनी शयन); कोवरगीत ८। *avanī*—The earth.

अवनीज—वि०। अवनीसँ जनमल, धरतीसँ उत्पन्न। [अवनी + सं०जा]। वनकुसुम ७३। *avanīja—Adj.* Born from earth.

अवनीतल—धरतीक तह। [सं०]। ज्वाला० ३७। *avanītala*—Surface of the earth.

अवनीप—राजा, सम्राट्। [सं०]। पुरु० १८० (श्री देवसिंह अवनीपक पुत्र होथि)। *avanīpa*—King.

अवनीश—राजा, मालिक, स्वामी। [सं०]। मि० उ० १५८–२१ (औरो जे अवनीश); एकावलीपरिणय ६। *avanīśa*—Lord, king.

अवन्ति(का)—एकटा देशक नाम। [सं०]। तु० क० बं०, अस०, ने० अवन्ति, अवन्तिका। *avanti(kā)*—Name of a country.

अवन्धु—वि०। जे मित्र नहि हो। [सं०]। भज० तर० १। *avandhu—Adj.* Who is not friend.

अवपान—पानि पीबाक क्रिया। [सं०]। गीतपञ्चाशिका १२। *avapāna*—The act of drinking a water.

अवपीड़ित—वि०। जे सताओल वा दबाओल अछि, जे फेकल अछि। [सं०]। व्यवहार विज्ञान ३४० (अवपीड़ितक चुम्बन)। *avapīḍita—Adj.* Pressed down, thrown down.

अवभास—दीप्त, प्रभा, प्रकाश, आविर्भाव, ज्ञान, बोध, मिथ्याज्ञान, भ्रम। [अव + भास]। तु० क० बं० अवभास। मिहिर २८–२–१० (स्वप्नमे अवभास कतिधा होइछ)। *avabhāsa*—Knowledge.

अवभासय—क्रि०। अवभास (दे०) केर अन्य पु० वर्त० का० रू०। सुन्दरसंयोग ३। *avabhāsaya—V.* P. F. Third person present tense of *avabhāsa* (q.v.).

अवभृथ—प्रधान यज्ञ समापक, प्रायश्चित्तादि यज्ञ, यज्ञक अवसान वा समाप्ति। [सं०]। तु० क० बं० अवभृथ। अमर० १६२ (अवभृथ); रघु० १४४; गजग्राहउद्धार १। *avabhṛtha*—The chief superintendent of a sacrifice.

अवमान—निरादर, तिरस्कार, अपमान। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० अवमान। राम० ३५० (नहि तालक न अवमान)। *avamāna*—Disrespect.

अवमानना—अवहेलना। अवमान (दे०) केर विक० रू०। मिथिला १–३०७ (महामायाक अवमानना कय वैह लोकनि अधर्मक भागी वनि रहलाह अछि); मिहिर ३५–१४–३ (संस्कृतसँ अत्यधिक निकट अछि ओकर अवमानना)। *avamānanā—Alt.* of *avamāna* (q.v.).

अवयथि—अविहथि केर अशु० रू०। शकुन्तला नाटक ३४। *avayathi—Err.* of *abihathi* (q.v.).

अवयव—अंश, भाग, हिस्सा, शरीरक अंग, तर्कपूर्ण वाक्यक एक अंश वा हिस्सा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, प्राकृ० अवयव। वि० ने० ३२ (अवयव सवहि नयन पए भास); वि० पदा० मजु० १७३, नेपाल ४ पृ० २, न० गु० १३, अ० ५८ (जेहे अवयव पुरुब समय); राम० ३०६ (सकल अवयव सहित चैतन्यक); मै० हि० सा० (३–४) ३४ (यद्यपि अवयवसँ भिन्न समुदाय नहि थीक); प्रणम्य० ११५ (समस्त अवयवमे लेप करैत ई मंत्र पढ़ए लगलाह); *avayava*—Part, portion, limbs of the body.

अवयवी—वि०। शरीर, जकरा बहुत अवयव हो, सबटा अवयवसँ पूर्ण। [सं० अवयविन्]। तु० क० हि०, बं० अवयवी वेकफिल्डक पादरी ३५। *avayavī—Adj.* Whole, having many limbs.

अवयवे—अवयव (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १०२ (अइने अवयवे ई वेवहार)। *avayave*—P.F. of *avayava* (q.v.).

अवयास—यमक शक्तिविशेषक नाम। [सं०]। (कनक किरिट रतन अवयास)। *avayāsa*—Name of an evil spirit in *Yamarāja's* world.

अवयित(ति)—अबइत (दे०) केर लु०का० रू० राम० १४६ (अवयित छथि दूओ वीर स्वतंत्र); राम० १६८ (बहुत। शीघ्र अवयित अछि घूरि); पुरु० १२६ (योगिनी मठसँ अवयिति काँ देखयिति भेला); पुरु० २०७ (अवयित पर्वतेश्वरक विजयाभिमानी)। *avayita(ti)—Obs.* P. F. of *aba-ita* (q.v.).

अवर—वि०। लु० रू०। अन्य, दोसर, आओर। [सं० अपर]। तु० क० हि०, बं०,अस०, ने०, अव० अवर; अवरु (दे०)।

चर्या ३४/५; वर्ण० १ (अवर कइसन देखु)); कीर्तिलता ६१ (जइता बप्पबइ सम्भु अवर हरि बम्भ सहित भइ); गोरक्ष विजय १२ (क) (ताहि परे अवर की साच); वि० पदा० मजु० ५०७ (अक्षत चानन अवर गंगाजल); पुरु० ६२ (पृथुराजक सकल जन अवर सभा मै सभलोक काँ कहल)। *avara—Adj. Obs.* Another, next, and.

अवरख अवरख--अबरख (दे०) केर वा० रू०। व्य० वि० ११४ (अबीर अवरख, कुंकुम, गुलाल)। *avarakha—Coll.* of *abarakha* (q.v.).

अवरजात अवरजात—यातायात, आएब-जाएब, गमनागमन। अ(आ)बरजात (दे०) केर विक० रू०। तु० क० अवर्यात। मधुश्रावणी ६; जयवार १८६। *avarajāta—Alt.* of *abarajāta* (q.v.). Coming and going.

अवरण अवरण—आवरण केर अशु० रू०। कन्या० १४६ (साड़ीक अवरणक भीतरसँ)। *avaraṇa—Err.* of *āvaraṇa* (q.v.).

अवरणा अवरणा—आवरणकेर प्रा० का० लु० रू०। [आवरण+आ]। चर्या० १०/५। *avaraṇā*—Old poet. obs. form of *āvaraṇa*.

अवरत अवरत—वि०। जे रत नहि हो, विरत्त, निवृत, टिकल, स्थिर, भिन्न, पृथक। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अवरत। *avarata—Adj.* Who is not engaged.

अवरा अवरा—लगक दिशा, जन्मक बाद। [अ;अर Turner]। अम्ब ६०। *avarā*—The near side, after birth.

अवरु अवरु—अवर (दे०) केर प्रा० लु० का० रू०। वर्ण २४ (अवरु कइसन देखु); वि० पदा० मजु० ५४३ (सानन्दित तरुनी अवरु कन्त)। *avaru*--Old obs. poet. of *avara* (q.v.).

अवरुद्ध अवरुद्ध—वि०। रोकल, गुप्त, नुकाएल, घेरल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० ने० अवरुद्ध। मि० उद० १५७–२५ (किन्तु अवरुद्ध भए गेलन्हि); ऐ० १५६–१२ (मार्ग अवरुद्ध जनु करू); पुरु० २०६ (चारि मेखला वाला नाव सौं अवरुद्ध कयल)। *avaruddha—Adj.* Checked, hindered, stopped, hidden.

अवरू अवरू—अवरु (दे०) केर विक० रू०। कीर्तिलता १४ (माए जम्पइ अवरू गुरूलोए मन्ति मित्त सिक्खवइ); ऐ० १७। *avarū—Alt.* of *avaru* (q.v.).

अवरोध अवरोध—बाधा, अड़चन, निरोध, घेरि लेब, अन्तःपुर। [सं०]। तु० क० हि०, अव०, बं०, अस०, ने० अवरोध; प्राकृ० ओरोह। मोद उद्० १४६–१० (वृष्टि पूर्वक अवरोध होइत छल)। *avarodha*—Hindrance, obstruction.

अवरोधक अवरोधक—वि०। रोकनिहार, बाधक। [सं०] तु० क० हि०, बं०, राज०, अस०, ने० अवरोधक। मोद ८७–१ (अवरोधक जन मन करू); खट्टर० ३ (तैँ तमकेँ अवरोधक कहल गेल। छैक)। *avarodhaka—Adj.* Who obstructs or harms.

अवरोधल अवरोधल—अवरोध (दे०) केर भू० आद० अन्य पुरु० रू०। गो० शृं० १ अमर० १६ (हिमकर किरण गरम अवरोधल मन्दिर शील सन्देह)। *avarodhala*--Hon. Past tense third person of *avarodha* (q.v.).

अवरोधि अवरोधि--क्रि०। अवरोध (दे०) केर पू० क्रि०क रू०। बाधित कए, रोकि। [अवरोध+इ] । मोद ८७–१ (सुख अवरोधि जाति अवरोधक जन मन भय करू)। *avrodhi—V.* To hinder, to obstruct, part. form of *avarodha* (q.v.).

अवरोधित अवरोधित—वि०। रोकल, बाधित। [अवरोध+इत]। तु० क० हि० अवरोधित। वीरेन्द्र नाटक ११। *avarodhita—Adj.* Checked, hindered.

अवरोधी अवरोधी—वि०। रोकनिहार, बाधा कएनिहार। [सं०]। तु० क० बं० अवरोधी। *avarodhī—Adj.* Who harms or obstructs.

अवरोह अवरोह—अवनति, उतार, अधःपतन, संगीतक उतार। [सं०]। मि०उद्० १५८–३ (ताल स्वर लय आरोह अवरोह); रंग० ६६ (ओकर आरोह अवरोह हृदयमे स्पन्दन उत्पन्न करयबला छल)। *avaroha*—Decrease, descending from a higher tone to a lower one.

अवरोहण अवरोहण—पतन, खसब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, ने० अवरोहण। मि० ४५२ (अस्मदादि दश पुरुषक अवरोहण क्रमिक सेव्य छथि)। *avarohaṇa*—Alighting, descending.

अवरोहित अवरोहित—वि०। खसल, स्वरक पतन, नीचाँ उतारल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अवरोहित। उत्तर राम० ४२। *avarohita—Adj.* Descended, alighted.

अवरोही अवरोही—विलोम, आरोहीक उनटा, ओ स्वर साधन जाहिमे पहिल षड़जक उच्चारण हो फेर निषादसँ षड़ज तक क्रमानुसार उतरैत शब्द बहराइक। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अस०, ने० अवरोही। व्यवहार विज्ञान ३८६ (आरोही अवरोही)। *avarohī*—Descending (in music).

अवर्ग अवर्ग—वि०। असँ लए अःतक, विनु वर्गक वा जातिक। [सं०]। कल्पना १६। *avarga—Adj.* Absence of caste, from *a* to *aḥ*.

अवर्ण[1] अवर्ण[1]—त्रि० । वर्णरहित, बिनु रंगक, बदरंग, वर्ण धर्म सहित जाति भ्रष्ट (दी०) । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, ने० अवर्ण; पा० प्रा:कृ० अवण्ण; गु० अवन । मि० उद० १५७–४ (अवर्णक आदर सर्वत्र); उपदेशारत्नमाला ११; अमर ३८ (अवर्ण, आक्षेप; निर्वाद) । *avarṇa*[1]—*Adj*. Colourless, having no outward appearance, without caste.

अ-वर्ण[2] अ-वर्ण[2]—स्वर अ, आ । [सं०] । तु० क० बं० अवर्ण । *a-vrṇa*[2]—The vowel *a*, *ā*.

अवर्णनीय अवर्णनीय—वि० । जकर वर्णन नहि कएल जा सकए । [सं०] । मि० २१ (परिजनक कयल सत्कार अवर्णनीय पावि); मि० २०७ (अवर्णनीय भीड़ चतुर्दिश लागि गेल); मि० ११५ (अन्तिम समयक पराक्रम अवर्णनीय छल); मोद १०४–१६७ (अवर्णनीय फल होअए लगलन्हि) । *avarṇanīya*—*Adj*. Beyond description.

अवर्णे अवर्णे—अवर्ण (दे०) केर निश्च० रू० । मि० भा० वि० । *avarṇe*—*Emph*. of *avarṇa* (q.v.).

अवर्यात अवर्यात—अवरजात (दे०) केर विकृ० रू० । व्यव० वि० । ६६ । *avaryāta*—*Alt*. of *avarajāta* (q.v.).

अवल अवल—वि० । बलहीन, निर्बल, जकरा बल वा शक्ति नहि छैक, कमजोर । [अबल] । अबल केर विकृ० रू० । तु० क० बं०, अस०, ने० अवल; गु० अवलू; प्राकृ० अविल । वर्ण० ६४ (ये अवल से होइक); वि० ने० २६४ (सहजहि अवल मदने); वि० पदा० मजु०२४, न० गु० तालपत्र १८३, अ० १८७ (अवल अरुण ससिक मण्डल); मि० २१६ (इहो दल अवल नहि छल); जगन्नाथपुरी यात्रा ११ (अवल बुते पर सिङआ चोख) = कमजोरपर सबहिक अधिकार भए जाइछ । *avala*—*Adj*. Weak, effortless.

अवलता अवलता—कमजोरी, शक्तिहीनता । [सं०] । पुरु० ४० (मन अवलता संकल्प); व्यव० वि० १३५ । *avalatā*—Weakness.

अवलम्ब अवलम्ब—आश्रय, सहारा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अवलम्ब; पा० ओलम्ब; गु० ओलावो; म० ओलावा; सिद्दा० ओलाँबु । चन्द्र० ३५२ (एक अवलम्ब तुअ पद अछि हमरा); पुरु० २०७ (दछ अवलम्ब नहि दै सकैछ); मि० ३६८ (राजमार्गक अवलम्ब कैलें) । *avalamba*—Resort, support.

अवलम्बइ अवलम्बइ—अवलम्बैत वर्त०अन्य० केर का०रू० । गो० श्र्ं० १ अमर० १४ (परतल वदन अवलम्बइ गुणि गुनि जिवन. हुताश) । *avalamba-i*—Poet. of *avalambaita*.

अवलम्बन(ने) अवलम्बन(ने)—आश्रय, आधार, सहारा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अवलम्बन । वि० पदा० मजु० ५१३ (अवलम्बने गोरि गोरी तोर जाए); ऐ० ३०६ (गीत अवलम्बन करु अवधारि); गो० श्रं० अमर० ५ (उर पर कमल परिणत अवलम्बन दूर आनो कलव बनलाए); ऐ० ७८ (अवनत माथ करहि अवलम्बन वदन नै निकसत वानी); मि० ३८० (लताक अवलम्बन कयल); मोद उद० १५७-३ (कार्याध्यवसायक अवलम्बन करू); मोद ८७–४ (कृपा अवलम्बन अछि); मोद ६६–१६ (जागृत अवस्थाक अवलम्बन करए लागल अछि) । *avalambana*—Depending upon, support.

अवलम्बल(लि) अवलम्बल(लि)—अवलम्बन (दे०) केर मू० आद० उ० पु० रू० । [FML 326] । वि० ने० २२४ (फल कारणे तरु अवलम्बल छाहरि सन्देहे); वि० पदा० मजु० १११ ग्रि० ४१, न० गु० ४७३, अ० ४८७ (बड़ जन जानि सरन अवलम्बलि) । *avalambala(li)*—Hon. past tense first person of *avalambana* (q.v.).

अवलम्बित अवलम्बित—वि० । आश्रित, ककरो पर स्थिर वा टिकल, निर्भर । [सं०] । तु० क० हि० अवलंबित; बं०, अस०, ने० अवलम्बित । कीर्तिलता २४ (लज्जावलंवित मुखचन्द्रचन्द्रिका) । *avalambita*—*Adj*. Depending upon, resting upon.

अवलम्बे अवलम्बे—अवलम्ब (दे०) केर का० रू० । राम० ११५ (सकल फल अवलम्बे) । *avalambe*—Poet. of *avalamaba* (q.v.).

अवलषे अवलषे—[?] ।वर्ण० ६४ (बेकवहोक आठरक ओवालके अवलषे हाथ, तीस, बीस, पहाड़ु, आकाश देरा, लङालङ होइते आइ) । *avalaṣe*—[?].

अवलहा अवलहा—वि० । अवल (दे०) केर अना० रू० । मि० भा० वि० ७० । *avalahā*—*Adj*. Nonh. of *avala* (q.v.).

अवलहु अवलहु—अवल (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० ५३८ (एकि अवलहु न आवए पासे) । *avalahu*—Emph. of *avala* (q.v.).

अवला अवला—अवल (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० पदा० मजु० ४४, न० गु० तालपत्र २५, रागत० ६४, १२८ (हमे अवला कत कहब); वि० वि० २२ (हमे अवला पहु वयसहि थोर); मा० का० २१४ (अवला निबुधिनय रचना न जान); राम० १८ (हम अवला अज्ञान के धाम); मि० १६ (स्त्रिगण जाति थिकहुँ अवला); मि० मित्र ६६ (अवलाक संग फगुआ खेलैब कदापि शोभा नहि दैछ); मोद ६८ –१४ (धर्मक बहिन जानि अवला धन्या थिकीह); मोद उद० १५८ –५८ (आव अवला जाति हमर अपराध क्षमा करथु); द्विरा० ३ (नारी लताक समान अवला); शत० ११ (अवला के धैलक तोर नाम) । *avalā*—*Fem*. of *avala* (q.v.).

𑒁𑒥𑒪𑒱𑒣𑓂𑒞 अवलिप्त—वि० । लागल, नीपल, आसक्त, लिप्त, रत, अनुरक्त, घमंडी । [सं०] । तु०क० हि० अवलिप्त । *avalipta*—*Adj*. Smeared.

𑒁𑒥𑒪𑒱𑒨𑒰 अवलिया—साधु, योगी, मुनि । [?] । अकबरनामा १२७ । *avaliyā*—Saint.

𑒁𑒥𑒪𑒲 अवली—पंक्ति, पाँती, समूह । [सं० आवलि] । तु० क० हि० अवली । मोद १२६–१२ (प्रमुदित अलि अवली वलित सरक मध्य) । *avalī*—Row.

𑒁𑒥𑒪𑒹 अवले—अवलहि केर वा०रू०निश्च० रू० । राम० १८ (पहु अवले दए दोस विचारि); मोद १७–२० (हमरा विलकुल अवले रोकि लेलक) । *avale*—*Alt.* of Emph. *avalalahi* (q.v.).

𑒁𑒥𑒪𑒹𑒣 अवलेप—लेप, उकटन, घमण्ड, गर्व, गौरव । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अवलेप । वि० ने० ६० (ए सखि पहु अवलेप सही); वि० ने० ४ (गुण गौरव अवलेपे)ं पार्वती परिणय १६ । *avalepa*—Fragrant paste, smeared, pride.

𑒁𑒥𑒪𑒹𑒧𑒰 अवलेमा—आश्रय, सहारा । [सं० अवलम्ब FML 126] । *avalemā*—Support.

𑒁𑒥𑒪𑒹𑒯 अवलेह—एक प्रकारक औषधि । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अवलेह । *avaleha*—A kind of medicine.

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏 अवलोक—अवलोकन (दे०) केर का० रू० । राम० लाल दास १७ (छल प्रपंच नहि छल अवलोक) । *avaloka*—Poet. of *avalokana* (q.v.).

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏𑒟𑒳 अवलोकथु—अवलोकन (दे०) केर आद० मध्य० पु० रू० । शतदल ३८ । *avalokathu*—Hon. second person of *avalokana* (q.v.).

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏𑒢 अवलोकन—देखब, देखभाल करब । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० अवलोकन; प्राकृ० अवलोकायण । पुरु० १०८ (कौना हमर अवलोकन करए); मि० ४०५ (जाहिमे असकर ग्रस्तता प्राचीक अवलोकन कय); मि० मित्र १०१ (कौनो विषयकें प्रथम अवलोकन करब पुनः ओहि पर विचार करब) । *avalokana*—The act of seeing, looking after.

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏𑒢𑒲𑒨 अवलोकनीय—वि० । देखबा योग्य, सुन्दर । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अवलोकनीय । *avalokanīya*—*Adj*. Worth seeing, beautiful.

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏𑒪 अवलोकल—अवलोकन (दे०) केर भू० आ० उ० पु० रू० । वर्ण० १५ (ओहदा अवलोकल) । *avalokala*—Hon. Past tense first person of *avalokana* (q.v.).

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏𑒥 अवलोकव—अवलोकन (दे०) केर भवि० आद० उ० एवं मध्य० पु० रू० । वि० पदा० मजु० १६६, तालपत्र ग्रि० ४३८, अ० ४३३ (अवलोकव नहि तनिक रूप) । *avalokava*—Hon. Future tense first and second person of *avalokana* (q.v.).

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏𑒱 अवलोकि—अवलोकन (दे०) पू० क्रि०क रू० । ज्वाला० ६८ । *avaloki*—*Part*. of *avalokana* (q.v.).

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏𑒱𑒁 अवलोकिअ—अवलोकव (दे०) केर वर्त० का० रू० । वि० ने० १ (गए अपनहि से अवलोकिअ) । *avalokia*—Present tense P. F. of *avalokava* (q.v.).

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏𑒱𑒞 अवलोकित—वि० । देखैत छथि, विचार कएल । [सं०] । वनकुसुम ४१ । *avalokita*—*Adj*. Looked.

𑒁𑒥𑒪𑒼𑒏𑒱(𑒏𑒳)𑒯 अवलोकि(कु)ह—अवलोकन (दे०) केर वर्त० मध्य० पु० रू० । वनकुसुम ४, ३८ । *avaloki(ku)ha*—P. F. present tense second person of *avalokana* (q.v.).

𑒁𑒥𑒥𑒮𑓂𑒟𑒯𑒱 अववस्थहि—अव्यवस्था (दे०) केर अशु० निश्च० रू० । अमर बापू ३५ । *avavasthahi*—Err. emph. of *avyavasthā* (q.v.).

𑒁𑒥𑒥𑒰𑒠𑒏 अववादक—अपवादक (दे०) केर वा० रू० । पुरु० ११३ (पर पुरुष अववादक अभाव) । *avavādaka*—*Coll*. of *apavādaka* (q.v.).

𑒁𑒥𑒬[1] अवश[1]—क्रि० वि० । विवश, लाचार । [अ+वश] । तु० क० हि०, बं० अवश । गो० शृं० १ अमर० २ (ए हरि रति रस अवश रसाल विघटित वेश बनाइ पुन भाल); ऐ० १६ (रति रस अलस अवश दिठि मन्थर निरवधि निन्दक सेवा) । *avaśa*[1]—*Adv*. Helpless.

𑒁𑒥𑒬(𑒬𑒱)[2] अवश(शि)[2]—अवश्य (दे०) केर का० रू० । राम० ६६ (अवश मख सरयुगमे होव); राम० १७३ (अवश करवितहु अवनी शयन); महेश० ६३ (तन तेजि अवशि अडि जायत) । *avaśa(śi)*—*Poet*. of *avaśya* (q.v.).

𑒁𑒥𑒬𑒱𑒭𑓂𑒙 अवशिष्ट—वि० । शेष, बचल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, अव०, ने०, राज० अवशिष्ट । चन्द्र० १०८ (एक अवशिष्ट तनिकर हम चेला छे); पुरु० ६० (अवशिष्ट जे धनसँ अपनहि लय); पुरु० २४७ (प्राण मात्र अवशिष्ट हम अयलहु); अमर० ३ (ततय अवशिष्ट लिङ्ग जानव); मि० २२४ (अवशिष्ट सेनासहित रणभूमि छाड़ि भागि गेल); मोद उ६० १५६–६ (जखन पन्द्रह दिन अवशिष्ट रहि गेलैक); मोद ७३ (जतवा मूल्य अवशिष्ट अछि); खट्टर० १६ (अवशिष्ट भांग उठा कऽ पीवि गेलैन्हि); आमक जलखरी १२६ (जे किछु शक्ति अवशिष्ट रहि गेलैक) । *avaśiṣṭa*—*Adj*. Left, rest, remaining.

ꯑꯕꯁꯦꯈ(ꯈꯦ) **अवशेख(खे)**—अवशेष (दे०) केर का० ओ वा० रू० । वि० पदा० मजु० १६, ग्रि० २४, न० गु० २७, अ० ७ (मार नयन सर पंख अवशेख); ऐ० २५२ (करए चाह अवशेखे) । *avaśe-kha(khe)*—P.F. or coll. of *avaśeṣa* (q.v.).

ꯑꯕꯁꯦꯁ **अवशेष**—वि० । बाँचल, शेष, बाँकी, समाप्त, अन्त । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **अवशेष** । पुरु० ४६ (अपनेहि मात्र अवशेष विचार कयल) । *avaśeṣa*—*Adj*. End, last, rest.

ꯑꯕꯁꯦꯁꯥꯡ **अवशेषाङ्ग**—वि० । बचलाहा महक किछु भाग ओ अंश । [अवशेष + अङ्ग] । सुमति २१ । *avaśeṣāṅga*—*Adj*. A part of remaining.

ꯑꯕꯁꯌ **अवश्य**—क्रि०वि० । निसन्देह, निश्चित, जरूर, निश्चयपूर्वक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, अव०, ने०, राज०, **अवश्य** । राम० १६ (जाथु अवश्य अपन घर थाकि); चन्द्र० १०२ (होएत अवश्य अधार); मोद उद्० १५०–४ (अवश्य ई समिति फलवती होएतीह); मोद ७३–१ (भक्त स्नेही तँ अवश्य जीए); प्रणम्य० ५२ (चोट धरि अवश्य लगलैन्ह); पारो ४६ (आँच मद्धिम अवश्य पड़ि जाइत छैक) । *avaśya*—*Adv*. Certainly.

ꯑꯕꯁꯌꯝꯚꯥꯕꯤ **अवश्यम्भावी**—क्रि०वि० । निश्चित भेनिहार वा होएनिहार, निश्चित भवितव्य । [सं०] । FML 631; प्रणम्य० १६४ (क्रान्तिक विस्फोट अवश्यम्भावी अछि); द्विरा० २१८ (विछोह भेनाइ अवश्यम्भावी छैक) । *avaśyambhāvī*—*Adv* Certainly.

ꯑꯕꯁꯌꯃꯦꯕ **अवश्यमेव**—क्रि० वि० । निश्चये, जरूरे । [सं०] । मै० हिं० सा० (६–४) २० (अवश्यमेव श्रद्धाहानि) । *avaśyame-va*—*Adv*. Quite certain.

ꯑꯕꯁꯌꯥ **अवश्या**—वि० । वशमे नहि । [सं०] । तु० क० अव० अवश्या । पुरु० २२५ (नदी सुभावातरूपी अवश्या) । *a aśyā*—*Adj*. Uncontrolled.

ꯑꯕꯁꯌꯦ **अवश्ये**—अवश्य (दे०) केर वा० रू० । राम० (प्राण अछाँक अवश्ये बाँच); मोद ८७–२ (देखब अवश्ये); प्रण० १४ (माछ अवश्ये भेल तकैन्ह) । *avaśye*—*Coll*. of *avaśya*(q.v.).

ꯑꯕꯁ꯭ꯇꯝꯚ **अवष्टम्भ**—सहायता, स्वर्ण, स्तम्भ । [सं०] । मि० ४१३ (वैदिक श्रीधरझाक हाथ अवष्टम्भ देला पर) । *avaṣṭam-bha*—Support, gold, pillar.

ꯑꯕꯁ **अवस**—अवश (दे०) अथवा अवश्य (दे०) केर विक० रू० । वि०ने० ५८० (विमुख न करिअ अवस पिअ पास); वि० पदा० मजु० ५८, तालपत्र न० गु० ४१४, अ० ४१० (तेँ अवसादे अवस भेल देह); मन० ६३ (अवस हरि तनिकर दुरदिन काट) । *avasa*—*Alt*. of *avaśa* (q.v.), or *avśya*(q.v.).

ꯑꯕꯁꯎ **अवसउ**—अवश्यहु केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ११३, तालपत्र न० गु० ५०५, ५१८ (अवसउ दिव एक देव विहुसिया) ।*avasa-u*—*Poet*. of *avaśyahu*.

ꯑꯕꯁꯑꯣ **अवसओ**—अवश्यहु केर का० रू० । कीर्तिलता ३ (अवसओ विसहर विस वमइ, अमिय विमुक्कइ चन्द); ऐ० १८ (अवसओ उद्दाम लच्छि बस) । *avasao*—P. F. of *avaśahu* (q.v.).

ꯑꯕꯁꯟ **अवसन**—अवसन्न (दे०) केर का० रू० । वि० ने० २६५ (पिआ ए विसाल नेह अवसन); वि० पदा० मजु० २२३ (नहि वरसय अवसन नहि होए) । *avasana*—P. F. of *avasanna* (q.v.).

ꯑꯕꯁꯟꯇ **अवसन्त**—भैरवगण । [अ + वसन्त] । पुरु० १५१ (तनिक नाम अवसन्तविद्या थिक); वनकुसुम २ (एधु–माधवि–अवसन्त–वसन्त) । *avasanta*—A technichal name of *Bhairavas*.

ꯑꯕꯁꯟꯅ **अवसन्न**—वि० । दुखी, विषाद-प्राप्त, सुस्त, आलसी, नष्ट होएबला । [सं०] । तु० क० हि०, अवसन्न । स्वरगन्धा; अपूर्व रसगुल्ला ६; अ० धा० १८३ । *avasanna*—*Adj*. Pressed down, sunk down.

ꯑꯕꯁꯟꯅꯤ **अवसन्नि**—अवसन्न (दे०) स्त्री० रू० । वर्ण० ५० (अवसन्नि नलिनी) । *avasanni*—*Fem*. of *avasanna* (q.v.).

ꯑꯕꯁꯔ **अवसर**—अवकाश, छुट्टी, उचित समय (दी०), संयोग, मोका । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० अवसर; पा० ओसरक; गु० ओसरि; मो० अवसरा; म० ओसरि; ओसरिया । वर्ण० ६८ (प्रहर रात्री विआरीक अवसर भेल); गोरक्ष विजय ६ (क) (एजन अवसर अछ महेन्द्रभूप); गोरक्ष विजय ७ (ख) (कत प्रतिहारी अवसर आये); FML 298 (अवसर भेलि सआनी); श्रीकृष्णकेलिमाला १२ (एहि अवसर नारद परवेश); मोद उद० १५४–६ (ताहि अवसरमे) । *avasara*—Time, leisure, opportunity.

ꯑꯕꯁꯔꯤ **अवसरि**—क्रि० । हटिकए । तु० रू० । [सं० अपसृत्य] । चर्य्या ३२/८ । *avasari*—*V*. Having moved.

ꯑꯕꯁꯔꯦ(ꯔꯣ) **अवसरे(रो)**—अवसर (दे०) केर निश्च० रू० । कीर्तिलता २६; राम० १३ (अवसरे भेलि सआनो); नव ७६ (दराड़ि फटबाक अवसरो नहि अवइक) । *avasare(ro)*—*Emph*. of *avasara* (q.v.).

ꯑꯕꯁꯥꯏ **अवसाइ**—अवसाद (दे०) केर प्रा० तु० का० रू० । गो० श्रृं० १ अमर० २८ (रजनि गमाओल सहचरि गोविन्ददास आश अवसाइ) । *avasā-i*—*Obs*. P. F. of *avasāda* (q.v.).

ꯑꯕꯁꯥꯗ **अवसाद**—नाश, क्षय, विषाद, खेद, रंज, दीनता, आशा वा उत्साहक अभाव, थाकनि, कमजोरी, आलस्य । [सं०] । तु०क० हिं०, बं०, ने०, अस०, राज० अवसाद । वि० पदा० मजु० २५ रामभद्रपुर पोथी पद ४३ (धमिलँ कयल ताकर अवसाद); ऐ० २५१ (मन विद्यापति निअ अवसाद); राग० ६० (रमनि नहि अवसाद मानए); श्रीकृष्णकेलिमाला १३ (मन मानि रहु अवसाद रे); अ० धा० १८४;

वैदेही १४–१२८ (ओ आन्तरिक अवसादमे पड़ि गेलि)। *avasāda*—To sink dawn, faint, become exhausted or disheartened.

𑒁𑒫𑒮𑒰𑒠𑒪 **अवसादल**—अवसाद (दे०) केर भू० उ० पु० आद० रू०। वि० ने० २६६ (अवसादल देहा)। *avasādala*—*Hon*. Past tense first person of *avasāda* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑒰𑒠𑒹 **अवसादे**—अवसादसँ; अवसाद (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १८० (ते अवसादे अवसिन भेल); वि० पदा० मजु० ५८ तालपत्र न० गु० ४१४, अ० ४१० (तेँ अवसादे अवस भेल देइ); ऐ० ६६७ (मन वसियन भर कर अवसादे)। *avasāde*—From *avasāda* (q.v.), P. F. of *avasāda* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑒰𑒢 **अवसान**—मरण, मृत्यु, अन्त, समाप्ति, सीमा, सायंकाल, विराम। [सं०]। तु० क० हि०, अस०, ने० अवसान, प्राकृ० ओसान। वि० पदा० मजु० ५६, तालपत्र न० गु० १६१, अ० १६३ (भनइ विद्यापति रति अवसान); ऐ० ८५, नेपाल १४५, न० गु० तालपत्र ४२२, अ० ४६६ (आसा न अवसान); वि० ने० ५४ (थिर ना दिहह अवसानहु मोहि); राम० ४० (गणिका चललि नृत्य अवसान); राम० ६० (रमनि नहि अवसाद मानए रयनि वरु अवसान); राम० २६० (चौदह वर्षक अछि अवसान); महेश ७८(जौँ निज हित अवसान रामचित चाहइ); मि० २०५ (ओ वनौलीफ लड़ाइक अवसानमे सरकारकेँ सलाम कए आएल छलाह); मि० ३०१ (एहि अलौकिक अवसानमे सासु नेत्र ओ गुम्म भै गेलाह); मोद उद्० १५७–६ (होएत विरह अवसान); अ० धा० १८४। *avasāna*—End, termination, death, the setting of a heavenly body.

𑒁𑒫𑒮𑒰𑒢𑒹 **अवसाने**—अवसान (दे०) केर का०। महेश० ५२ (देह आय अवसाने); पुरु० १५१ (जनिकर विद्या हो अवसाने)। *avasāne*—P. F. of *avasāna* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑒱 **अवसि**—अवस (दे०) केर का० रू०। वनकुसुम ६। *avasi*—*Coll*. of *avasa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑒱𑒞 **अवसित**—वि०। जकर अवसान वा अन्त भेल होइक, समाप्त, गत, बीतल, परिणत, बदलल। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अवसित। पुरु० २६१ (अवसित सित); एकावली परिणय ३६। *avasita*—*Adj*. one who has to meet his ends, past, transfered.

𑒁𑒫𑒮𑒱𑒢 **अवसिन**—अवसन्न (दे०) केर का० अशु०रू०। वि० ने० १८० (ए अवसादे अवसिन भेल देह)। *avasina*—Err., P.F. of *avasanna* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑒱𑒭𑓂𑒙 **अवसिष्ट**—अवशिष्ट (दे०) केर अशु० रू०। राम० ६२ (.................अछि अवसिष्ट)। *avasiṣṭa*—Err. of *avaśiṣṭa*.

𑒁𑒫𑒮𑒲𑒠𑒱𑒞 **अवसीदित**—वि०। दुखी, पीड़ित। पुरु० २०० (वनिक हेतु आत्माक अवसीदित नहि कर्त्तव्य)। *avsīdita*—*Adj*. Sorry, pained.

𑒁𑒫𑒮𑒹𑒐 **अवसेख**—अवशेख (दे०) केर का० रू०। मन० ४६ (कुशल क्षेम ज अवसेख रहल)। *avasekha*—*Coll*. of *avaśekha* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑒹𑒐𑒲 **अवसेखी**—अवसेख (दे०) केर का० रू०। वि० ने० २३० (तोहर चतुरपन, जखने धरति मन, रस बूझति अवसेखी); वि० पदा० मजु० १०६, रामभद्रपुर पोथी ३०४ (रूप रहल अछ तन अवसेखी)। *avasekhī*—*Poet*. of *avasekha* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒞𑒳 **अवस्तु**—लु० रू०। अधलाह वस्तु, नीक चीज नहि। [अ+वस्तु]। पुरु० ७० (से की अवस्तु पठओला सोँ चिन्हता); अ० धा० १८५। *avastū*—*Obs*. Worthless thing.

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰[1] **अवस्था**[1]—हालत, दशा, समय, काल, आयु, वयस, स्थिति, परिस्थिति, स्थिति वयःक्रम (दी०)। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अवस्था; प्राकृ० अवस्था। राम० ५५ (बाल्य अवस्थामे तप कयल); राम० ६६ (तरुण अवस्था भूप); राम० १७५ (तरुण अवस्था हुनकर हानि); महेश ५० (वितल अवस्था तीन); महेश ६८ (अवस्था पावि कृत प्राचीन); मैं० हि० सा० (८–१२) २० (पूर्व अवस्था अव्यक्तरूपा प्रकृति वस्तु छी); मोद उद० १५७–१४ (उपाध्यायजी एहि अवस्थामे); मोद उद० १६७–१७ (हिनक ताहि अवस्थामे देखि); मोद ६६–१६ (एहन अवस्था नहि अछि); मोद १७१–२ (लोक अवस्थामे बढ़ैत अछि); पुरु० १२० (तनिक विवाह योग्य अवस्था देखि); प्रणम्य० १५ (घर छिन्न-भिन्न अवस्थामे देखि पड़ल); चित्रा १७ (अवस्था रहन्हि बारहक करीब)। *avasthā*[1]—Position, condition, age.

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰[2] **अवस्था**[2]—वि०। गर्भवती, कल्याणक योग्यता। [? अवस्त=उर्दू शब्दकोष]। (हुनकर एखन दोसर अवस्था छन्हि)=ओ गर्भवती छथि। *avasthā*[2]—*Adj*. Pregnant (woman).

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 **अवस्थान**—स्थान, जगह, स्थिति, टिकब, ठहरब। भोज, पूजा आदिक अवसर पर पाएर धोएब अथवा तकर उपक्रम कए स्थान देब, वैसएबाक क्रिया। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अवस्थान; पा० अवट्ठान; प्राकृ० अवधाण; म० वठाण; सि० ओथाणाणु। मि० २६७ (हुनक अवस्थान पुछल); मि० ४३२ (समादर पूर्वक अवस्थान करओला पर); अ० धा० १८५। *avasthāna*—Standing, giving one an honoured place, as guest chiefly at a dinner, position.

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 **अवस्थान्तर**—क्रि० वि०। अवस्था वा स्थितिक अन्तर वा भिन्नता, आयुमे अन्तर। [सं०]। मि० मित्र २२ (काल और पात्रक अनुसार कर्त्तव्यमे प्रवृत भै जाय तँ ओकरा अवस्थान्तर होएब

असम्भव नहि); अ० १८६ । *avasthāntara*—*Adv*. Difference in condition.

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒢 अवस्थापन—वस्तुक विक्रयक हेतु भाओ खोलब । [सं०] । अ० धा० १८६ । *avasthāpana*—Exposing rates of (goods for sale).

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰𑒣𑒱𑒞 अवस्थापित—वि० । प्रतिष्ठित, बैसाओल, राखल । [सं०] । अ० धा० १८६ । *avasthāpita*—*Adj*. Established.

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞(𑒞𑒰) अवस्थित(ता)—वि० । स्थित, वासी (दी०), उपस्थित, विद्यमान, टिकल, बैसल, राखल । [सं०] । तु० क० हि० अवस्थित । मोद ३०-३१-१५० (सभ कालमें अवस्थित रहैत अछि); उदयन कथा ४० । *avasthita(tā)*—*Adj*. Standing near, having its place or abode.

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞𑒱 अवस्थिति—वर्तमानता, स्थिति, सत्ता, अस्तित्व । [सं०] । तु० क० हि० अवस्थिति । कन्या० १३१ (कतै अवस्थिति की मूलक गाम); (कतए अवस्थिति की मूल ग्राम ? कतए गमन कएल की अपनेक नाम) । *avasthiti*—Standing, residence existence.

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒟𑒹(𑒮𑓂𑒟𑒼) अवस्थे(स्थो)—अवस्था (दे०)क निश्च० रू० । नव० २३ (अवस्थेमे कनी देरी छइ); आमक जलखरी ५० (अवस्थोमे तीन एक वर्षक जेठ होएबे करबैन्ह) । *avasthe(tho)*—Emph. of *avasthā* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒨 अवस्य—अवश्य (दे०) केर वा० रू० । अ० धा० १८२ । *avasya*—*Coll*. of *avaśya* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒮 अवस्स—अवस (दे०) केर विक० रू० । चित्रा ४१ (अवस्स हम देब तार) । *avassa*—*Alt*. of *avasa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒮𑒹 अवस्से—अवस (दे०) केर निश्च० रू० । चित्रा ६२ (भरल अवस्से होएतैक भुतही बलानक धार); पारो ६४ (दशसँ कम अवस्से नहि) । *avasse*—Emph. of *avasa* (q.v.).

𑒁𑒫𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 अवस्त्र—वि० । विनु वस्त्रक, विना कपड़ाक । [सं०] । उ० ना० ति० ११५ । *avastra*—*Adj*. Without clothes.

𑒁𑒫𑒯𑒚(𑒙𑓂𑒚) अवहठ(ट्ठ)—संस्कृत आ प्राकृतक पश्चात् केर भाषा; अपभ्रंश; प्राचीन मैथिली । [सं० अपभ्रंश] । दे० अवहट्टा । वर्ण० ४४ (संस्कृत, पराकृत, अवहठ); मि० ५११ (अपन अवहट्ट भाषामे लिखित कीर्तिलता); नव० ३ (प्राकृत ओ अवहठकेर प्रसंगमे कतेको प्रवचन सुनने रहथि) । *avahaṭha(ṭṭha)*—Name of a kind of Apabhraṁśa, proto-Maithilī.

𑒁𑒫𑒯𑒙𑓂𑒚𑒰 अवहट्ठा—अवहट्ठ (दे०) केर का० रू० । [अवहट्ठ + आ] । कीर्तिलता ४ (तँ तैसन जम्पओ अवहट्ठा) । *avahaṭṭhā*—*Poet*. of *avahaṭṭha* (q.v.).

𑒁𑒫𑒯𑒮𑒢 अवहसन—१. उपहास २. अवज्ञा सहित । अ० धा० १८६ । [अव + हँसब] । *avahasana*—Mockery.

𑒁𑒫𑒯𑒰𑒮𑒍 अवहासओ—अवहसन (दे०) केर का० रू० । गो० शं० १ अमर० ७२ (कुमुदिनीवृन्द दिनहि अवहासओ बाँधुलि धरु नवरङ्ग) । *avahāsa-o*—*Poet*. of *avahasana* (q.v.).

𑒁𑒫𑒯𑒱𑒞 अवहित—वि० । मनोयोगी, सावधान, प्रमादहीन, निहित, विज्ञान । [सं०] । अ० धा० १८७ । *avahita*—*Adj*. Confined, attentive.

𑒁𑒫𑒯𑒳 अवहु—अव (दे०) (=आव) केर निश्च० रू० । गोरक्ष-विजय ११ (अवहु न दोस विचारह मोरा) । *avahu*—*Emph*. of *ava* (=*āva*) (q.v.).

𑒁𑒫𑒯𑒳𑒢(𑒢𑓂𑒯) अवहुन(न्ह)—आएब (दे०) केर वर्त० म० पु० अना० रू० । खट्टर० ४३ (सीताके वनमे ध अवहुन); पारो १३ (पाहुन के पुछि अवहुन) । *avahuna(nha)*—Present tense second person nonh. form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒯𑒴𑒢𑓂𑒯𑒱 अवहून्हि—अवहुन (दे०) केर विक० रू० । सीता-स्वयंबर २७ । *avahūnhi*—*Alt*. of *avahuna* (q.v.

𑒁𑒫𑒯𑒹𑒪 अवहेल—अवहेला (दे०) केर का० रू० । राम० लालदास ११७ । *avahela*—*Poet*. of *avahelā* (q.v.).

𑒁𑒫𑒯𑒹𑒪𑒢𑒰 अवहेलना—अवज्ञा, तिरस्कार, उपेक्षा । [सं०] । तु० क० अवहेला । मोद ६६-४ (अवहेलना होइत आएल अछि) । *avahelanā*—Neglect, insult.

𑒁𑒫𑒯𑒹𑒪𑒯𑒱 अवहेलहि—अवहेला (दे०)केर निश्च० रू० । मृच्छ-कटिक १६ । *avahelahi*—Emph. of *avahelā* (q.v.).

𑒁𑒫𑒯𑒹𑒪𑒰 अवहेला—अनादर, अवज्ञा, तिरस्कार, उपेक्षा । [सं०] । तु० क० हि० अवहेला । मि० ६ (जे क्यो व्यक्ति हमर एहि ग्रन्थक अवहेला देखौताह); मि० ना० २ (अवहेला करबो अविधिये); मि० वि० १ (न कि असूया वा अवहेला); वि० व० ३७ (कबहु न भेल अवहेला); मोद ६८-५ (एही प्रकारेँ जालिक अवहेला होइत रहत) । *avahelā*—Disrespect, neglect.

𑒁𑒫𑒯𑒹𑒪𑒱 अवहेलि—अवहेला (दे०) पू० क्रि०क का० रू० । राम० लालदास ३४० । *avaheli*—P. F. past part. of *avahelā* (q.v.).

𑒁𑒫𑒯𑒹𑒪𑒱𑒞 अवहेलित—वि० । तिरस्कृत, जकर अवहेला भेल होइक । [सं०] । *avahelita*—*Adj*. Disrespected.

𑒁𑒫𑒯𑒾𑒏 अवहौक—आएब (दे०) केर अन्य पु० कर्म० अना० रू० । प्रणम्य० १६१ (जाह फिरता क अवहौक) । *avahauka*—Future tense third person with nonh. object form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒖𑓂𑒘𑒰 अवज्ञा—अनादर, आज्ञा वा बात नहि मानब, अवहेला, तिरस्कार, पराभव, हारि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, अवज्ञा, प्राकृ० अवण्णा । मालविकाग्निमित्र ३६; राम० १० (बहुत

अवज्ञा] प्रभुवर सहल); राम० १२८ (हम कि अवज्ञा योग्य जन); पुरु० ६४ (राजा तनिक अवज्ञा कयल); वेकफिल्डक पादरी ४७; अ० धा० १६६। *avajñā*—Disrespect, neglect.

𑒁𑒫𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞 **अवज्ञात**—वि०। तिरस्कृत, अपमानित। [सं०]। तु० क० हिं०, बं०, ने० अवज्ञात। कीर्तिलता ६८ (अरे अरे असलान प्राणकातर अवज्ञात मानस)। अ० धा० १६६। *avajñāta*—*Adj.* Disrepected.

𑒁𑒫𑒖𑓂𑒘𑒰𑒣𑒴𑒩𑓂𑒫𑒏 **अवज्ञापूर्वक**—क्रि० वि०। अवज्ञा सहित, अनादरक संग। [सं०]। मै० हि० सा० ३०-५(अवज्ञापूर्वक पंज कएल)। *avajñāpūrvaka*—*Adv.* With indignity.

𑒁𑒫𑒰𑒃 **अवाइ**—आएव (दे०)क प्रा० लु० रू०। F.M.L. 9. तु० क० ने० अवाइ। *avāi*—*Obs.* form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒰𑒏 **अवाक**—वि०। चुप्प, मौन, गुम्म, विनु वाणीक, चकित, स्तम्भित, विस्मित। [सं०अवाक]। तु० क० हिं०, बं०, ने० अवाक। राम० १७६ (रहल अवाक्); राम० १६५ (रहलि अधोमुख विकल अवाक); मोद ६१-२ (बूढ़ी तऽ अवाक भै···); प्रणम्य० ५ (हम अवाक रहि गेलहुँ); प्रणम्य० ८२ (दृश्य देखि सभ लोक अवाक रहि गेल); पारो ७ (जे हम निस्तब्ध अवाक); पारो ५४ (सुनिकँ अवाक भ गेलहुँ)। *avāka*—*Adj.* Stunned, silent.

𑒁𑒫𑒰𑒓𑓂𑒧𑒳𑒐 **अवाङ्मुख**—वि०। नीचाँ मूँह झुका कए, लज्जित। [सं०]। तु० क० हिं०, बं०, ने० अवाङ्मुख। अ० धा० १८८। *avāṅmukha*—*Adj.* Ashamed.

𑒁𑒫𑒰𑒔 **अवाच**—वि०। गारि, अपशब्द। [सं० अवाच्य]। नव० २० (कहिओ अवाच कुवाच नहि कहथिन)। *avāca*—*Adj.* Bad word.

𑒁𑒫𑒰𑒔𑒲 **अवाची**—दक्षिण दिशा। [सं०]। तु० क० हिं० अवाची। अमर० १७ (अवाची प्रतीची)। *avācī*—South.

𑒁𑒫𑒰𑒔𑓂𑒨 **अवाच्य**—वि०। गारि, कुवचन, अपशब्द, जे कहबा वा वर्णन करबा योग्य नहि हो, नीच, जकर वर्णन नहि कएल जाए, अवर्णनीय। [सं०]। तु० क० हिं०, बं०, ने०, अस० अवाच्य। राम० १६७ (कहि अवाच्य रोकल कपि गेल); चन्द्रकला ३३; अ०धा० १८८। *avācya*—*Adj.* Abusive word, undesirable.

𑒁𑒫𑒰𑒖 **अवाज**—आवाज (दे०) केर विक० रू०। रंग० ३६ (भीतरसँ अवाज एलैन्ह); पारो ६ (तावेमे पीसीक अवाज सुनलियैन); पारो ५५ (कोमल, कठोर अवाज कानमे पड़ल)। *avāja*—*Alt.* of *ābāja* (q.v.).

𑒁𑒫𑒰𑒙𑒹 **अवाटे**—अबाट केर का० रू०, कुमार्ग, नीक बाट नहि। [अ+बाट]। तु० क० सुबाट, कुमार्ग, कात करओट। वि० पदा० मजु० ६१ तालपत्र न० गु० ३६३, अ० ३६० (तैँ हमें गेलहुँ अवाटे)। *avāṭe*—*Poet.* of *abāṭa*, undesirable path.

𑒁𑒫𑒰𑒠 **अवाद**—आबाद (दे०) केर विक० रू०। भाङ्कार १४। *avād*—*Alt.* of *abāda* (q.v.).

𑒁𑒫𑒰𑒠𑒱 **अवादि**—मि० भा० वि० १६०। अव आदि युक्त शब्द। *avādi*—Words with *av-* ending.

𑒁𑒫𑒰𑒡𑒱𑒞 **अवाधित**—वि०। जे बाधित नहि होइक, रोकल नहि। [सं०]। मिहिर २८-२-१० (ओ कोन अवाधित एकर निर्णय नहि कए सकैत छी); साहित्यपत्र १-१-२०; श्रीश्याम १२८। *avādhita*—*Adj.* Not obstructed.

𑒁𑒫𑒰𑒡𑓂𑒨 **अवाध्य**—वि०। जे वान्हल नहि अछि, मुक्त, स्वतंत्र, जकरा वाधा नहि छैक। [सं०]। एकावली परिणय २; अम० २५७; मि० मित्र २८५ (वासव वायु अवाध्य अमल असदृश मव व्यापक)। *avādhya*—*Adj.* Without hindrance, free.

𑒁𑒫𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 **अवान्तर**—बीच, मध्य, भिन्न। [सं०]। मि० २७६ (किछुए दिनक अवान्तरमे); अम० ४४ (अवान्तर क्रिया विलम्बे होइक); मोद १३३-२८ (एहि अवान्तरमे थोड़ेक दिन लाटो साहेबक सेक्रेटरी भेल); मै० हि० सा० (३-४)१६ (सात गोत्रक अवान्तर कएलासँ)। *avāntara*—Intermediate, difference.

𑒁𑒫𑒰𑒩𑒰 **अवारा**—आवारा (दे०) केर विक० रू०। नव० ६६ (ओहि अवारासभक कथे नहि करी बाबूसाहेब); अपूर्व रसगुल्ला ३। *avārā*—Alt. of *ābārā* (q.v.).

𑒁𑒫𑒰𑒩𑒰𑒑𑒩𑓂𑒠𑒲 **अवारागर्दी**—गुण्डागर्दी, लोफर वा उचक्का होएव वा तेना बौआएव। [हि०]। मिहिर ४२-१७ (अवारागर्दीमे एतेक समय नष्ट कयल)। *avārāgardī*—Loitering or behaving like a vagabond.

𑒁𑒫𑒰𑒩𑒱𑒞 **अवारित**—वि०। का० रू०। छोड़ल नहि, वारण कएल गेल नहि। [अ+वारव+इत]। राम० ७२ (जाय अवारित रामक भवन); सु० ह० १६; मिहिर ३८-६-११ (आयास हीनहुँ अवारित आय आव); अ० धा० १८८। *avārita*—*Adj.* P. F. Which is not neglected.

𑒁𑒫𑒰𑒮𑓂𑒞𑒫 **अवास्तव**—वि०। वास्तव नहि, उचित नहि। [सं०]। अ० धा० १८८। *avāstava*—*Adj.* Improper.

𑒁𑒫𑒱𑒌(𑒁)𑒢𑓂𑒯𑒱 **अविऐ(अ)न्हि**—आएब (दे०) केर आद० भवि० मध्यम पुरुषमे अनुषङ्गअर्थमे। पारो ४० (कलकत्ता जा कए घुरि नहि अविऐन्हि त...)। *aviai(a)nhi*—Hon. future tense second person form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒱𑒎𑒢𑓂𑒯 **अविऔन्ह**—आएब (दे०) केर आद०भवि० आज्ञार्थक मध्यम पु० रू०। प्रणम्य० ६० (एकबट्टी कऽ नेने अविऔन्ह); द्विरा० २०० (अपने जा कऽ देखि अविऔन्ह)। *aviaunha*—Hon. second person imperative form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒱𑒏𑒪 **अविकल**—वि०। जहिनाक तहिना बिनु उनट-पुनटकेर, पूर्ण, पूरा, निश्चल, शान्त, लगातार, सतत, विकारहीन। [सं०]। तु० क० हिं०, बं०, अस० अविकल। राम० २३ (अविकल सकल निहार); महेश० (अविकल भल भल शिव हे); पुरु० ३६३ (पुनः आगमन कतयसँ अविकल); मोद १०६-१३ (वक्तृताक अविकल अनुवाद); आदिकथा ६३। *avikala*—*Adj.* Exactly same.

অবিকল্প अविकल्प—वि० । निश्चित, निस्सन्देह, बिना विकल्पक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने० अविकल्प । अ० धा० १८६ । *avikalpa—Adj*. Certain, sure, without alternative.

অবিকসিত अविकसित—वि० । जे विकसित नहि, जे प्रस्फुटित नहि अछि । [सं०] । पारो ५७ (अविकसित गुलाबक ओहि सौरभसँ ततेक कचोट भेल जे हम कान लगलहुँ) । *avikasita—Adj*. Not blossomed.

অবিকার अविकार—वि० । विकाररहित, निर्दोष, जकर रूप रंग नहि बदलैक, विकारक अभाव । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अविकार । शतदल १० (रहि मग्न नग्न अविकार भाव); अ० धा० १८६ । *avikāra—Adj*. Without change of form or nature, immutable, emotionless.

অবিকারী अविकारी—जकरामे विकार नहि हो, निर्विकार, जे एक समान रहए, ईश्वर । [सं०] । तु० क० हि० अविकारी । अ० धा० १८० । *avikārī*—One who has no *vikāra* (q.v.), firm.

অবিকৃত अविकृत—वि० । जे विकृत नहि हो, जे बिगड़ल नहि हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अविकृत । प्र० मै० ८७ । *avikṛta—Adj*. Which is not altered.

অবিখেদ अविखेद—वि० । विशेष दुख, पीड़ा, कष्ट । [अभि +खेद] । पारो ५४ (पीसीओकेँ अविखेद भेलैन्ह) । *avikheda—Adj*. Pain, sorrow.

অবিঘাত अविघात—वि० । हानि । [सं०] । तु० क० हि० अविघात । राम० १०६ (कएल राम राज्यक अविघात); अ० धा० १८६ । *avighāta—Adj*. Disadvantage.

অবিচঙ্ক अविचङ्क—वि० । आश्चर्य, क्षुब्धता । [अव+चकित] । मिहिर ४३–३२–११ (मोनमे बड़ अविचङ्क भेल) । *avicaṅga—Adj*. Astonishment.

অবিচল अविचल—वि० । का०रू० । अचल, अटल, स्थिर, जे विचलित नहि हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविचल । गो० शृं० १ अमर० ४ (ततहु जगत भरि घोषित राइ, राधा माधव अविकल नेह); राम० १११ (भरत अविचल हठ ठानल); महेश० २६ (अविचल भगति न भेल); मोद १७–२०(अविचल देहु न सोहाग विधि); अ० धा० १६० । *avicala—Adj*. P. F. Steady, immovable.

অবিচলতা अविचलता—स्थिरता, स्थायित्व । [सं०] । मिहिर ३४–३६–१५ (एहेन अविचलता ओ दृढ़ संकल्प ओहि देशक निवासीकेँ छैक) । *avicalatā*—Immovableness.

অবিচলিত अविचलित—वि० । जे विचलित नहि भेल हो, जे अचल अछि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०,अस०, ने० अविचलित । प्रणम्य० २० (अविचलित रहबाक मुद्रा बनौलन्हि); द्विरा० २५ (प्रलो-भन रहला उत्तर जे अविचलित रहय) । *avicalita—Adj*. Steady, fixed, not deviating.

অবিচার अविचार—अज्ञान, विचारक अभाव, अविवेक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० अविचार । राम० १०० (केकयि कयलिन जे अविचार); पुरु० ८३ (कृतकर्म्मा अविचार); मोद १७१–२१ (विचार वा अविचार से पूर्णतया ज्ञात नहि कय सकलहुँ); शतदल २० (ठेलि देलक अविचार); अ० धा० १६० । *avicāra*—Lack of discrimination, error.

অবিচারি अविचारि—अविचार (दे०) केर का० स्त्री० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३७५, नेपाल २०६ पृ० ७४क (दिन दस चीत रहलि अविचारि); वि० बि० २८ (लय जनु जाह अविचारि); मोद उद्० १५६–१६ (कहब निज अविचारि) । *avicāri*—P. F. Fem. form of *avicāra* (q.v.).

অবিচারিত अविचारित—वि० । जे विचारल वा निश्चय नहि कएल अछि । [सं०] । तु० क० बं० अविचारित । चन्द्र० १७६ (गमन अविचारित हे) । *avicārita—Adj*. Unconsidered.

অবিচারী अविचारी—वि० । विचारहीन, अविवेकी, अत्याचारी, अन्यायी, अनबूझ । [सं०] । (अविचारी लोकक विश्वास करब व्यर्थ) । *avicārī—Adj*. Inconsiderate, careless, thoughtless.

অবিচ্ছিন্ন अविच्छिन्न—वि० । व्यवधान रहित, सतत, लगातार । [सं०] । तु०क० हि०, बं० अविच्छिन्न । मिहिर २८–३–८ (अविच्छिन्न रूपेँ चित्तमे स्थिति लाभ करैत छैक) । *avicchinna—Adj*. Unobstructed; continually.

অবিজেয় अविजेय—वि० । जे विजय करबाक योग्य नहि हो । [सं०] । चित्रा ८१ (सत्य थिक ई मनोबल अविजेय) । *avijeya—Adj*. Not fit to be conquered.

অবিতএ अवितए—आएब (दे०) केर भवि० रू० । पारो ८५ (कोन बात छलैक जकर जबाब अवितए) । *avita-e*—Future tense form of *āeba* (q.v.).

অবিতথ अवितथ—वि० । जे मिथ्या नहि हो, सत्य । [सं० अवितथ्य] । का० रू० । तु० क० हि० अवितथ । एकावली परिणय १५; अ० धा० १६० । *avitatha—Adj*. True.

অবিতথি अवितथि—आएब (दे०) केर भवि० आद० मध्य० पु० रू० । राम० १८६ (अवितथि लय जयतथि रण जीति); मोद उद्० १५८–१८ (एहि अवसरमे नारद अवितथि); कन्या० १० (कते पहिनहि अवितथि तँ भ जैतैन्ह); द्विरा० १४१ (हमरा लग नहि अवितथि); रंग० ६० (हाथ धए भीतर लए अवितथि) । *avitathi—Hon*. Future tense second person of *āeba* (q.v.).

অবিতয় अवितय—अवितए (दे०) केर विक० रू० । एकावली परिणय ११० । *avitaya—Alt*. of *avita-e* (q.v.).

অবিতর্কিত अवितर्कित—वि० । जकर तर्क कए नहि देखल जाए । [सं०] । पुरु० १२ (अवितर्कित कर जोवक नास); अ० धा० १६० । *avitarkita—Adj.* Unforeseen.

অবিতহি(ক্ক) -হিঁ(ক্কঁ) अवितहि(हु) -हिँ(हुँ)—आएब (दे०) केर निश्च० रू० । राम० १३८ (अवितहि छथि हमर प्राणेश); राम० ५३ (अपनै अवितहु एतए सवेरि); मोद उद० १५६–१३ (ओ नगरसँ अवितहि); मोद १७१–१६ (अवितहि लग नित लेथि सुताय); प्रणम्य० १४६ (अवितहिं दुहू विद्यार्थीकेँ गुरु हत्याक प्रायश्चित लिखि देलथिन्ह); कन्या० १० (की करऽ छिछियाव लेल अवितहु); चित्रा ५५ (एम्हर अवितहि); पारो ४७ (साल पीछू एक खेप अवितहि छलीह); नव० १६ (अवितहि छी हमहू); शतदल ४ (वा दिनकर अवितहि लै अबीर) । *avitahi-(hu)hi(hũ)—Emph.* of *āeba* (q.v.).

অবিতী अविती—घुरैत(काल), अबैत(काल) । [आएब+अती] । मिहिर ३८–३०–८ । *aviti*—(At the time of) return.

অবিতে अविते—अवितहि केर वा० रू० । निपुणताक अर्थमे, आएब । [आएब] । प्रणम्य० १०६ (हेलनाइ अविते नहि रहैन्ह); चित्रा २२ (अविते हेतैक); पारो ५१ (अरिया अविते जाइत रहै छी) । *avite—Coll.* of *avitahi.*

অবিদগ্ধ अविदग्ध—वि० । जे दग्ध नहि हो, अनिपुण, जे चंचल नहि हो, पाकल नहि । [सं०] । तु० क० बं० अविदग्ध । पुरु० १५१ (नृत्य अविदग्ध दोष सौँ जनिकर विद्या हो); अ० धा० १६१ । *avidagdha—Adj.* Not burnt, not ripe.

অবিদার अविदार—वि० । लु० रू० । खुजल नहि । [सं० अविदीर्ण] । चर्य्या० ३६/१ (सुइमा ह अविदार अरे निअमन तोहोर दोसे) । *avidāra—Adj.* Unopened.

অবিদিত अविदित—वि० । जे विदित नहि हो, अनवगत, अविज्ञात, बिनु जानल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, अस० अविदित । चन्द्र० ४० (बापक नाम जगतमे अविदित); मोद ६७–१२ (ई ककरहुसँ अविदित नहि) । *avidita—Adj.* Unknown, without the knowledge of.

অবিদ্যমান अविद्यमान—वि० । १ अनुपस्थित, जे विद्यमान नहि हो; २ मिथ्या, असत्य । [सं०] । तु० क० हि०बं० अविद्यमान । अ० धा० १६१ । *avidyamāna—Adj.* Not present or existent, absent, not true.

অবিদ্যা अविद्या—वि० । विद्याहीन, अज्ञान, माया, मिथ्या-ज्ञान, मोह, कर्मकाण्ड-सांख्य शास्त्रक अनुसार प्रकृति, जड़ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने० अविद्या । राम० ७७ (सदा अविद्या जानू); अमर० ३२ (अविद्या अहंमति); मै० हि० सा० (३–४) २७ (विद्या वा अविद्या दूनू भिन्न-भिन्न विषय थीक); मोद उद० १५७–४ (अविद्या अनाचार अधम असत); अ० धा० १६१ । *avidyā—Adj.* Unwise, ignorance.

অবিধান अविधान—वि० । जकर विधान नहि छैक, बिनु नियमक, विधिहीन । [सं०] । तु० क० बं० अविधान । अ० धा० १६१ । *avidhāna—Adj.* Without rules.

অবিধি अविधि—वि० । विधिविरुद्ध, नियमक विपरीत । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविधि । चन्द्र० २२५ (अविधि सुविधि मनन कयल); मै० हि० सा० (३–४) २७ (न विधि अविधि निश्चय कय सकै छी); अ० धा० १६१ । *avidhi—Adj.* Without rule, illegal.

অবিধেয়(ত্ব) अविधेय(त्व)—वि० । विधिक प्रतिकूलता । [अविधि] । मि० भा० वि० २००; सुमति ५३; मि० इ० ६१ (असम्भव ओ अविधेय); अ० धा० १६१ । *avidheya(tva)—Adj* (State of) Reverse of rules.

অবিনয়(যো) अविनय(यो)—उदंडता, विनयक अभाव, अविवेकता । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविनय; राज० अविणय । वि० ने० २० (मोरि अविनय जत, पलिल खोओब तत); राम० १०२ (की अविनय पहुँ परल हमार); मि० २७३ (हुनक अविनय मुहमदशाहक दरबारमे एहि रूपेँ प्रकाश करू); गपशप विवेक ११; अ० धा० १६१ । *avinaya(yo)*—Want of good manners or modesty, rude behaviour.

অবিনাভাব अविनाभाव—मिलल-जुलल, अभिन्न । [अ+विना+भाव] । मिथिला दर्शन ४–१६ (भाषाक संग मनुष्यकेँ अविनाभाव सम्बन्ध छैक); अ० धा० १६१ । *avinābhāva*—Necessary connection with one another.

অবিনাশ अविनाश—विनाशक अभाव, अक्षय, सुरक्षित । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, अव० अविनाश । अ० धा० १६१ । *avināśa*—Non-destruction.

অবিনাশিনী अविनाशिनी—अविनाशी (दे०) केर स्त्री० रू० । स्त्री शिक्षा ७८ (अविनाशिनी शक्ति भए गेलीह) । *avināśinī—Fem.* of *avināśī* (q.v.).

অবিনাশী अविनाशी—वि० । जकर विनाश नहि हो, अक्षय, सनातन, नित्य, शाश्वत । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, अस० राज० अविनाशी । महेश० ४६ (निरखै निरञ्जन महेश अविनाशी हे); मि० १२ (अत्यन्त आनन्ददायक थिक अविनाशी थिक); अमर० १ (ओहि अविनाशी पुरुषक सम्पत्ति और मोक्ष निमित्त सेवा); खट्टर० ११८ (देवतागण अज अविनाशी होइत छथि); अ० धा० १६१ । *avināśī—Adj.* Imperishable.

অবিনীত अविनीत—वि० । जे विनीत नहि हो, उदंड, दुष्ट । [सं०] । तु० क० हि०, अविनीत । मि० मित्र १०४ (साध्वी स्त्री अविनीत सङ्केत सुनिकेँ केवल अधोमुखी भै मौनावलम्बन केने ओहिठामसँ हटि जाथि); वनकुसुम ४३; अ० धा० १६१ । *avinīta—Adj.* Absence of good manners or modesty.

অবিভক্ত अविभक्त—वि० । मिलल, जे बाँटल नहि गेल होइक, अभिन्न, एक । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अविभक्त । मि० ४११

(दैहिक खर्च अविभक्तवत आजीवन राज्यसँ दितहि रहलथिन्ह); अ० धा० १६२। *avibhakta—Adj.* Undivided.

অবিভাজ্য अविभाज्य—वि०। जे विभाजित नहि होइक। [सं०]। तु० क० बं० अविभाज्य। *avibhājya—Adj.* Not fit to be divided.

অবিযৌ(ঔ)ক अवियौ(औ)क—क्रि०। आएब केर अना० मध्य० पुरु० भवि० रू०। द्विरा० ११२ (छटकि कड सभके नेनं अवियौक)। *aviyauka—V.* Second person nonh. future tense form or *āeba* (q.v.).

অবিরত अविरत—वि०। निरन्तर, अबाध गतिसँ, लगातार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविरत; प्राकृ० अविरय। गो० श्रृं० १ अमर० ५ (जब होय नाह रतन रत अविरत वारत जन अभिलाष); अमर० १५ (सन्तन अविरत अनिश); मि० २३१ (अहर्लोकनिक अविरत परिश्रमसँ भेल); एकावली परिणय ३१; अ० धा० १६३। *avirata—Adj.* Continual, unbroken, uninterrupted.

অবিরল अविरल—वि०। लगातार, निरन्तर, विनु बाधाक, मिलल, सघन। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविरल। वि० ने० ६ (अविरल नयन गलय जलधार); वि० पदा० मञ्जु० १, रागत० ८६, न० गु० (हर) १ अ० ६११ (अविरल केश सोहन्ती); पारिजातहरण ३; आनन्दविजय ४४; राम० ६० (हरणक नोर बह अविरल); कन्या० ३४ (आधा घन्टाक अविरल परिश्रमक अनन्तर); शतदल १८ (निश्वास पवनसँ मिलि अविरल)। *avirala—Adj.* Incessant, continual.

অবিরাম अविराम—वि०। विनु विश्राम कएने, विरामरहित, लगातार, निरन्तर, विनु रुकल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविराम। प्रण० १६२ (अविराम श्रान्तसौं चूर चूर); नव० २१ (जकर अविराम प्रयाससँ खोखाइ पंडित विसेसरीक अक्षरारम्भ लए कोनहुना स्वस्ति कहलथीन्ह); आमक जलखरी २६ (हँसब तेहन अविराम अकारण होइत रहैन्ह)। *avirāma—Adj.* Without rest, continually, uninterrupted.

অবিরায়ল अविरायल—अबीर (दे०)सँ युक्त वा लिप्त। [अबीर]। विश्वेश्वरचम्पू ७। *avirāyala*—Mixed with *abīra* (q.v.).

অবিরুদ্ধ अविरुद्ध—वि०। अनुकूल, जे विरूद्ध नहि हो। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविरुद्ध। पुरु० १८४ (धर्म्मक अविरुद्ध उपायसँ जय स्थिति वृद्धि विचार सौं)। *aviruddha—Adj.* Not incompatible.

অবিরোধ अविरोध—विरोधक अभाव, समानता, अनुकूलता, संगति, मेल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविरोध। अ० धा० १६३। *avirodha*—Absence of opposition, living or being in agreement with.

অবিরোধী अविरोधी—वि०। अनुकूल, जे विरोधो नहि हो, मित्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविरोधी। अ० धा० अविरोधी। *avirodhī—Adj.* Friendly.

অবিলম্ব अविलम्ब—क्रि० वि०। तुरत, विनु अबेरक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविलम्ब। नव० ७ (एहि दिश अविलम्ब ध्यान देल जाय); शतदल ५ (अविलम्ब तनिक अवलम्ब हेतु)। *avilamba—Adv.* At once.

অবিলম্বহি अविलम्बहि—अविलम्ब (दे०) केर निश्च० रू०। मि० मित्र २६६ (मैथिल समाजक उन्नतिक हेतु अनेकानेक समाचार पत्र प्रकाशित भेल किन्तु भगजोगनीक प्रकाशक सदृश अविलम्बहि विलीन भै गेल)। *avilambahi—Emph.* of *avilamba* (q.v.),

অবিলম্বে अविलम्बे—अविलम्ब(हि) (दे०) केर का० रू०। वि० ने० २८० (राजा शिवसिंह रूपनरायन सकल कला अविलम्बे); वि० वि० (जाएब सरसे अविलम्बे आज); वि० वि० १० (मज्जनादि अविलम्बे)। *avilambe*—Poet. of *avilamba(hi)*(q.v.).

অবিবাদ अविवाद—विवादक अभाव। [अ+विवाद]। तु० क० हि० अविवाद। अ० धा० १६२। *avivāda*—Absence of dispute.

অবিবাহিত(তা) अविवाहित(ता)—वि०। जकर विवाह नहि भेल होइक, कुमार वा कुमारि। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अविवाहित। मोद ६६-५ (अविवाहित कन्या मरि जाथि); मि० मित्र ४३१ (अविवाहिता ताहि सुन्दरी घर दास्य भाव दर्शावथि); खट्टर० ११० (भीष्म जकाँ अविवाहित रहि जैतथि); अ० धा० १६२। *avivāhita(tā)—Adj.* Unmarried, bachelor.

অবিবেক अविवेक—विवेकक अभाव, अविचार, अज्ञान, अन्याय। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० अविवेक; प्राकृ० अविवेग। वर्ण० ५४ (अविवेक अइसन आतङ्क); कीर्तिलता २७ (अविवेक करोब कहओ का बाधा पएदा मेले भम); वि० ने० १६८ (तञे कलामति ओ अविवेक); वि० पदा० मञ्जु० ३२३ (नागर भमर दुअओ अविवेक); पुरु० ७२ (सम्प्रति तनि अविवेक)। *aviveka*—Absence of judgement or discrimination.

অবিবেকী अविवेकी—वि०। विवेकशून्य, अज्ञानी, अविचारी, मूर्ख, अन्यायी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अविवेकी। मि० ३७५ (अविवेकी राजाक धन खाएब); मोद ६६-५ (अविवेकी छथि); अ० धा० १६३। *avivekī—Adj.* Conscienceless, indiscriminate.

অবিশেখ(ষ) अबिशेख(ष)—वि०। साधारण वा तुच्छ भेद, विनु अन्तरक, समान। [सं० अविशेष]। तु० क० हि०, बं०, अस०,

ने०, राज० अविशेष; निर्विशेष । *aviśekha(ṣa)—Adj.* Undistinguished, not different, same.

অবিশ্বস্ত **अविश्वस्त**—वि० । जे विश्वस्त नहि हो । [सं०] । मि० ८८ (अविश्वस्त हृदय मर्मच्छेदी कर्मगानक स्वर्गीय लहरीमे हाहाकार); मि० ४७३ (ओहो शुभदेवी अविश्वस्त स्वामिद्रोहिणी स्त्री जानि) । *aviśvasta—Adj.* Unreliable.

অবিশ্বাস **अविश्वास**—विश्वासक अभाव, अनिश्चय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अविश्वास । खट्टर० ९७ (जोतिगीजी अविश्वासक भावसँ पुछलथिन्ह); रंग० १०० (अविश्वासक स्वरमे बहिनकेँ पुछलिऐन्ह) । *aviśvāsa*—Distrust, misgiving.

অবিশ্বাসী **अविश्वासी**—वि० । जे ककरोपर विश्वास नहि करए, जकरापर विश्वास नहि कएल जाए । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अविश्वासी । अ० धा० १६६ । *aviśvāsī—Adj.* Who disbelieves others.

অবিশ্রান্ত **अविश्रान्त**—वि० । श्रान्तरहित, जे थाकल नहि । [सं०] । तु० क० हि० अविश्रान्त । मिहिर २–६१–५६ (४); अ० धा० १६४ । *aviśrānta—Adj.* Who is not tired.

অবিষ **अविष**—समुद्र, पृथ्वी । [सं०] । तु० क० बं० अविष । अ० धा० १६४ । *aviṣa*—Sea, earth.

অবিষয় **अविषय**—वि० । जे मन वा इन्द्रियकेर विषय नहि हो, अगोचर, प्रकरणविरुद्ध, अनिवर्चनीय । [सं०] । तु० क० हि० अविषय । मालविकाग्नि मित्र २; अ० धा० १६४ । *aviṣaya—Adj.* Beyond sensuous perception.

অবিসেখে **अविसेखे**—अविशेख (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० २१० (हाल वसन अविसेखे) । *avisekhe*—Poet. of *aviśekha* (q.v).

অবিস্মরণীয় **अविस्मरणीय**—वि० । जे विस्मरण नहि हो, स्मरण रहएबला । [सं०] । वैदेही १५–१२६ (एक विचित्र आभा आओर एक अविस्मरणीय चेन्ह भ जाइछ) । *avismaraṇīya—Adj.* Unforgettable.

অবিস্মরণীয়তা **अविस्मरणीयता**—भ्रम, विस्मरण । [सं०] । मिहिर ३८–१०–५ (नालन्दाक अतीतक गौरवक अविस्मरणीयता दिश जे शुभ संकेत देखाओल गेल अछि) । *avismaraṇīyata*—Memorableness.

অবিহ **अविह**—क्रि० । आएब (दे०) केर भवि० अना० म० पु० आज्ञा० रू० । राम० २५६ (प्रातहिँ अविह जनु अगुताह); पारो १७ (एक उखड़हाक खातिर अहूठाँ अविह); वनकुसुम ३७ । *aviha—V.* Future tense second person nonh. imperative of *āeba* (q.v.).

অবিহথি **अविहथि**—क्रि० । आएब (दे०) केर भवि० आद० मध्य० पु० आज्ञा० रू० । द्विरा० ७३ (जनिका शौक होइन्ह से हमरा पास अविहथि) । *avihathi—V. Hon.* Future tense second person imperative of *āeba* (q.v.).

অবিহিত **अविहित**—वि० । अनुचित, शास्त्र-विरुद्ध । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अविहित । महेश० १४ (अविहित करमसौं अवनति); मिथिला १–१४४ (नीति रीति सबहिक चाहै अछि अविहित रूप प्रचार); मिहिर २८–२–१३ (अविहित रूपें चलैत रहतैक); झांकार ४३; अ० धा० १६५। *avihita—Adj.* Improper.

অবিজ্ঞ **अविज्ञ**—वि० । अज्ञानी, मूर्ख, अनजान । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अविज्ञ । पुरु० ६२ (राज्य अविज्ञ महीपति जतय); पुरु० १५२ (अहाँ कवि ओ अविज्ञ एहि दूनू गोटाकेँ कथा सुरस की होथि) । *avijña—Adj.* Ignorant.

অবিজ্ঞাত **अविज्ञात**—वि० । अज्ञात, अर्थ वा निश्चयशून्य । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अविज्ञात । मि० ३१० (अविज्ञात स्थानमे नुकावै कहाय पठौने छलाह); मि० ३१२ (एहना समयमे अविज्ञात स्वरूपें आएल छी) । *avijñāta—Adj,* Meaningless, ignorant.

অবীর **अबीर**—अबीर (दे०) केर वा० रू० । प्रणम्य० २५७ (अबीर गुलाबजल कुंकुम); चि० ३६ (कि रेत जनु अबीर) । *avīra—Coll.* of *abira* (q.v.).

অবীরা **अवीरा**—वि० । पुत्र आओर पति रहित, स्वतंत्र, मुक्त । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अवीरा । पुरु० २५; ग० मि० ४७ (पुंश्चलि नारि अवीरा नारि)। *avīrā—Adj.* Widow and sonless woman, free.

অবুড়বান **अवुड़वान**—वि० । जे अपनहि दिश ताकए, अपन घरक समस्त व्यक्तिक हानिक चिन्ता नहि करए । [अ+बुड़ि+वान्] । नव० ६२ (एकाटा एक अवुड़वान छन्हि) । *avuṛavāna—Adj.* diotic.

অবুদ্ধি **अवुद्धि**—वि० । अज्ञान, मूर्ख, जकरा बुद्धि नहि छैक । [अबुद्धि] । पुरु० ५५ (कुमति अवुद्धि न दोष) । *avuddhi—Adj.* Foolish.

অবুধ **अवुध**—अवुद्धि (दे०) केर का० रू० । राम० १५७ (अवुध न बुद्धि सहाये); राम० (रावण अवुध); चन्द्र० १०४ (बिना मन अवुध पतङ्ग); चन्द्र० १४० (कठ जन अवुध उधार); पुरु० १५० (राज्य प्राप्त की अवुध काँ); पुरु० २१८ (सुन्दर के जन अवुध कहाव); मोह उद० १५७–११ (गुण नहिं अवुध बुझैत); शतदल २८ । *avudha—Poet.* of *avuddhi* (q.v.).

অবে **अवे**—अव (दे०) केर का० रू० । वि० वि० ३१ (अवे मोथ पड़लहु तावक हाथ); FML 410 । *ave—Poet.* of *ava* (q.v.).

অবেকত **अवेकत**—वि० । लुप्त वा नुका जाएब । [अव्यक्त] । वि० पदा० मजु० १०८ रामभद्रपुर पोथी १८८ (साजनि अवेकत देह

असंवास); ऐ० ३३२ (गगन नखत छल सेहो अवेकत मेल)। *ave-kata*—*Adj*. Gone, indistinct, lost.

𑒁𑒫𑒹𑒏𑒩𑒰 **अवेकरा**—नृत्यक एक प्रभेद। [अ+वक्र]। वर्ण० ५० (मुकुला, ललिता, भ्रान्ता, अवेकरा)। *avekarā*—A kind of dance.

𑒁𑒫𑒹𑒕𑒰 **अवेछा**—अपेछा (दे०) केर अशु० रू०। पुरु० २२० (अपन मायक अवेछा विषय प्रसव होथिनि)। *avechā*—*Err*. of *apekṣā* (q.v.).

𑒁𑒫𑒹𑒩(𑒩𑒱) **अवेर(रि)**—अबेर (दे०) केर का० ओ वा० रू०। राम० ३०४ (चलब अयोद्धा होइछ अवेर); मि० ४४४ (ग्राहकलोकनिक करकमलमे अवेर वा सवेर पहुँचि रहलि छथि); नक्षत्र ७; राम० ७२ (भेल अबेरि शयन छथि भूप); राम० लालदास। *avera(ri)*—Coll. and poet. of *abera* (q.v.).

𑒁𑒫𑒻(𑒕) **अवै(छ)**—आएब (दे०) केर वर्त० अन्य पु० रू०। अवैतअछि केर सं० रू०। राम० २६६ (विदा भेल अवैछ लंकेश सेना); मै० हि० सा० ५ (जखन सकुर अवैछ)। *avai(cha)*—Present tense third person short form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒻𑒏 **अवैक**—आएब (दे०) केर भविष्य उत्तम पु० रू०। मोद उद्० १५७ (जे मनमे अवैक)। *avaika*—Future tense second person nonh. form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒻𑒞𑒕𑒟𑒱 **अवैतछथि**—आएब (दे०) केर वर्त० आद० अन्य पु० रू०। राम० १२१ (सुनल सुतीक्ष्ण अवैछथि राम)। *avai-tachathi*—Present tense third person hon. form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒻𑒞 **अवैत**—आएब (दे०) केर वर्त० काल रू०। मोद ६७-२२ (घर अवैत छथि); मोद उद्० १५७-२ (प्रकटित भेल अवैत); मोद उद्० १५७-१० (होइत अवैत छथि); प्रण० ६ (तावे अवैत अवैत तीन वाजि जाएत); चित्रा १७ (सुखक दिन लगचैल अवैत रहै); पारो २१ (पारोक पत्र नहि अवैत त किन्नहु जाए अनन्त पहिरितियैन)। *avaita*—Present tense form of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒻𑒞𑒢𑒱𑒏 **अवैतनिक**—वि०। विनु वेतन वा दरमाहा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अवैतनिक। मि० ३६१ (अपना सबहिकेँ अवैतनिक सेवक पुरस्तैनि कहि); लघु० मै० सा० ८६; १२४ वनमानुष २। *avaitanika*—*Adj*. Without salary or pay, ho[illegible]y.

𑒁𑒫𑒻𑒡 **अवैध**—वि०। विधि, नियम, कानूनक विरुद्ध। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अवैध। *avaidha*—*Adj*. Unprescribed, unlawful.

𑒁𑒫𑒻𑒢𑓂𑒯 **अवैन्ह**—आएब (दे०) केर भूत० आद० अन्य पु० रू०। तु० क० अवन्हि। मि० २४७ (संकीर्णता बुझवामे अवैन्ह); प्रणम्य० २६ (हिनका जेहने मन अवैन्ह तेहने कपड़ा दर्जीसँ बनबाए दिऔन्ह)। *avainha*—Hon. past tense third person of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒻𑒨𑒫 **अवैयव**—अवयव (दे०) केर अशु० रू०। जयवार ११५। *avaiyava*—*Err*. of *avayava* (q.v.).

𑒁𑒫𑒻𑒭𑒧𑓂𑒨 **अवैषम्य**—वि०। वैषम्य नहि, मैत्री, दुष्टता वा विरोध नहि। [सं०]। नक्षत्र १६। *avaiṣamya*—*Adj*. Absence of difference or enmity.

𑒁𑒫𑒼𑒛𑒏𑒰𑒩 **अवोडकार**—हवोढकार (दे०) केर रू०। [सं० अप+टघार]। मि० ३८७ (ओ प्रगाढ़ रूपे अवोडकार कनैत कहल-कैन्ह)। *avoḍakāra*—*Coll*. of *havoḍhakāra* (q.v.).

𑒁𑒫𑒼𑒡 **अवोध**—वि०। बोधरहित, बुद्धिहीन, अज्ञानी, जकरा रति ज्ञान नहि छैक। [अ+बोध]। तु० क० बं० अवोध। वि० ने० ३० (मझे कि सिखाउवि तोहहि अवोध); वि० पदा० मजु० २५८ (दूती दम्पति दुअओ अवोध); चन्द्र० २२५ (मनुष्य बोलमे अवोध छोट पक्षि मात्र); मै० हि० सा० (८-१२) ३(अवोध बालककेँ हाथमे नेने); पारो २५ (माउजिलोकनि वहिर अवोध बुझि हल्लुक हँसी करैत छली)। *avodha*—*Adj*. Witless, sexually inexperienced.

𑒁𑒫𑒼𑒡𑒱𑒞 **अवोधित**—वि०। जे जानल वा बुझल नहि अछि। [अवोध+इत]। मि० भा० वि० ११७। *avodhita*—*Adj*. Ignorant.

𑒁𑒫𑒼𑒡𑒱𑒢𑒲 **अवोधिनी**—अवोध (दे०) केर स्त्री० रू०। स्त्री-शिक्षा ११४ (अवोधिनी स्त्री कैँ)। *avodhinī*—*Fem*. of *avodha* (q.v.).

𑒁𑒫𑒼𑒡𑒹 **अवोधे**—अवोध (दे०) केर का० वा निश्च० रू०। राम० ७७ (मारैछ अवोधे)। *avodhe*—*Poet*. of *avodha* (q.v.)

𑒁𑒫𑒼𑒪 **अवोल**—वि०। विनु वोलक, चौक। [अ+बोल]। तु० क० अवोल। अ० धा० १६७। *avola*—*Adj*. Lumb.

𑒁𑒫𑒾𑒏 **अवौक**—आएब (दे०) केर इच्छा० रू०। व्यव० वि० ८१; रंग० २० (अपेक्षितो व्यक्तिक घरसँ सन्देश अवौक)। *avauka*—*Opta*. of *āeba* (q.v.).

𑒁𑒫𑒾𑒡𑒾 **अवौधौ**—अबोध (दे०) केर वाच्य वा निश्च० रू०। मिहिर ३८-३२-१६ (असहायौ अवौधौ के दैछ भाग्य सहायता)। *avaudhau*—*Coll*. or *emph*. of *abodha* (q.v.).

𑒁𑒫𑓂𑒖 **अव्ज**—जकर जलसँ जन्म भेल होइक, जलज। अब्ज केर विक० रू०। तु० क० बं० अब्ज। वि० ने० २२८ (अव्ज बन्धु तनयासहोदर)। *avja*—Lotus.

𑒁𑒫𑓂𑒠 **अव्द**—वि०। जे जल दिअए, मेघ। अब्द केर विक० रू०। तु० क० बं० अब्द। राम० २५० (प्रलयकाल जनु गर्जय अव्द)। *avda*—*Adj*. Cloud.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒏𑓂𑒞 **अव्यक्त**—वि०। जे व्यक्त नहि अछि, आँखिक समक्ष

नहि, अप्रत्यक्ष, अप्रकट, अगोचर। [सं०]। तु० हि०, बं०, अस० ने० अव०, अव्यक्त; प्राकृत अवियक्त; अवियत। वर्ण० ४७ (परित्यक्त, कम्पित, भीत, अव्यक्त, अनुनासिक); अमर ४० (रतिकालक अव्यक्त नाम); मै० हि० सा० (८–१२) २० (पूर्व अवस्था अव्यक्तरूपा प्रकृति वस्तु थीक); गजग्राह उद्धार ११। *avyakta—Adj.* Invisible, imperceptible.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒑𑓂𑒩 **अव्यग्र**—वि०। जे व्यग्र नहि अछि, उत्सुक नहि। [सं०]। पुरु० ३६ (अव्यग्र कय दरिद्रताक भंजन कयल)। *avyagra—Adj.* Unperturbed.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒦𑒱𑒔𑒰𑒩[1] **अव्यभिचार**[1]—वि०। व्यभिचार नहि, सदाचार। [सं०]। अ०धा० १९९। *avyabhicāra*[1]*—Adj.* Absence of evil ways.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒦𑒱𑒔𑒰𑒩[2] **अव्यभिचार**[2]—वि०। बिनु सफलताक, अति आवश्यक। [सं०]। *avyabhicāra*[2]*—Adj.* Non-failure, absolute necessity.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒨[1] **अव्यय**[1]—वि०। १ सब दिन एक समान रहएबला, अक्षय, जाहिमे विकार प्राप्त नहि हो; २ नित्य, आदि-अन्त रहित; ३ व्ययहीन। [सं०]। तु० क० ने०, हि०, बं०, अस० अव्यय। राम० १३२ (परमात्मा अव्यय अनल); त्रि० गीता १४७ (जे अव्यय ईश्वर तीनू लोकमे प्रवेश कै करैत छथि)। *avyaya*[1]*—Adj.* Not liable to change, undecaying, imperishable.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒨[2] **अव्यय**[2]—(व्याकरण) ओ शब्द जकर रूप दूनू लिंग दूनू वचन आ सब कारकमे एकै रहैक। [सं०]। तु० क० हि० अव्यय। *avyaya*[2]—Indeclinable.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒨𑒲𑒦𑒰𑒫 **अव्ययीभाव**—(व्याकरण) ओ समास जाहिमे पहिल पद प्रधान हो तथा आर समस्त शब्द क्रियाविशेषण अव्यय होइछ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने० अव्ययीभाव। अमर० ३६३; अ० धा० २००। *avyayībhāva*—Name of a *Samāsa.*

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒩𑓂𑒟 **अव्यर्थ**—वि०। अमोघ, सफल, सार्थक। [सं०]। तु० क० बं० अव्यर्थ। *avyartha—Adj.* Fruitful.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒫𑒡𑒰𑒢 **अव्यवधान**—वि०। व्यवधानरहित, बाधारहित। [सं०]। अ० धा० १९८। *avyavadhāna—Adj.* Without interruption.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒫𑒮𑓂𑒟 **अव्यवस्थ**—संगीतक प्रभेद। [सं०]। वर्ण० ४७ (सानुनासिक अव्यवस्थ प्रसारी)। *avyavstha*—A term in music.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒫𑒮𑓂𑒟𑒰 **अव्यवस्था**—नियमक अभाव, दुर्व्यवस्था, प्रतिष्ठा वा आदरक अभाव, शास्त्रविरुद्ध व्यवस्था, अविधि, गड़बड़। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अव्यवस्था। अ० धा १९९। *avyavasthā*—Irregularity.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒫𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 **अव्यवस्थित**—वि०। शास्त्रादि-मार्यादा-रहित, अनियंत्रित, बेढंग, अस्थिर। [सं०]। अ० धा० १९९। *avyavasthita—Adj.* Not conformable to law or practice, unmethodical, unreliable, liar.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒮𑒢(𑒢𑒲) **अव्यसन(नी)**—वि०। जे अधलाह वृत्ति नहि करए, व्यसनहीन। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अव०, ने०, राज० अव्यसन, अव्यसनी। अ० धा० २००। *avyasana(nī)—Adj.* Free from evil habit, or practice.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒫𑒮𑒰𑒨(𑒨𑒲) **अव्यवसाय(यी)**—वि०। अधलाह व्यवसाय, नीक कार्य नहि, जे अधलाह कार्य करए। [सं०]। अ० धा० १९९। *avyavasāya(yī)—Adj.* One who is doing no or improper work.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞 **अव्याप्त**—वि०। जे व्याप्त नहि अछि, संकुचित। [सं०]। अ० धा० २००। *avyāpta—Adj.* Not pervaded with.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒰𑒣𑓂𑒞𑒱 **अव्याप्ति**—व्याप्तिक अभाव, विस्तारक कमी। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अव्याप्ति। पुरु० ६४ (कोना अव्याप्तिमूलक ई तर्क तोहरा मनमे स्थान कयलक); साहित्य पत्र १–१–१५। *avyāpti*—Absence of comprehensiveness.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒰𑒯𑒃𑒞 **अव्याहइत**—अव्याहत केर का० रू०। राम० २३३ (अव्याहइत गति सफल थल)। *avyāha-ita—Poet.* of *avyāhata* (q.v.).

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒰𑒯𑒞 **अव्याहत**—वि०। बाधारहित, बिना रोकक, युक्तिसंगत, सत्य, ठीक। [सं०]। तु० क० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव्याहत। राम० (उत्तर) २७; वेकफिल्डक पादरी ८५; कुमार ४५; नव० ६८ (मैत्रीमे इहो दुइ दिशएँ अव्याहत छलइक)। *avyāhata—Adj.* Unresisted, unimpaired.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒳𑒞𑓂𑒣𑒞𑓂𑒞𑒱 **अव्युत्पत्ति**—व्युत्पत्तिक अभाव। [सं०]। अ० धा० २०१। *avyutpatti*—Absence of etymology.

𑒁𑒫𑓂𑒨𑒳𑒞𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢 **अव्युत्पन्न**—वि०। अनभिज्ञ, अकुशल, व्याकरणक अनुसार जकर व्युत्पति वा सिद्धि नहि भए सकैक। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अव्युत्पन्न। पुरु० १५८ (मनधर अव्युत्पन्न नाम शुनि श्लोक पढ़ल); मै० हि० सा० (मि०इ०) (अव्युत्पन्नशिरोमणिसभसँ कोना सम्भव ?)। *avyutpanna—Adj.* Underived, having no efficiency.

𑒁𑒫𑓂𑒩𑒰𑒯𑓂𑒧𑒝(𑒝𑒼) **अव्राह्मण(णो)**—अब्राह्मण(हु) केर का० रू०। मोद उद्० १५७·५(अव्राह्मणो धर्म विभागक नेता); गद्यचन्द्रिका ६५। *avrāhmaṇa(ṇo)—Coll.* of *abrāhmaṇa(hu)* (q.v.).

𑒁𑒬𑒏𑒳𑒢 **अशकुन**—अमंगल, अधलाह लक्षण, अशुभ, कोनो वस्तु वा व्यापार जाहिसँ अशुभ होएबाक सूचना भेटए। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज, अव० अशकुन; असगुन (मै०)। मोद १७४–१२ (स्त्रीगणकेँ भारी अशकुन मानैत छलाह); अ०धा० २७०। *aśakuna*—Ill-omen.